YouTube kanwhizztimes
@kanwhizztimes lucknow
@kanwhizztimes
www.kanwhizztimes.com

कैनविज टाइम्स

सिर्फ सच

❐ वर्ष-15 ❐ अंक-147 ❐ शनिवार, 27 जून 2026 ❐ नगर संस्करण ❐ लखनऊ से प्रकाशित एवं दिल्ली, पंजाब और उत्तराखंड में प्रसारित ❐ मूल्य- ₹ 3.00 ❐ पृष्ठ-12

जिन्होंने पीढ़ी दर पीढ़ी संविधान की हत्या की, अगर सत्ता उनके पास फिर से चली जाए तो वह क्या हश्र करेंगे, इसका प्रमाण हम पहले देख चुके हैं। वह संसद में सड़क पर भ्रांतियां फैलाते हैं और बताने की कोशिश करते हैं कि वही संविधान के सच्चे संरक्षक है। स्मृति ईरानी

हम राज्य के खोये हुए सांस्कृतिक गौरव को वापस लाएंगेः अधिकारी 11

यूओयू उत्तराखंड व आरटीओयू यूपी के मध्य शैक्षणिक समझौता 12

संक्षेप

जेपीएनआईसी घोटाले में एलडीए के दो पूर्व अभियंता तलब

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित बहुचर्चित जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) परियोजना में कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच एक बार फिर रफ्तार पकड़ने लगी है। शासन के निर्देश पर चल रही विभागीय कार्रवाई के तहत एलडीए के तत्कालीन मुख्य अभियंता डीपी सिंह और तत्कालीन अधिशासी अभियंता पूरन कुमार को 7 जुलाई को मंडलायुक्त के समक्ष सुनवाई के लिए तलब किया गया है। दोनों अधिकारियों पर आरोप है कि उन्होंने शासन से स्वीकृत विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) के दायरे से बाहर जाकर बिना अनुमति अतिरिक्त कार्य कराए। इसके अलावा निर्धारित वित्तीय सीमा से अधिक की निविदाएं स्वीकृत कर अनुबंध किए, जिससे परियोजना में वित्तीय अनियमितताएं हुई। इन्हीं आरोपों के आधार पर वर्ष 2018 में विभागीय कार्रवाई शुरू की गई थी।

तीन दिन तक लू से राहत नहीं,30 से बदलेगा मौसम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले तीन दिनों तक भीषण गर्मी और लू से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश के 33 जिलों में 27 जून को तथा 26 जिलों में 28 और 29 जून को लू चलने की चेतावनी जारी की है। हालांकि इसके बाद मौसम में बदलाव के संकेत हैं और अधिकतम तापमान में छह से नौ डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने की संभावना जताई गई है। मौसम केंद्र, लखनऊ द्वारा शुक्रवार शाम जारी हीट वेव बुलेटिन के अनुसार अगले तीन दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है। इसके बाद मानसूनी गतिविधियां बढ़ने के साथ तापमान में छह से नौ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान में पांच से सात डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की जा सकती है।

12 महीने की शेल्फ लाइफ वाली दवाएं ही आयात होंगी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने आयातित दवाओं को लेकर मानकों में बदलाव का फैसला किया है। अब उन्हीं दवाओं को आयात किया जा सकेगा जिनकी शेल्फ लाइफ देश में प्रवेश करते समय कम से कम 12 महीने बची होगी। मंत्रालय ने इसके लिए नया मसौदा जारी किया है तथा विभिन्न पक्षों से सुझाव भी मांगे हैं। मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि दवा नियम 1945 के नियम 31 में बदलाव किया जा रहा है। इसमें आयातित दवाओं के इस्तेमाल को तर्क संगत बनाने के लिए नई व्यवस्था की जा रही है। इससे आयातित दवाओं को देश में वितरण और बिक्री के लिए पर्याप्त समय मिलेगा तथा वे जल्दी एक्सपायर नहीं होंगी, मंत्रालय के अनुसार मौजूदा समय में 60 फीसदी या इससे अधिक की शेष बची हुई गुणवत्ता की अवधि की दवाओं को आयात की अनुमति है। यानी जो दवाएं 40 फीसदी तक अपनी गुणवत्ता खो चुकी हैं वह आयात हो सकती हैं। लेकिन अब इससे बदलकर 12 महीने की शेष बची हुई शेल्फ लाइफ कर दिया गया है।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा ने ट्रस्ट से दिया इस्तीफा

करोड़ों रुपये की नकदी और जेवरातों में हेरफ़ेर की हुई थी पुष्टि

एजेंसी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा ने अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। दोनों ने अपना इस्तीफा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को सौंप दिया है।

ट्रस्ट के ट्रस्टी नृपेंद्र मिश्रा ने भी मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्हें चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफ़े की जानकारी मिली है। हालांकि, अन्य सूत्रों का कहना है कि चंपत राय ने केवल महासचिव पद से इस्तीफा दिया है, जबकि ट्रस्ट की सदस्यता बरकरार रखी है।

इससे पहले गुरुवार देर रात पुलिस ने इस मामले में चंपत राय के करीबी सहयोगी रामाशंकर यादव उर्फ टिन्नू समेत आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सभी आरोपियों को शुक्रवार को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस उनकी 14 दिन की रिमांड की मांग करेगी। मामले में पहली एफआईआर गुरुवार शाम ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर दर्ज की गई थी। हालांकि, एफआईआर में चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और ट्रस्ट के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के नाम शामिल नहीं हैं। राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला पहली बार 7 जून को सामने आया था। इसके बाद 13 जून को उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया। एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक जांच रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को सौंप दी थी। इस बीच, पूर्व दिल्ली मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को रामलला के दर्शन किए। उन्होंने कहा, ल्लजिन लोगों ने इतना बड़ा पाप किया है, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। दर्ज की गई एफआईआर केवल दिखावा है। बड़े लोगों को बचाने की कोशिश की जा रही है।

एसआईटी की जांच में करोड़ों रुपये की नकदी और जेवरातों का हेरफ़ेर करने की पुष्टि हुई थी, जिसमें इन आरोपियों का नाम सामने आया। यही नहीं, ट्रस्ट ने भी घटना उजागर करने के बाद इन सभी को पकड़ा था। इनकी निशानदेही पर करीब तीन करोड़ रुपये बरामद किए थे। अब जब विवेचना होगी तो स्पष्ट हो सकेगा कि कितने करोड़ का खेल हुआ और कितना सोना-चांदी व कीमती धातु के जेवरात गायब किए गए।

सीसीटीवी फुटेज की जांच में चोरी करते दिखे सभी लोगों को आरोपी बनाया गया है। पूछताछ व अन्य साक्ष्यों के आधार पर पता चला कि इस पूरी साजिश में टिन्नू यादव और सुभाष श्रीवास्तव की बड़ी भूमिका थी। सुभाष ने ही चोरी के खेल में अन्य लोगों को जोड़ा था। गणना में ड्यूटी लगाने को जांच पड़ताल का जिम्मा सुभाष के पास था लिहाजा इन दोनों को आरोपी बनाया गया। एसआईटी ने फुटेज को साक्ष्य के तौर पर जांच में शामिल किया था। अब पुलिस अपनी विवेचना में इन साक्ष्यों को शामिल करेगी।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के साथ ही अब जमीन खरीद-फरोख्त का मामला गरमा गया है। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बृहस्पतिवार को एसआईटी को 11 दस्तावेज सौंपे। उन्होंने दावा किया कि इन जमीनों की खरीद-बिक्री में करोड़ों रुपये का घोटाला हुआ है। सांसद ने आरोप लगाया कि मंदिर के लिए जमीनें बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर खरीदी गईं। इससे चंदे की रकम को भारी नुकसान पहुंचाया गया। संजय सिंह ने एसआईटी अध्यक्ष विजय विश्वास पंत और सदस्य नील रतन से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि चढ़ावे में अनियमितताओं से जुड़े लोगों की भूमिका जमीन सौदों में भी है। संजय सिंह ने गहन जांच और कार्रवाई की मांग की है। एसआईटी ने अब इन दस्तावेज के आधार पर विस्तृत जांच शुरू कर दी है। एक सौदे में दो करोड़ रुपये की जमीन 18 मार्च 2021 को 18.5 करोड़ रुपये में ट्रस्ट को बेची गई। इस एक सौदे में करीब 16.5 करोड़ रुपये का अंतर बताया गया है। तत्कालीन मेयर ऋषिकेश उपाध्याय और ट्रस्ट सदस्य अनिल मिश्रा इस बैनामे के गवाह थे।

कोर्ट में पेश किए गए सभी आरोपी, हिरासत में भेजे गए जेल

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जिला एवं सत्र न्यायालय फैजाबाद में पेश किया गया। सुनवाई के बाद सभी आरोपियों को 29 जून तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आरोपियों को एसओजी प्रभारी अपनी टीम के साथ न्यायालय लेकर पहुंचे। इससे पहले सभी का पुलिस लाइन ● शेष पेज 11 पर

हाईकोर्ट ने ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने को गलत व शून्य ठहराया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❐ आदेश करने पर अधिकारी से मांगा हलफनामा

❐ हाईकोर्ट ने कहा, जब डबल बेंच ने प्रावधान को असंवैधानिक करार दे रखा है तो आदेश कैसे दिया गया

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव को टालने और ग्राम प्रधानों को छह महीने के लिए प्रशासकों की नियुक्ति को सही नहीं माना है। इस संबंध में पारित आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि जब पंचायत राज अधिनियम के संबंधित प्रावधान 12(3-।) को हाईकोर्ट की खंडपीठ ने असंवैधानिक करार दे रखा है तो कैसे इस प्रावधान के तहत आदेश पारित किया जा सकता है।

यह आदेश जस्टिस सिद्धार्थ नंदन ने अरविंद राठौर की याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया है। हाईकोर्ट में ग्राम प्रधानों को प्रशासक नियुक्त करने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने कहा कि प्रधानों को प्रशासक रूप में बने रहने की इजाजत नहीं दी जा सकती। अदालत ने पंचायत चुनाव टालने को असंवैधानिक बताया है। कोर्ट ने सरकार से ओबीसी कमीशन की रिपोर्ट के साथ टाइमलाइन मांगी है। हालांकि कोर्ट ने अभी किसी तरह की कोई अंतरिम रोक नहीं लगाई है। कोर्ट ने कहा कि प्रशासक नियुक्त करना डिवीजन बेंच के आदेश का उल्लंघन है जो अदालत की अवमानना की श्रेणी में आता है।

हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को अंतिम अवसर के रूप में ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लाने के लिए एक विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर राज्य सरकार ने कोई आयोग गठित किया है तो उसकी जानकारी और अन्य विवरण कोर्ट में दाखिल करें। इसमें चुनाव होने की समय सीमा स्पष्ट रूप से बताई गई हो, प्रस्तुत करें। सहारनपुर से याचिकाकर्ता अरविंद राठौर की ओर से दाखिल की गई याचिका पर अदालत ने ये निर्देश दिया है। हाईकोर्ट में 13 जुलाई को दोपहर दो बजे मामले की अगली सुनवाई होगी। मालूम हो कि यूपी में पंचायतों का कार्यकाल 26 मई 2026 को समाप्त हो गया है। 25 मई को सरकार ने आदेश जारी कर ग्राम प्रधानों को ही प्रशासक नियुक्त कर दिया है। याचिका में प्रशासकों को हटाकर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कराए जाने की मांग की गई है।

एनसीईआरटी की नौवीं कक्षा में एसआईआर को शामिल किया गया

एजेंसी

❐ एसआईआर, ईवीएम और गठबंधन राजनीति पर विस्तृत जानकारी शामिल

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग एनसीईआरटी ने कक्षा 9वीं के लिए सामाजिक पुस्तक की नई किताब जारी की है। यह किताब शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए जारी की गई है और किताब का शीर्षक अंडरस्टैंडिंग सोसायटी : इंडिया एंड बियांड है।

एनसीईआरटी की इस नई किताब में एसआईआर के बारे में विस्तार से बताया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि एसआईआर क्यों जरूरी है और यह प्रक्रिया क्यों करवाई जा रही है। यही नहीं गएक्टड्ढ ने किताब में यह भी जिक्र किया है कि चुनाव आयोग देश में निष्पक्ष तरीके से काम कर रहा है।

एनसीईआरटी की इस नई किताब में एसआईआर पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है। इस अध्याय की मदद से किताब में बताया गया है कि एसआईआर का मुख्य कार्य मतदाता सूची को अपडेट करना, मतदाताओं का सत्यापन करना और मतदाताओं की सूची में त्रुटि को दूर करना है। इसके अलावा, इस अध्याय की मदद से छात्रों को यह भी समझाया जाएगा कि मतदाता सूची का निरीक्षण करने से चुनावी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। कक्षा 9वीं के छात्रों को गठबंधन की राजनीति को समझाने के लिए भी एक अलग से एक्टिविटी सेक्शन बनाया गया है। इस एक्टिविटी के माध्यम से छात्रों को साल 1977, 1999, 2004, 2009, 2014, 2019 और 2024 के चुनावों के बाद सरकार बनाने वाले गठबंधन की पहचान करने के लिए कहा गया है। कक्षा 9वीं की इस नई किताब में छात्रों को ईवीएम और वीवीपैट के बारे में भी पूरी जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, छात्रों को चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न चरणों और लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली के बारे में भी बताया जाएगा।

पासपोर्ट, आधार को नागरिकता का सबूत बनाए सरकार : थरूर

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता और पूर्व विदेश राज्य मंत्री शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार को पासपोर्ट और आधार कार्ड दोनों को भारतीय नागरिकता का मान्य और पक्का साक्ष्य बनाना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि इसके लिए सरकार को कानूनी ढांचे और नियमों में बदलाव करना चाहिए। थरूर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि अभी आधार कार्ड राष्ट्रीयता के बजाय 182 दिनों तक स्थानीय रूप से रहने पर जारी होता है। इससे नागरिक और गैर नागरिक निवासी, दोनों ही आधार कार्ड बनवा सकते हैं। दोनों के लिए जारी होने वाले आधार कार्ड भी एकसमान होते हैं।

उन्होंने सुझाव दिया कि गैर नागरिकों के लिए अलग दिखने वाला आधार कार्ड (जिस पर सामने की ओर तिरछी लाल पट्टी हो) जारी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को यह नियम बनाना चाहिए कि सभी भारतीय नागरिकों को अपने पास आधार के साथ वैध पासपोर्ट रखना जरूरी हो और इन्हें ● शेष पेज 11 पर

वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप से अब भी हजारों लापता

एजेंसी

❐ भूकंप से करीब 235 लोगों की मौत, 4300 घायल

ला ग्वायरा (वेनेजुएला)। वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप से अब भी हजारों लोग लापता हैं। इस आपदा में मरने वालों की संख्या बढ़कर 235 हो गई है। वहीं कम-से-कम 4,300 लोग घायल हैं।

स्वास्थ्य मंत्री कार्लोस अल्वाराडो ने सरकारी मीडिया से कहा कि हमारे स्वास्थ्य केंद्रों में करीब 235 ऐसे लोग लाए गए, जो या तो पहले ही दम तोड़ चुके थे या अस्पताल पहुंचने पर उनकी मौत हो गई। भूकंप के बाद हजारों लोगों के लापता होने की सूचना है, जिससे आशंका जताई जा रही है कि मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। बुधवार शाम आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के इन भूकंपों को वेनेजुएला में पिछले एक सदी से भी अधिक समय में आए सबसे ● शेष पेज 11 पर

मुश्किल वक्त में भारत बना सहारा, 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। वेनेजुएला में आए विनाशकारी भूकंप के बाद भारत ने मानवीय सहायता और आपदा राहत के तहत 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। इस अभियान के माध्यम से भारत ने प्रभावित लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने की पहल की है। इसके लिए भारतीय सेना की एक विशेष मेडिकल टुकड़ी को वेनेजुएला रवाना किया गया है। भारतीय सेना के 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल से 41 सदस्यीय दल भारतीय वायुसेना के दो विमानों से वेनेजुएला के लिए रवाना हुआ है। इनमें नौ अनुभवी सैन्य चिकित्सक भी शामिल हैं। यह दल वेनेजुएला के आपदा-प्रभावित क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं, गंभीर रूप से घायल लोगों का उपचार, सर्जरी, ट्रॉमा प्रबंधन तथा प्रभावित लोगों को गहन चिकित्सा प्रदान करेगा। भारतीय सेना के अनुसार उनकी यह मेडिकल ● शेष पेज 11 पर

एनडीपीएस कानून में संशोधन करेगी सरकार: अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार उन सभी कानूनी खामियों को दूर करने के लिए स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) में संशोधन करेगी जिनका इस्तेमाल मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों द्वारा किया जाता है।

शाह ने मादक पदार्थ तस्करों और आपूर्तिकर्ताओं के प्रति सख्त रुख अपनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। शाह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय नार्को-समन्वय केंद्र (एनसीओआरडी) की 10वीं शीर्षस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए राज्यों से कहा कि वित्त मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित संशोधनों के संबंध में अपने सुझाव केंद्र सरकार को भेजें, ताकि मौजूदा खामियों को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सके। गृहमंत्री ने देश में मादक पदार्थ की समस्या से निपटने में एजेंसियों द्वारा हासिल की गई ''सफलताओं'' का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, वर्ष 2004 से 2014 के बीच 26 लाख किलोग्राम सिंथेटिक मादक पदार्थ जब्त किए गए थे। इसके विपरीत, वर्ष 2014 से 2026 के बीच हमने 1.18 करोड़ किलोग्राम सिंथेटिक मादक पदार्थ जब्त किए हैं। इससे स्पष्ट है कि हमारा अभियान लगातार सफलता की ओर बढ़ रहा है। शाह ने कहा कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच जब्त किए गए मादक पदार्थों का मूल्य लगभग 40,000 करोड़ रुपये था, जबकि वर्ष 2014 से 2026 के बीच जब्त किए ● शेष पेज 11 पर

आस्था से खिलवाड़ नहीं करेंगे बर्दाश्त : योगी

श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र दान प्रकरण में पहली एफआईआर के बाद सीएम योगी ने कहा- एसआईटी रिपोर्ट आते ही शुरू हो गई कार्रवाई

एजेंसी

देवरिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र दान प्रकरण में पहली एफआईआर दर्ज होने के बाद कहा कि आस्था के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट प्राप्त होते ही सरकार ने कार्रवाई शुरू कर दी है। योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को देवरिया जिले के बरहज विधानसभा क्षेत्र के बरांव में 456.38 करोड़ रुपये लागत की 106 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं, सुशासन और धार्मिक स्थलों के विकास का उल्लेख करते हुए विपक्षी दलों पर भी निशाना साधा। उन्होने कहा, ''मैंने पहले भी कहा था कि दूध का दूध और पानी का पानी होकर रहेगा। जनआस्था के साथ जो भी खिलवाड़ करेगा, उसे उसके परिणाम भुगतने होंगे। किसी को भी ऐसी छूट नहीं दी जा सकती।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि 19 जून को अयोध्या दौरे के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया था कि अयोध्या देश की आस्था और सनातन परंपरा का केंद्र है तथा उसके संबंध में अनावश्यक आक्षेप नहीं लगाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट मिलते ही सरकार ने उसकी संस्तुतियों के अनुरूप कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

उन्होंने प्रदेशवासियों और रामभक्तों से अयोध्या की गरिमा बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि अयोध्या और प्रभु श्रीराम की मर्यादा का सम्मान किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि जो लोग आज आस्था की बात कर रहे हैं, वे पूर्व में भगवान राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते रहे हैं तथा श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन और मंदिर निर्माण का विरोध करते रहे। मुख्यमंत्री ने बिना किसी व्यक्ति विशेष का नाम लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते ● शेष पेज 11 पर

उत्सव में उपद्रव करने वाला सात पीढ़ियों तक भुगतेगाः सीएम

देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी में उत्सव के माहौल में कोई उपद्रव नहीं कर सकता। अगर कोई ऐसा करेगा तो सात पीढ़ियों तक भुगतेगा। आज मुहर्रम पर शांति है। कोई खुलेआम हथियारों का प्रदर्शन या सड़क पर गुंडागर्दी नहीं कर सकता। 2017 में सरकार बनने के साथ ही अपराध, माफिया व अराजक तत्वों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। जो भी अपराध करेगा, माफिया गतिविधियों में शामिल होगा या जन आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा, जीरो टॉलरेंस के तहत ही कार्रवाई की जाएगी। कानून व्यवस्था मजबूत होने से प्रदेश में निवेश का वातावरण बना है और तेजी से उद्योग स्थापित हो रहे हैं। सपा व कांग्रेस के शासनकाल में उत्तर प्रदेश माफियाओं व दंगों के लिए बदनाम था। याद करें 2016 में यहीं मदनपुर थाने को लूट लिया गया था, आग लगा दी गई थी। सीएम योगी ने कहा कि एक समय ऐसा था जब देवरिया के लोग एक पुल और एक सड़क के लिए वर्षों तक इंतजार करते थे, लेकिन आज प्रदेश में विकास की गति पूरी तरह बदल चुकी है। पडरौना, कसया, पथरदेवा, देवरिया, सोनूघाट, बरहज, दोहरीघाट को वाराणसी व गोरखपुर मार्ग से जोड़ने वाली सड़कें पूर्व-पश्चिम कनेक्टिविटी को मजबूत कर रही हैं। वहीं हाटा, गौरीबाजार व कौड़ीराम तक फोरलेन सड़कें उत्तर-दक्षिण कनेक्टिविटी को नई दिशा देगी। बेहतर सड़कें व इन्फ्रास्ट्रक्चर और मजबूत कनेक्टिविटी किसी भी क्षेत्र के विकास की सबसे बड़ी आधारशिला होती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास दुनिया की सबसे बड़ी युवा शक्ति है और सरकार इसी शक्ति को कौशल, रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने का काम कर रही है। अब तक 9 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है, जबकि परंपरागत उद्योगों और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 3 करोड़ लोगों को रोजगार और आजीविका के साधन उपलब्ध कराए गए हैं। प्रदेश का युवा प्रतिभाशाली है। वह बड़ी से बड़ी चुनौती को अवसर में बदल सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था ● शेष पेज 11 पर

जनता की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराएं अधिकारी : योगी

❑ जनता दर्शन में 200 लोगों की समस्याएं सुनीं मुख्यमंत्री योगी ने

❑ लोगों से बोले – चिंता मत करिए, सबकी समस्या पर होगी प्रभावी कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की हर समस्या का शीघ्र समाधान कराएं। लोगों की शिकायतों को संवेदनशीलता से लेकर संतुष्टिप्रद निस्तारण सुनिश्चित कराने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, चिंता मत करिए। सरकार सबकी समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी।

शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी करीब 200 लोगों से मिले। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक पहुंचकर मुख्यमंत्री ने सबकी समस्याएं सुनीं और उनके प्रार्थना पत्रों को पास में खड़े अधिकारियों को हस्तगत कर समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लोगों से कहा कि चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में हर बार की तरह कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे।

मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। हृदय रोग से पीड़ित एक महिला से उन्होंने कहा कि इलाज के लिए उन्हें मुख्यमंत्री राहत कोष से पर्याप्त आर्थिक सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री योगी ने जमीन कब्जा से जुड़ी शिकायतों पर अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में त्वरित और कड़े कदम उठाए जाएं। जबरन जमीन कब्जा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

यूपी कांग्रेस में बड़ा बदलाव, अविनाश पांडे की जगह राजेंद्र पाल गौतम बने नए प्रभारी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य संगठन में बड़ा बदलाव करते हुए अविनाश पांडे की जगह दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश कांग्रेस का नया प्रभारी नियुक्त किया है। इस बदलाव को आगामी चुनावों के मद्देनजर संगठन को अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

राजेंद्र पाल गौतम दिल्ली की सीमापुरी विधानसभा सीट से विधायक रह चुके हैं। वह अरविंद केजरीवाल सरकार में समाज कल्याण मंत्री भी रहे। वर्ष 2022 में एक विवाद के बाद उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था और बाद में आम आदमी पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। पेशे से अधिवक्ता गौतम लंबे समय से दलित अधिकारों और सामाजिक न्याय से जुड़े

मुद्दों पर सक्रिय रहे हैं। पार्टी सूत्रों के अनुसार, उत्तर प्रदेश में संगठन को अधिक मजबूत बनाने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को गति देने के उद्देश्य से यह बदलाव किया गया है। माना जा रहा है कि कांग्रेस राज्य में अपने जनाधार को मजबूत करने के लिए नए सिरे से संगठनात्मक ढांचे पर काम करेगी। राजेंद्र पाल गौतम की नियुक्ति को कांग्रेस की सामाजिक समीकरण साधने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी दलित समुदाय के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास कर रही है, जहां लंबे समय तक बहुजन समाज पार्टी का प्रभाव रहा है। नई जिम्मेदारी मिलने के बाद राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाएगा और संविधान तथा सामाजिक न्याय के मुद्दों को लेकर पार्टी का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर दलित हितों की उपेक्षा करने का आरोप भी लगाया। सूत्रों का कहना है कि आने वाले समय में प्रदेश संगठन में और भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। जिलों में संगठनात्मक पुनर्गठन, कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां देने और चुनावी अभियान की रूपरेखा तैयार करने पर पार्टी नेतृत्व विचार कर रहा है। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पिछले दो विधानसभा चुनावों में कमजोर प्रदर्शन के बाद अपने राजनीतिक आधार को मजबूत करने की चुनौती का सामना कर रही है। ऐसे में राजेंद्र पाल गौतम की नियुक्ति को 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले संगठन में नई ऊर्जा भरने की कोशिश माना जा रहा है।

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा आज की आवश्यकता : मुख्यमंत्री

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को गोरखपुर में कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा आज की आवश्यकता है। इसी के दृष्टिगत वर्ष 2017 के बाद से स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवा के गुणवत्तापूर्ण विस्तार के जरिये सरकार ने प्रदेश के प्रति लोगों के परसेप्शन को बदला है। पूर्व की सरकारों और वर्तमान सरकार के बीच सबसे बड़ा अंतर यही है पहले की सरकार ने हर एक जिले में माफिया पैदा किया और वर्तमान सरकार हर जिले में मेडिकल कॉलेज की सुविधा दे रही है।

मुख्यमंत्री योगी शुक्रवार को बेतियाहाता में एस्ट्रोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के उद्घाटन अवसर पर कहा कि पिछली सरकारों ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया' दिया था। तत्कालीन सरकार हर जिले में एक माफिया पालती थी जबकि हमारी सरकार ने 'वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज', (एक जिला एक मेडिकल कॉलेज) 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' (एक जिला एक उत्पाद) और 'वन डिस्ट्रिक्ट वन कुजीन' (एक जिला एक व्यंजन) जैसी योजनाओं का उपहार प्रदेश को दिया है। इन योजनाओं से प्रदेश के प्रति धारणा बदलने, नई और मजबूत पहचान बनाने में मदद मिली है। हॉस्पिटल संचालक परिवार के अभिभावक रहे पूर्व मंत्री मार्कण्डेय चंद की स्मृतियों को साझा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि स्वर्गीय चंद गोरक्षपीठ के अनन्य भक्त थे। वह किसी भी दल में रहे हों, पीठ के प्रति उनका गहरा लगाव और गहरी आस्था थी। करियर दांव पर लगाकर भी वह संबंधों को बहुत महत्व देते थे। उन्होंने एक संस्मरण साझा करते हुए कहा कि मार्कण्डेय चंद ने बसपा सरकार में मंत्री रहते हुए भी विधानभवन में अपनी कुर्सी पर उनसे बैठने के लिए इस आशय से आग्रह किया कि उनके लिए गोरक्षपीठ सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय चंद के पुत्रों सीपी चंद और अरुण चंद व उनके परिवार ने एस्ट्रोमेडिक्स हॉस्पिटल के जरिये उनकी स्मृतियों को जीवंत किया है।

सीएम योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पीएम सूर्य घर योजना में बनाया नया कीर्तिमान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

❑ सोलर रूफटॉप स्थापना में यूपी देश में अव्वल, 6.2 लाख घरों से अधिक तक पहुंची योजना

❑ लगातार तीन माह में 50 हजार से अधिक इंस्टॉलेशन करने वाला पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश

❑ 22 दिनों में पूरे किए अंतिम 50 हजार इंस्टॉलेशन, देश में सबसे तेज रफ्तार दर्ज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रधानमंत्री सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना (पीएमएसजीवाई) के अंतर्गत उत्तर प्रदेश ने सोलर रूफटॉप स्थापना में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए देश में अग्रणी राज्य के रूप में अपनी पहचान मजबूत की है। जून 2026 में आयोजित प्रगति समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में अब तक 6.2 लाख से अधिक घरों में सौर ऊर्जा का लाभ दिया जा चुका है, जो राष्ट्रीय लक्ष्य की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

उत्तर प्रदेश ने इस योजना के तहत निर्धारित 11.27 लाख परिवारों के लक्ष्य में से 50 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल कर ली है। देश में कुल सोलर रूफटॉप इंस्टॉलेशन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है और यह देश के शीर्ष राज्यों में शामिल है। इस दौरान यूपी नेडा डायरेक्टर रविन्दर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने मार्च, अप्रैल और मई 2026 में लगातार तीन महीनों तक 50 हजार से अधिक घरों में सौर ऊर्जा आधारित संयंत्र स्थापित कर देश में नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को क्यूम्यूलेटिव हाउसहोल्ड सोलराइजेशन में भी देश में प्रथम स्थान दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक आवेदन को इंस्टॉलेशन में परिवर्तित करने का लक्ष्य रखा जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि ऋण आवेदनों का समयबद्ध अनुमोदन हो,

ऋण स्वीकृति के बाद लंबित भुगतान (डिस्बर्सल) तत्काल हो तथा अनावश्यक कारणों से किसी भी आवेदन को अस्वीकृत न किया जाए। निष्क्रिय वेण्डर्स को सक्रिय करने एवं आवश्यकता के अनुसार नए वेण्डर्स को जोड़ने की कार्यवाही की जाए। उन्होंने लाभार्थियों को मिलने वाले बिजली बिल में बचत के आंकड़े संकलित कर व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिकाधिक नागरिक योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित हों। प्रदेश में सोलर संयंत्र स्थापना की रफ्तार में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। जून 2025 में जहां प्रतिदिन लगभग 500 इंस्टॉलेशन हो रहे थे, वहीं मई 2026 तक यह संख्या बढ़कर करीब 2100 प्रतिदिन पहुंच गई। पिछले 50 हजार इंस्टॉलेशन केवल 22 दिनों में पूरे किए गए, जिसे देश की सबसे तेज स्थापना दर बताया गया है।

समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में 2000 मेगावाट से अधिक क्षमता जोड़ी जा चुकी है। इसके साथ ही रूफटॉप सोलर उद्योग में प्रतिदिन 40 से 50 करोड़ रुपये तक का कारोबार हो रहा है तथा 80 हजार से अधिक लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदेश में बढ़ती जनभागीदारी, प्रभावी क्रियान्वयन और सरकारी प्रोत्साहन के कारण उत्तर प्रदेश स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। योजना का उद्देश्य आम परिवारों को सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराते हुए बिजली खर्च में कमी लाना है।

कोरांव में शांतिपूर्ण माहौल में निकला मोहर्रम का ताजिया जुलूस

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कोरांव, प्रयागराज। नगर पंचायत कोरांव में मोहर्रम के पावन अवसर पर पारंपरिक ताजिया जुलूस पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया। जुलूस में नगर पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश केशरी समेत अन्य राजनीतिक दलों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर अध्यक्ष ओम प्रकाश केशरी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन की शहादत हमें हमेशा सत्य, न्याय, भाईचारे और इंसानियत के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। अन्याय के खिलाफ अडिग रहना और मानवता की सेवा करना ही इस पर्व का मूल संदेश है। उन्होंने कोरांव के सम्मानित नगरवासियों से आत्मीय मुलाकात कर क्षेत्र एवं नगर में आपसी सौहार्द, अमन-चैन और खुशहाली की कामना की।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इएष्ठ मेजा संत प्रसाद उपाध्याय व इंस्पेक्टर कोरांव सत्येंद्र कुमार ने पुलिस बल के साथ जुलूस मार्ग का भ्रमण कर सुरक्षा का जायजा लिया। जिले से आई विशेष पुलिस टीम ने भी संवेदनशील प्वाइंट पर सघन चेकिंग की। वहीं बडोखर चौकी इंचार्ज प्रहलाद कुमार पाल व अयोध्या चौकी इंचार्ज आशीष सिंह भी अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहे। इस दौरान डीसीपीसी संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था से मोहर्रम का त्योहार सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

डीआरएम आशीष जैन ने औड़िहार–दुल्लहपुर रेलखंड का किया निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गाजीपुर। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन ने शुक्रवार को अपने एक दिवसीय निरीक्षण कार्यक्रम के तहत औड़िहारऽदुल्लहपुर रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दुल्लहपुर एवं जखनियां रेलवे स्टेशनों, दो समपार फाटकों तथा मेजर ब्रिज संख्या-116 का गहन निरीक्षण कर यात्री सुविधाओं और संरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

दुल्लहपुर एवं जखनियां स्टेशन के निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने स्टेशन परिसर की साफ-सफाई, परिचालन व्यवस्था, प्लेटफॉर्म, स्टेशन भवन, सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन पैनल, रिले रूम, अग्निशमन यंत्र, प्रतीक्षालय, टिकट काउंटर, जन आहार स्टॉल, वाटर बूथ एवं हैंडपंप का निरीक्षण किया। दुल्लहपुर स्टेशन पर उन्होंने दिव्यांग यात्रियों के लिए रैंपयुक्त अतिरिक्त प्रवेश द्वार बनाने, वाटर बूथों पर निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने, जन आहार स्टॉल पर अग्निशमन यंत्र लगाने, प्रतीक्षालय में पंखा लगाने, टिकट काउंटर पर रेल वन ऐप का डिस्प्ले लगाने, कूड़ेदानों में गार्बेज बैग लगाने, हैंडपंपों को कार्यशील बनाए रखने तथा स्टेशन परिसर की बैरिकेडिंग कर अनाधिकृत प्रवेश रोकने के निर्देश दिए। जखनियां स्टेशन पर डीआरएम ने खराब पानी के नलों को बदलने, यात्री प्रतीक्षालय में नए फर्नीचर एवं पंखे लगाने, पुराने स्टेशन नेम बोर्ड हटाने, फूड वेंडिंग स्टॉलों के लाइसेंस एवं डस्टबिन की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा पुराने कमरों का उपयोग रेलवे सुरक्षा बल और परिचालन कर्मचारियों के विश्राम कक्ष के रूप में करने के निर्देश दिए। साथ ही प्लेटफॉर्म पर लगी आरसीसी बेंचों एवं स्टेशन भवन के बेहतर रखरखाव और नियमित साफ-सफाई पर भी जोर दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल इंजीनियर आयुष कुमार सिंह, मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर पुष्पेंद्र कुमार वैश, मंडल वाणिज्य प्रबंधक आलोक श्रीवास्तव, मंडल विद्युत इंजीनियर दीपक यादव, सहायक मंडल परिचालन प्रबंधक एस.के. राय सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

केंद्र और बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला

महराजगंज,रायबरेली। बिहार के चर्चित भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर प्रकरण पर बछरावां विधानसभा क्षेत्र के समाजवादी पार्टी विधायक श्याम सुंदर भारती ने पहली बार खुलकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए केंद्र और बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि, भाजपा की सरकारों में व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाने वालों को सुनने के बजाय उनकी आवाज हमेशा के लिए दबा दी जाती है और भरत भूषण तिवारी का कथित एनकाउंटर इसी मानसिकता का परिणाम है।

उत्तर रेलवे
शुद्धिपत्र सूचना

नं. 106–टेली/टेंडर/08/2026–27 (शुद्धिपत्र) दिनांक : 25.06.2026

संदर्भ : निविदा सूचना सं. 106–टेली/टेंडर/08/2026–27 दिनांक : 18.06.2026 के लिए शुद्धिपत्र।

उपरोक्त सन्दर्भित निविदा सूचना जो कि पूर्व में प्रकाशित की गयी है उसमें निम्नलिखित शुद्धियां की जा रही है :–

1. दिनांक 18.06.2026 को प्रकाशित होने वाली निविदा को प्रशासनिक कारणों से अगले आदेश तक निरस्त कर दिया गया है। अन्य शर्तें पूर्ववत ही रहेंगी।

2214/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
ई–निविदा सूचना

निविदा सूचना संख्या 11-टेण्डर/.मु.परि.प्र./नि/वाराणसी दिनाँक 30.05.2026 का दूसरा शुद्धिपत्र

दिनांक 02.06.2026 को समाचार पत्रों में प्रकाशित निविदा सूचना संख्या 11–टेण्डर/मु.परि.प्र./नि/वाराणसी दिनाँक 30.05.2026 के संबंधित तिथियों में प्रशासनिक आधार पर निम्नलिखित संशोधन किया जाता हैः–

विवरण	पूर्व संशोधित तिथि	संशोधित
रेलवे द्वारा बिड पूर्व प्रश्नों के उत्तर की तिथि	29.06.2026	06.07.2026
ई–निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	21.07.2026 समय 11:00 बजे तक	28.07.2026 समय 11:00 बजे तक
क्लॉज संख्या 2.2.1 एवं 2.3 के अनुसार दस्तावेजों को भौतिक रूप से प्रस्तुत करने की तिथि	20.07.2026 तक	27.07.2026 तक
ई–निविदा खुलने की तिथि	21.07.2026 समय 15:00 बजे के बाद	28.07.2026 समय 15:00 बजे के बाद

अन्य सभी नियम और शर्तें समान रहेंगी। **संख्या : 11-टेण्डर/.मु.परि.प्र./नि/वाराणसी, दिनाँक 30.05.2026 का दूसरा शुद्धिपत्र दिनांक 25.06.2026**

2204/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टेली/टेंडर/13/2026-27
कार्य का नाम	उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में ई.आई और आई.बी.एस. स्टेशनों पर रिले हट्स, रिले रूम और एस.एम. रूम में सी.सी.टी.वी. सर्विलांस सिस्टम लगाने की व्यवस्था के प्रावधान का कार्य।
अनुमानित लागत	रु. 4,30,16,442.62/-
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु. 8,60,300.00/-
कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	16.07.2026 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/ उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है • समस्त नियम एवं शर्ते निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है • मैनुउल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं.– 106–टेली/टेंडर/13/2026–27 दिनांक 25.06.2026 2215/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जनता को किसी प्रकार की असुविधा न हो : ए के शर्मा

विद्युत आपूर्ति से लेकर शहर के सौंदर्यीकरण तक हर कार्य तय समय पर करें पूरा, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शुक्रवार को प्रयागराज भ्रमण के दौरान सर्किट हाउस में ऊर्जा विभाग, नगर विकास विभाग एवं विकास प्राधिकरण के कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनहित से जुड़े सभी कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता पर समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान शर्मा ने प्रदेशवासियों को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि बिजली से संबंधित किसी भी समस्या अथवा शिकायत का तत्काल निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। जनप्रतिनिधियों की मांग पर स्वीकृत अथवा निर्माणाधीन विद्युत परियोजनाओं को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए। उन्होंने कार्यों में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

नगर विकास एवं विकास प्राधिकरण की समीक्षा में मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं में तेजी लाकर उन्हें आगामी माघ मेले से पूर्व हर हाल में पूर्ण कराया जाए। उन्होंने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के कार्यों में भी गति लाने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि महाकुंभ के पूर्व शहर के जिन प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण किया गया है, उनका पुनः निरीक्षण कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं। वर्षाकाल को देखते हुए सभी नालों की समयबद्ध सफाई कर जलभराव की समस्या से नागरिकों को राहत दिलाई जाए। उन्होंने हनुमान मंदिर कॉरिडोर के शेष कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, साथ ही मेला क्षेत्र के किनारे स्थापित स्ट्रीट लाइटों के संबंध में निर्देशित किया कि जहां उनकी आवश्यकता अभी भी बनी हुई है, वहां उन्हें हटाया न जाए। उन्होंने प्रयागराज विकास प्राधिकरण के द्वारा हाईकोर्ट के सामने फ्लाईओवर के नीचे बनायी जा रही सड़क के कार्य को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। ए.के. शर्मा ने दोहराया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनसुविधाओं और विकास कार्यों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक परियोजना गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरी की जाएगी। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, महानगर अध्यक्ष भाजपा संजय गुप्ता, भाजपा गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, भाजपा अध्यक्ष यमुनापार राजेश शुक्ला अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित नगर आयुक्त साईं तेजा, विद्युत विभाग के चीफ इंजीनियर ट्रांसमिशन सुरेंद्र प्रताप सिंह, चीफ इंजीनियर जोन फर्स्ट राजेश कुमार, चीफ इंजीनियर जोन टू अशोक कुमार, सचिव प्रयागराज विकास प्राधिकरण विनीत सिंह, उप ज़िलाधिकारी मेला विवेक कुमार शुक्ला, अधीक्षण अभियंता पीडब्लूडी एवं अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे की आदत पूरी दुनिया के लिए बना चैलेंज और समाज के लिए है अभिशाप : नितिन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। मादक पदार्थों का दुरुपयोग एवं अवैध व्यापार विरोधी अन्तराराष्ट्रीय दिवस' के अवसर पर शुक्रवार को लखनऊ सहकारिता भवन स्थित चौधरी चरण सिंह सभागार में एक राज्य स्तरीय मद्य निषेध कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश के मद्य निषेध विभाग की ओर से केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' और नेशनल एक्शन प्लान फार ड्रग डिमांड रिडक्शन योजनांतर्गत आयोजित किया गया था।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में प्रमुख सचिव समाज कल्याण अनुराग यादव उपस्थित रहे। सर्वप्रथम आबकारी मंत्री एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने मद्य निषेध प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं अवलोकन किया गया। तत्पश्चात मंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को नशा से दूर रहने तथा आमजनमानस को इसके लिए प्रेरित करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आबकारी मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2020 को नशा मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य लोगों को खासतौर से युवाओं को नशे से दूर रखना था। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसमें युवाओं की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी वाला राष्ट्र है। हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है कि युवाओं को नशे की आदत से बचाए और उनकी असीम ऊर्जा का उपयोग राष्ट्र के विकास में लगाए। इसके लिए केंद्र और राज्य सरकार की एजेंसिया लगातार प्रयास कर रही है। युवाओं में नशा के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए स्वयं सेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों व सिविल सोसाइटी को मद्य निषेध विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्ति अभियान में सक्रिय सहयोग कर लोगों को जागरूक करने का कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने भी प्रदेशवासियों को नशा से दूर रहने की अपील की है। आज प्रदेश 11.5 प्रतिशत की दर से विकास कर रहा और देश की जीडीपी में 9.1 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि नशे की लत पूरी दुनिया के लिए आज एक चैलेंज बन चुका है, नशे की आदत समाज के लिए अभिशाप बन गया है। उन्होंने प्रदेश के युवाओं में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिन्ता व्यक्त की और आम जनमानस के साथ युवाओं को इससे दूर रहने की अपील की। प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने नशीले पदार्थों की बढ़ती प्रवृति पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि आज नशा मुक्त भारत अभियान, विकसित भारत की पहचान की मुहिम को गति प्रदान करने की आवश्यकता है। केवल शासकीय प्रयासों से ही यह सम्भव नहीं होगा। इस कार्य में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। बलरामपुर चिकित्सालय के मानसिक रोग विशेषज्ञ डा. पीके श्रीवास्तव ने विभिन्न मादक पदार्थों के दुरूपयोग के मनोसामाजिक कारणों पर व्यापक प्रकाश डालते हुए उससे बचने के तरीकों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन शशांक वर्मा ने किया। कार्यक्रम में मद्य निषेध विभाग ने 19 जून को आयोजित प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को मंत्री व अन्य अतिथियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में राज्य मद्य निषेध अधिकारी आर एल राजवंशी द्वारा विभाग की उपलब्धियों के साथ मद्य निषेध कार्यक्रमों तथा नशामुक्त भारत अभियान के संदर्भ में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय मद्य निषेध अधिकारी रमेश कुमार, जिला मद्य निषेध अधिकारी नीतू वर्मा,विमल कुमार,बृजमोहन, श्रीकांत सिंह व संकटा प्रसाद उपस्थित रहे।

लोकबंधु अस्पताल में संचालित वन स्टॉप सेंटर में लगी आग, फायर कर्मियों ने पाया काबू

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ आग लगने की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। इसी क्रम में शुक्रवार को अलग-अलग दो स्थानों पर आग लगने की घटना सामने आयी है। पहली घटना लोकबंधु अस्पताल में संचालित वन स्टॉप सेंटर की है तो दूसरी घटना अमीनाबाद की एक दुकान की है। हालांकि समय रहते आग को बुझा लिया और अभी तक किसी भी प्रकार की जनहानि की बात सामने नहीं आयी है। कृष्णानगर पुलिस की ओर से यह जानकारी दी गई है कि लोकबंधु अस्पताल परिसर में स्थित वन स्टॉप सेंटर में आग लग गई। इस सूचना के बाद आलमबाग फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। अग्निशमन अधिकारी धर्मपाल सिंह के मुताबिक, केंद्र के लाइट पैनल में लगी थी। लकड़ी (वुडन) से निर्मित इंटीरियर का एक कॉलम एवं उसके ऊपर की सीलिंग आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुई है। इसके अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार की विशेष क्षति की सूचना नहीं है। वर्तमान में स्थिति पूर्णतः नियंत्रण में है। मौके पर शांति एवं कानून-व्यवस्था सामान्य है तथा आवश्यक अग्रिम कार्यवाही प्रचलित है।

वही, अमीनाबाद के गड़बड़झाला स्थित सिंगार महल मार्केट में एक दुकान में आग लगी थी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। ये दुकान सिद्दकी खान की है और एसी में शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी थी। आग को काबू में कर लिया है और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों अलीगंज की एक कोचिंग सेंटर में आग लगने के बाद छात्र–छात्राओं समेत 15 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के बाद शहर में लगातार फायर विभाग के लोग अभियान चला रहा है।

शिवशक्ति धाम स्थापना दिवस समारोह पर उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। इंदिरा नगर सेक्टर-17 स्थित स्वर्ण जयंती मार्केट के श्री शिवशक्ति धाम मंदिर का स्थापना दिवस शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। श्री शिव शक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद भृगुनाथ शुक्ल के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन में सुबह से ही पूजा-अर्चना, हवन-यज्ञ, माता रानी की चौकी, भजन-कीर्तन, भव्य झाकियां एवं विशाल भंडारे का क्रम निरंतर चलता रहा। आयोजन में राजनीतिक, सामाजिक एवं चिकित्सकीय क्षेत्र की अनेक प्रतिष्ठित हस्तियों सहित हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत की गई आकर्षक झांकियों में प्रभु श्रीराम के प्रति हनुमान जी की अनन्य भक्ति तथा राधा-कृष्ण की दिव्य लीलाओं का मनोहारी चित्रण श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। माता रानी के भजनों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। दोपहर 12 बजे से प्रारंभ हुए विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धालुओं की निरंतर बढ़ती संख्या को देखते हुए भंडारा देर रात तक चलता रहा। स्थापना दिवस के अवसर पर क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धार्मिक आस्था, सेवा और सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

इस अवसर पर पार्षद एवं ट्रस्ट अध्यक्ष भृगुनाथ शुक्ल ने कहा कि स्थापना के बाद से पिछले सात वर्षों से मंदिर में निरंतर पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और भंडारे की परंपरा निर्विघ्न चल रही है। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की गहरी आस्था के कारण आज श्री शिवशक्ति धाम लखनऊ के प्रमुख धार्मिक स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि माता रानी एवं भगवान शिव की कृपा से यह सेवा और भक्ति का क्रम आने वाले वर्षों में भी इसी प्रकार निरंतर चलता रहेगा।

उन्होंने समस्त श्रद्धालुओं से श्री शिवशक्ति धाम मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए आने का आग्रह करते हुए कहा कि सच्ची श्रद्धा और विश्वास के साथ आने वाले प्रत्येक भक्त पर माता रानी की कृपा बनी रहती है। कार्यक्रम में अपर महाधिवक्ता कुलदीप त्रिपाठी, एमएलसी अवनीश पटेल, लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जी.एन. शुक्ला, प्रख्यात चिकित्सक डॉ. मनोज श्रीवास्तव, डॉ. गौरव मिश्रा सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों, श्रद्धालुओं एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रदेश में 2.80 लाख से अधिक व्यवसायिक वाहनों का फिटनेस प्रमाणन जारी : दयाशंकर

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि प्रदेश में संचालित 35 क्रियाशील स्वचालित परीक्षण स्टेशनों के माध्यम से 19 जून, 2025 तक कुल 2,80,779 व्यवसायिक वाहनों के फिटनेस प्रमाण-पत्र जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि स्वचालित परीक्षण स्टेशन (एटीएस) का मुख्य उद्देश्य वाहन फिटनेस जांच प्रक्रिया में मानवीय हस्तक्षेप को न्यूनतम करते हुए मशीनों एवं सेंसर आधारित परीक्षण प्रणाली के माध्यम से पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना है। इससे वाहन मालिकों को आधुनिक तकनीक की सहायता से तेज़, सटीक एवं समयबद्ध फिटनेस प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। परिवहन राज्य मंत्री ने कहा कि एटीएस व्यवस्था सड़क सुरक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। केवल तकनीकी रूप से फिट वाहनों को ही सड़क पर संचालन की अनुमति दिए जाने से सड़क दुर्घटनाओं में कमी आने के साथ-साथ प्रदूषण नियंत्रण में भी सहायता मिल रही है।उन्होंने बताया कि सभी वाहनों का परीक्षण केन्द्रीय मोटरयान नियमावली, 1989 में निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप किया जाता है, जिससे प्रत्येक वाहन की जांच समान मानकों पर सुनिश्चित होती है। सिंह ने कहा कि एटीएस प्रणाली में डिजिटल रिकॉर्डिंग, सीसीटीवी निगरानी एवं ऑटोमेटेड रिपोर्टिंग जैसी आधुनिक व्यवस्थाओं के कारण लापरवाही, पक्षपात एवं भ्रष्टाचार की संभावनाओं पर प्रभावी रोक लगी है तथा पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनी है। उन्होंने आगे बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जारी राज्य नीति के अंतर्गत स्वीकृत 79 प्रारम्भिक रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र (पीआरसी) के सापेक्ष वर्तमान में प्रदेश के 27 जनपदों में 35 स्वचालित परीक्षण स्टेशन एएफएमएस पोर्टल पर लाइव किए जा चुके हैं। इन केंद्रों के माध्यम से परिवहन वाहनों की फिटनेस जांच पूरी तरह मशीन आधारित प्रणाली से की जा रही है।

जमीनी विवाद में फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, अवैध पिस्टल बरामद

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। पुलिस ने जमीनी विवाद में फायरिंग की घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से एक अवैध .32 बोर पिस्टल बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। जबकि मामले में नामजद और अन्य अज्ञात आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार, ग्राम छंदोइया निवासी सैफ खान ने थाना दुबग्गा में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि जमीनी विवाद को लेकर विपक्षी पक्ष के लोग अवैध हथियारों से लैस होकर आए और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। इस दौरान वह और उनका मित्र अकरम बाल-बाल बच गए। जबकि फायरिंग से उनकी स्प्लेंडर मोटरसाइकिल, मकान की दीवार और गेट क्षतिग्रस्त हो गए। आरोपियों ने जाते समय जान से मारने की धमकी भी दी। तहरीर के आधार पर थाना दुबग्गा में छह नामजद तथा 20-25 अज्ञात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए आरोपी मयंक यादव (22) और नवील (18) को पुलिस ने शुक्रवार सुबह मुखबिर की सूचना पर सेक्टर-आई रोड स्थित पावर हाउस के पीछे से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान मयंक यादव के पास से एक अवैध .32 बोर पिस्टल बरामद हुई। जिसके बाद मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 भी बढ़ाई गई। पुलिस के अनुसार, मयंक यादव के खिलाफ पहले भी वर्ष 2025 में थाना ठाकुरगंज में आपराधिक मुकदमा दर्ज है। पुलिस का कहना है कि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

बीबीडी क्षेत्र में छात्र की कार में तोड़फोड़

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। बीबीडी थाना क्षेत्र में एक छात्र की कार में तोड़फोड़, जान से मारने की धमकी और रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नामजद आरोपियों और अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार, हंसराज गांव निवासी निखिल यादव ने बताया कि वह अपने दोस्त को छोड़ने बाबूलाल हॉस्टल गया था। कार पार्क कर वह दोस्त के कमरे पर चला गया। करीब डेढ़ घंटे बाद लौटने पर उसकी कार के आगे, पीछे और साइड के सभी शीशे टूटे मिले तथा वाहन को पूरी तरह क्षतिग्रस्त करने का प्रयास किया गया था। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि इस घटना में मानस मिश्रा, आदित्य सिंह, युवराज सिंह, शौर्य शाही समेत 8 से 10 अन्य लोग शामिल थे। उनका कहना है कि घटना के समय वह कार में मौजूद नहीं था, इसलिए उसकी जान बच गई। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि घटना से एक दिन पहले आरोपियों ने व्हाट्सएप कॉल और सोशल मीडिया के माध्यम से जान से मारने की धमकियां दी थीं। साथ ही आरोप है कि आरोपी गिरोह बनाकर छात्रों से रंगदारी वसूलते हैं और पहले भी पीड़ित से वसूली का प्रयास कर चुके थे। मना करने पर रंजिश रखते हुए कार में तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया गया। पीड़ित ने अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर भी आशंका जताई है तथा आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैटरियां चोरी, मुकदमा

लखनऊ, कैनविज टाइम्स संवाददाता। चिनहट थाना क्षेत्र में इंडिया-1 एटीएम से नेटवर्क मॉड्यूल और बैटरियां चोरी होने का मामला सामने आया है। एटीएम फ्रेंचाइजी संचालक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर के अनुसार, चारबाग निवासी राहुल गुप्ता, जो इंडिया-1 एटीएम कंपनी के अधिकृत फ्रेंचाइजी के रूप में कार्यरत हैं, 13 जून को कंपनी के सीआरए के साथ भुंगनी पुरवा, चिनहट स्थित इंडिया-1 एटीएम पर कैश लोडिंग के लिए पहुंचे थे। इस दौरान जांच में पता चला कि एटीएम के अंदर से 6 बैटरियां और नेटवर्क मॉड्यूल चोरी हो चुके हैं। घटना की जानकारी तत्काल डायल-112 पर दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज भी खंगाली गई। फुटेज के आधार पर चोरी की वारदात 10 और 11 जून की मध्यरात्रि करीब 12 बजे से सुबह 4 बजे के बीच होने की आशंका जताई गई है। पीड़ित की तहरीर पर चिनहट पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है

बीकेटी, इटौंजा व सैरपुर के अस्पतालों और हॉस्टलों में फायर सेफ्टी भगवान भरोसे!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कई संस्थानों में नहीं हैं पर्याप्त अग्निशमन उपकरण,इमरजेंसी एग्जिट का भी अभाव,मानकों के अनुपालन पर उठे सवाल

बख्शी का तालाब,लखनऊ। राजधानी के बख्शी का तालाब(बीकेटी), इटौंजा और सैरपुर क्षेत्र में संचालित निजी अस्पतालों और छात्र-छात्राओं के हॉस्टलों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था गंभीर सवालों के घेरे में है। क्षेत्र में संचालित कई संस्थानों में फायर सेफ्टी मानकों की अनदेखी किए जाने के आरोप हैं, जिससे मरीजों, छात्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है।

स्थानीय लोगों और सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र के कई निजी अस्पतालों और हॉस्टलों में पर्याप्त अग्निशमन उपकरण उपलब्ध नहीं हैं। कई संस्थानों में फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर और हाइड्रेंट सिस्टम जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं या तो नदारद हैं या फिर केवल औपचारिकता तक सीमित हैं। इसके अलावा, अधिकांश भवनों में आपात स्थिति के दौरान सुरक्षित निकासी के लिए समुचित इमरजेंसी एग्जिट की व्यवस्था भी नहीं है।बताया जा रहा है कि कई अस्पताल और हॉस्टल संकरी गलियों, सीमित प्रवेश-निकास मार्गों और संकरी सीढ़ियों वाले भवनों में संचालित हो रहे हैं। ऐसे में आग लगने जैसी आपदा की स्थिति में बड़े हादसे की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।सूत्रों का यह भी दावा है कि क्षेत्र के कुछ अस्पतालों और हॉस्टलों के भवनों के नक्शे संबंधित प्राधिकरण से स्वीकृत नहीं हैं। ऐसे में भवनों की वैधता और निर्धारित मानकों के अनुपालन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

बीते चंद दिनों पहले राजधानी के अलीगंज क्षेत्र में संचालित कोचिंग सेंटर में आग लगाने से 15 छात्र छात्राओं की जान चली गई।इसके बावजूद बीकेटी, इटौंजा और सैरपुर क्षेत्र में सुरक्षा मानकों की अनदेखी जारी रहने से स्थानीय लोगों में चिंता बढ़ रही है।अग्निशमन विशेषज्ञों का कहना है कि अस्पतालों और हॉस्टलों जैसे संवेदनशील संस्थानों में फायर अलार्म, स्मोक डिटेक्टर, अग्निशमन यंत्र, हाइड्रेंट सिस्टम, स्पष्ट इमरजेंसी एग्जिट और नियमित फायर ऑडिट अनिवार्य रूप से होना चाहिए। साथ ही भवनों का संबंधित प्राधिकरण से स्वीकृत होना भी आवश्यक है।क्षेत्रीय नागरिकों ने जिला प्रशासन, अग्निशमन विभाग और संबंधित प्राधिकरणों से बीकेटी, इटौंजा और सैरपुर क्षेत्र में संचालित अस्पतालों व हॉस्टलों की व्यापक जांच कराए जाने तथा मानकों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी बड़े हादसे से बचा जा सके।

ओबीसी परिवारों को बड़ी राहत, 01 लाख 05 हजार बेटियां होंगी लाभान्वित

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- वर्ष 2026–27 में 1.05 लाख लाभार्थियों को योजना से जोड़ने का लक्ष्य
- प्रत्येक पात्र परिवार को बेटी की शादी के लिए 20 हजार रुपये की सहायता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी योजनाएं समाज के कमजोर और जरूरतमंद वर्गों के लिए राहत का मजबूत आधार बनती जा रही हैं। खासतौर पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के गरीब परिवारों के लिए संचालित शादी अनुदान योजना बेटियों की शादी में आर्थिक सहारा बनकर उभरी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरुआत से ही इस योजना का सकारात्मक असर साफ दिखाई दे रहा है। अब तक 05 हजार से ज्यादा ओबीसी बेटियों को शादी अनुदान योजना का लाभ मिल चुका है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि सरकार की योजनाएं तेजी से जमीनी स्तर पर पहुंच रही हैं और जरूरतमंद परिवारों को समय पर सहायता उपलब्ध हो रही है।

दरअसल गरीब परिवारों के लिए बेटी की शादी हमेशा एक बड़ी जिम्मेदारी और चुनौती रही है। ऐसे में योगी सरकार की शादी अनुदान योजना गरीब परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है। प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 में 1 लाख 5 हजार लोगों को योजना का लाभ देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। जिसमें शुरुआती महीनों में ही 5032 लोगों को लाभान्वित किया जा चुका है। कुल आवेदकों में 4178 ऐसे भी शामिल हैं, जिन्होंने मार्च में शादी की थी और उसी माह आवेदन किया था। वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1 लाख 16 हजार से अधिक आवेदकों को इस योजना के तहत सहायता प्रदान की गई थी।

50 करोड़ की विवादित जमीन पर बड़ा बवाल!

कैनविज टाइम्स संवाददाता

- प्रसादी सेवा संस्थान की अध्यक्ष रेनू रावत ने निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की उठाई मांग
- राजस्व अभिलेखों में कथित विसंगतियां, फर्जी वरासत और भूमाफियाओं की मिलीभगत के आरोप
- रेनू रावत बोलीं– दोषियों को बचाने की नहीं, कानून के मुताबिक कार्रवाई की जरूरत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सदर तहसील स्थित ग्राम पारा की करीब 50 करोड़ रुपये मूल्य की विवादित भूमि को लेकर एक बार फिर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस पूरे मामले में प्रसादी सेवा संस्थान की अध्यक्ष रेनू रावत ने निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए कहा कि यदि फर्जी दस्तावेजों, वरासत में हेरफ़ेर और अधिकारियों-कर्मचारियों की मिलीभगत के आरोप सही पाए जाते हैं तो दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकारी और विवादित भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा कानून के शासन के लिए गंभीर चुनौती है।

रेनू रावत ने कहा कि पूरे मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी या वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी भी निर्दोष के साथ अन्याय न हो।

शिकायतकर्ताओं के अनुसार ग्राम पारा की खसरा संख्या 668, 569 और 570 की भूमि पर 29 जुलाई 2025 को दर्ज वरासत में खातेदार नरेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय रामचरन का पता केवल ग्राम स्तर पर दर्ज किया गया, जबकि खसरा संख्या 432 की भूमि पर 27 मई 2026 को दर्ज दूसरी वरासत में उसी व्यक्ति का पता 355/415 मुराऊटोला, आलमनगर, लखनऊ दर्शाया गया। एक ही व्यक्ति के अलग-अलग पते दर्ज होने से पूरे प्रकरण पर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं।

आरोप है कि फिरोजाबाद निवासी एक महिला ने कुछ स्थानीय प्रॉपर्टी डीलरों और कथित भूमाफियाओं के साथ मिलकर विवादित भूमि पर दावा प्रस्तुत किया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि जिस व्यक्ति को महिला ने अपना पति और पुत्रों ने अपना पिता बताकर वरासत कराई, उसके नाम, पते और अन्य अभिलेखों में कई गंभीर विसंगतियां मौजूद हैं।

मामले को और गंभीर बनाते हुए शिकायतकर्ताओं ने दावा किया है कि जिन दस्तावेजों के आधार पर वरासत दर्ज कराई गई, उनमें जिस व्यक्ति का फोटो है, वह वर्तमान में जीवित है। आरोप है कि वर्ष 2025 में उसी व्यक्ति ने दाखिल-खारिज की कार्यवाही में स्वयं आपत्ति भी दर्ज कराई थी, इसके बावजूद उसे मृत दर्शाकर उत्तराधिकार दर्ज करा लिया गया।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि महिला के मूल दस्तावेजों में पति का नाम नरेंद्र सिंह दर्ज है, जबकि विवादित भूमि के मामले में नरेंद्र कुमार के नाम का इस्तेमाल किया गया। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि नामों की समानता का लाभ उठाकर कथित रूप से भूमि पर दावा स्थापित करने का प्रयास किया गया।

इसी मामले में राजाजीपुरम निवासी ईशान मौर्या ने प्रशासनिक एवं राजस्व अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर पूरे प्रकरण की जांच कराने और कथित मिलीभगत में शामिल अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि इस भूमि को लेकर पूर्व में दो पक्षों के बीच विवाद और मुकदमे दर्ज हुए थे। बाद में जब भूमि के राज्य सरकार में निहित होने की संभावना सामने आई तो दोनों पक्षों ने कथित रूप से समझौता कर लिया।

मामले का एक अहम पहलू यह भी है कि 8 अगस्त 2025 को उप जिलाधिकारी सदर न्यायालय ने प्रथम दृष्टया नाम और पते की भिन्नता को गंभीर मानते हुए 29 जुलाई 2025 के आदेश के क्रियान्वयन पर अंतिम निर्णय तक रोक लगा दी थी। न्यायालय ने अपने आदेश में मृतक खातेदार, बैनामों और अभिलेखों में दर्ज नाम-पते की विसंगतियों को विचारणीय माना था। इसके बावजूद शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि न्यायालय के स्थगन आदेश के बाद भी विपक्षी पक्ष की कथित मिलीभगत से खसरा संख्या 432 की वरासत दर्ज करा ली गई, जबकि मूल विवाद अभी भी न्यायालय में विचाराधीन है। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि विवादित भूमि पर खरीद-फरोख्त और निर्माण कार्य लगातार जारी है। साथ ही लखनऊ विकास प्राधिकरण की कथित सीलिंग भूमि पर भी कब्जा कर निर्माण कराने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार विवादित निजी भूमि की कीमत करीब 50 करोड़ रुपये तथा कथित रूप से कब्जाई गई सीलिंग भूमि की कीमत करीब 5 करोड़ रुपये है। प्रसादी सेवा संस्थान की अध्यक्ष रेनू रावत ने कहा कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी भी स्तर पर फर्जीवाड़ा, दस्तावेजों में हेरफ़ेर या मिलीभगत सामने आती है तो दोषियों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

नोटः यह खबर शिकायतकर्ताओं द्वारा लगाए गए आरोपों और उपलब्ध दस्तावेजों पर आधारित है। आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि होना शेष है तथा संबंधित पक्षों का पक्ष सामने आने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

मालियत के बैनामों पर डीएम की पैनी नजर संपत्तियों का किया स्थलीय निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। दिनांक 25 जून 2026 को माह मई 2026 के बड़ी मालियत के लेखपत्रों के निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 द्वारा तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम सुर्जीपारा की पंजीकृत विलेख संख्या 4908/2026, ग्राम मासूपुर की पंजीकृत विलेख संख्या 4495/2026 तथा ग्राम उमरिया के लेखपत्र संख्या 5008/2026 द्वारा अंतरित संपत्तियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक महानिरीक्षक निबंधन, सीतापुर भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने संबंधित संपत्तियों की वास्तविक स्थिति, भूमि के उपयोग एवं अभिलेखों में अंकित विवरणों का सत्यापन कराया तथा राजस्व एवं निबंधन विभाग के अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के उपरांत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपत्तियों के पंजीकरण एवं मूल्यांकन से संबंधित समस्त कार्य नियमानुसार एवं पारदर्शी ढंग से संपादित किए जाएं। उन्होंने अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश भी दिए।

वीरांगना ऊदा देवी पासी की जनजागरण रथ यात्रा का पहला क्षेत्र में भव्य स्वागत, 130वें दिन चक भगवंतपुर पहुंचा जागरूकता अभियान

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। विकास खंड पहला क्षेत्र में शहीद वीरांगना ऊदा देवी पासी के शौर्य, त्याग और बलिदान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही जनजागरण रथ यात्रा का 130वाँ दिन उत्साह और जनसमर्थन के साथ संपन्न हुआ। रथ यात्रा कण्डौरा से प्रस्थान कर रामपुर भुजंग के मजरा चक भगवंतपुर गांव पहुंची, जहां ग्रामीणों ने फूल-मालाओं और जयघोष के साथ यात्रा का भव्य स्वागत किया।

यह जनजागरण रथ यात्रा वीरांगना ऊदा देवी पासी के प्रस्तावित स्मृति स्थल के निर्माण के समर्थन में लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। माननीय विधायक मनीष रावत के निर्देश पर श्री आदित्य पासी के नेतृत्व में 18 फरवरी 2026 से प्रारंभ हुई यह यात्रा लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों को वीरांगना ऊदा देवी पासी के अद्वितीय साहस, देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणादायक गाथा से अवगत करा रही है। यात्रा का समापन 16 नवंबर 2026 को स्मृति स्थल पर किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि इतिहास की महान वीरांगना ऊदा देवी पासी का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके सम्मान में स्मृति स्थल का निर्माण समाज की भावनाओं और इतिहास के प्रति सम्मान का प्रतीक होगा। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से इस जनजागरण अभियान से जुड़ने और वीरांगना के आदर्शों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर सुधीर रावत, राजेंद्र पासवान, ग्राम प्रधान रामपुर भुजंग राजेंद्र यादव, संतोष रावत सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे और रथ यात्रा को अपना समर्थन प्रदान किया।

मरम्मत की आड़ में सरकारी खजाने पर डाका! आखिर किसके संरक्षण में चल रहा लाखों का खेल

सकरन ब्लॉक में मरम्मत और सुंदरीकरण के नाम पर सरकारी धन की कथित बंदरबांट, घटिया निर्माण पर उठे सवाल, अधिकारियों-ठेकेदारों की कार्यशैली पर समाजसेवियों में भारी नाराज़गी

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सकरन (सीतापुर)। सकरन ब्लॉक कार्यालय एक बार फिर सरकारी धन के उपयोग को लेकर सवालों के घेरे में है। ब्लॉक परिसर में सभागार, कर्मचारी आवास, मनरेगा सेल, कार्यालय भवन सहित अन्य इमारतों की मरम्मत एवं सुंदरीकरण के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों का आरोप है कि मरम्मत का यह सिलसिला विकास नहीं, बल्कि सरकारी धन के दुरुपयोग का माध्यम बन गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि जिन भवनों की बार-बार मरम्मत कराई जाती है, उनकी हालत कुछ ही महीनों में फिर जर्जर हो जाती है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि कार्य मानकों के अनुरूप किए जा रहे हैं तो बार-बार मरम्मत की आवश्यकता क्यों पड़ रही है? आखिर सरकारी धन का लाभ जनता को मिल रहा है या कुछ चुनिंदा लोगों को?

सूत्रों के अनुसार ब्लॉक परिसर में वर्षों से एक ही कथित ठेकेदार को लगातार बड़े कार्य मिलने की चर्चा है। आरोप है कि अधिकारियों से करीबी संबंधों के चलते अधिकांश निर्माण और मरम्मत कार्य उसी के हिस्से में जाते हैं। इससे पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

सबसे अधिक चर्चा ब्लॉक सभागार की फॉल्स सीलिंग को लेकर है। बताया जा रहा है कि कुछ वर्ष पहले लाखों रुपये खर्च कर लगाया गया फॉल्स सीलिंग का कार्य अधिक समय तक टिक नहीं पाया और अब जगह-जगह से टूटकर गिर रहा है। इसी प्रकार मनरेगा सेल और कर्मचारी आवासों में भी बार-बार मरम्मत कराए जाने के बावजूद स्थायी सुधार दिखाई नहीं देता।

लोगों का आरोप है कि सरकारी धन को योजनाबद्ध तरीके से खर्च दिखाकर गुणवत्ता से समझौता किया जा रहा है। यदि समय रहते इन कार्यों की तकनीकी और वित्तीय जांच कराई जाए तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आ सकते हैं। लोगों का कहना है कि जिन अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्माण कार्यों की निगरानी की है, वे भी गुणवत्ता सुनिश्चित करने में विफल दिखाई दे रहे हैं।

ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि ब्लॉक परिसर में पिछले कई वर्षों में हुए सभी मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए, कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण कराया जाए तथा यदि कहीं अनियमितता पाई जाए तो संबंधित अधिकारियों, अभियंताओं और ठेकेदारों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए।

अहम सवाल

सरकारी धन से हुए कार्य यदि एक-दो वर्ष भी टिकाऊ साबित नहीं हो रहे हैं, तो आखिर उसकी जिम्मेदारी कौन तय करेगा? क्या जनता के टैक्स की कमाई यूँ ही मरम्मत के नाम पर खर्च होती रहेगी, या फिर जवाबदेही भी तय होगी

लखनऊ कोचिंग अग्निकांड के मृतक छात्रों की स्मृति में बिसवां में निकाला गया कैंडिल मार्च

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बिसवां (सीतापुर) । लखनऊ के अलीगंज स्थित कोचिंग सेंटर अग्निकांड में मृतक छात्रों को श्रद्धांजलि देने के लिए नगर बिसवा में निकाला गया कैंडिल मार्च।

अग्निकांड की घटना में नगर बिसवा के आदित्य श्रीवास्तव सहित सभी मृतक बच्चों की स्मृति में नगर के प्राचीन एवं प्रसिद्ध पत्थर शिवाला मन्दिर परिसर से बड़े चौराहे तक कैंडिल मार्च निकाला गया। केंडिल मार्च के समापन पर नगर के मुख्य बड़े चौराहे पर सभी ने मोमबत्ती जला कर श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

मार्च में युवाओं,सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों ने भाग लेकर हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित किया। नगर के वार्ड कैथी टोला निवासी आदित्य श्रीवास्तव को उपस्थित जनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की गई, आदित्य श्रीवास्तव की अग्निकांड में मृत्यु हो गई थी। उपस्थित जनों ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से वरिष्ठ समाजसेवी एवं भाजपा नेता कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, युवा समाज सेवी अरिंजय चौधरी,पत्रकार विजय अवस्थी,अरुण नाथ सिंह, बिसवा बार एसोसिएशन महासचिव एवं अधिवक्ता नीरज कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कठेरिया एडवोकेट,समाजसेवी अमर मेहरोत्रा,रजनीश मिश्रा एडवोकेट,अश्विनी त्रिपाठी एड, अरूण प्रकाश श्रीवास्तव,पियूष बाजपेई, संदीप मिश्रा,हिमांशु नाथ सिंह,सभासद प्रतिनिधि वार्ड कैथी टोला श्रवण कुमार श्रीवास्तव,रवि गौरव श्रीवास्तव सहित सैकड़ो की संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जनपद स्तरीय दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन आज से

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। बैडमिंटन की जनपद स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन कल दिनांक 27 और 28 जून, 2026 को जिला खेल कार्यालय परिसर स्थित बहुउद्देशीय हॉल में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में अंडर 13, 16, 19 बालक/बालिका, पुरुष/महिला और 40+ श्रेणीयों के एकल/युगल मुकाबले खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों में विजेता/उप विजेता खिलाड़ियों को कुल 61,000.00 रुपए का नकद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे।

इस प्रतियोगिता के ब्रांड एंबेसडर सागर गुप्ता जो कि अपने जनपद के प्रमुख समाज सेवी हैं ने बताया कि इस दो दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में केवल अपने जनपद सीतापुर के प्रतिभागी ही प्रतिभाग कर सकते है। प्रतियोगिता कल सुबह 08.00 बजे प्रारंभ होगी और इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि के रूप में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) आयुष चौधरी अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करेंगे। इस प्रतियोगिता में अब तक लगभग 100 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने पंजीकरण करवा लिया था।

हरगांव के निर्माणाधीन पीएचसी पर डीएम का औचक निरीक्षण, गुणवत्ता में लापरवाही पर सख्त चेतावनी

सीतापुर । जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. ने आज जनपद सीतापुर के विकासखंड हरगांव स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, अरमी के निर्माणाधीन भवन का औचक निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य में प्रयुक्त की जा रही सामग्री की गुणवत्ता की जांच की तथा संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण ढंग से एवं निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा सभी कार्यों में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करते हुए गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

मछरेहटा पुलिस का बड़ा खुलासा: 5 शातिर चोर गिरफ्तार, चोरी का शत-प्रतिशत माल बरामद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। मछरेहटा थाना पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए चोरी की एक बड़ी वारदात का सनसनीखेज खुलासा किया है। पुलिस ने पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की भारी मात्रा में नकदी, सोने-चांदी के जेवरात, अवैध तमंचे, कारतूस, चोरी में प्रयुक्त औजार तथा घटना में इस्तेमाल की गई कार बरामद की है। ?

पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी दुर्गेश कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी मिश्रिख बृजेश कुमार के पर्यवेक्षण में मछरेहटा पुलिस और एसओजी टीम ने शुक्रवार तड़के ग्राम परसदा-शुक्लापुर रोड स्थित गोशाला के पीछे घेराबंदी कर सफ़ेद रंग की कार (ठघ्32क्क5220) में सवार पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। ?

गिरफ्तार अभियुक्तों में सुनील, लालता, बनवारी, बल्लू तथा गुड्डू उर्फ खत्री शामिल हैं। पूछताछ और तलाशी के दौरान इनके पास से थाना मछरेहटा क्षेत्र के ग्राम भिठौरा में हुई चोरी का शत-प्रतिशत माल बरामद हुआ। साथ ही बड़ी मात्रा में नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, चोरी में इस्तेमाल किए गए सब्बल, रॉड और हथौड़ी तथा अवैध तमंचे व कारतूस भी बरामद किए गए।

पूछताछ में अभियुक्तों ने स्वीकार किया कि 10/11 जून 2026 की रात ग्राम भिठौरा में एक मकान का चैनल गेट और कमरों के ताले तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और अन्य सामान चोरी किया था, जिसे बाद में आपस में बांट लिया। इसके अलावा दो अभियुक्तों ने हरगांव थाना क्षेत्र में एक जनरल स्टोर में हुई चोरी की घटना में भी अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए सभी अभियुक्तों को न्यायालय भेज दिया है। बरामद चोरी के माल की पहचान वादी द्वारा अपने सामान के रूप में कर ली गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में कुछ के खिलाफ पूर्व से भी चोरी, लूट और आर्म्स एक्ट सहित कई संगीन मुकदमे दर्ज हैं। ?

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर भाजपा का बड़ा अभियान, जिलेभर में होंगे विविध कार्यक्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती के उपलक्ष में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर जिला कार्यशाला जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुई कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता उपस्थित रहे सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं जिला अध्यक्ष द्वारा जिला पदाधिकारियों की उपस्थिति में भाजपा के महापुरुषों डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात मुख्य अतिथि पूर्व जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता द्वारा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125 वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनके जीवन वृत पर संपूर्ण प्रकाश डाला जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जो कि भारतीय जन संघ के संस्थापक एवं सभी कार्यकर्ताओं के आदर्श हैं आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में उनके सपना निरंतर सरकार हो रहे है। कश्मीर से धारा 370 हटाया जाना उसका सबसे बड़ा उदाहरण है उनके अनुयाई आज भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले राष्ट्र सेवा कर रहा हैं और विकसित भारत बनाने की ओर संकल्पित है जल्द ही यह सपना पूर्ण होकर उनके लोकतांत्रिक मूल्य वाले राष्ट्र की परिकल्पना साकार होगी। जिसके तहत उन्होंने कांग्रेस छोड़कर जनसंघ की स्थापना की थी ।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के आदर्शों को निरंतर जी रहे हैं और उनके सपनों के भारत के लिए दिन-रात प्रयास कर रहे हैं और जब 2047 में हम विकसित राष्ट्र होंगे तो निश्चित तौर से डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना पूर्ण होगा इस अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों में मुख्य रूप से बूथ स्तर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम, जिला कार्यकर्ता सम्मेलन, छात्र सम्मेलन, बूथ स्तर पर वृक्षारोपण, एवं नगर संवाद जैसे कार्यक्रम होने हैं। जिला अध्यक्ष ने बताया कि पार्टी पदाधिकारी ने सभी कार्यक्रमों की तैयारी कर ली है संस्मरण पक्ष के तहत 23 जून से 6 जुलाई तक उक्त कार्यक्रम संपन्न होंगे। इस अवसर पर विश्राम सागर राठौर विपुल प्रताप सिंह सुधाकर शुक्ला पटेल रेखा वर्मा नैमिष रत्न तिवारी महेंद्र वर्मा रितेश सिंह गौड़ सहित पदाधिकारी मंडल अध्यक्ष मंडल महामंत्री एवं अपेक्षित कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

बड़ी मालियत के बैनामों पर डीएम की पैनी नजर: संपत्तियों का किया स्थलीय निरीक्षण

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीतापुर । दिनांक 25 जून 2026 को माह मई 2026 के बड़ी मालियत के लेखपत्रों के निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी डॉ0 राजागणपति आर0 द्वारा तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम सुर्जीपारा की पंजीकृत विलेख संख्या 4908/2026, ग्राम मासूपुर की पंजीकृत विलेख संख्या 4495/2026 तथा ग्राम उमरिया के लेखपत्र संख्या 5008/2026 द्वारा अंतरित संपत्तियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक महानिरीक्षक निबंधन, सीतापुर भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने संबंधित संपत्तियों की वास्तविक स्थिति, भूमि के उपयोग एवं अभिलेखों में अंकित विवरणों का सत्यापन कराया तथा राजस्व एवं निबंधन विभाग के अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के उपरांत संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि संपत्तियों के पंजीकरण एवं मूल्यांकन से संबंधित समस्त कार्य नियमानुसार एवं पारदर्शी ढंग से संपादित किए जाएं। उन्होंने अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश भी

दो दोस्तों की डूबकर मौत परिवारों में ग़म का माहौल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

उझानी (बदायूं)। थाना उझानी क्षेत्र के गांव चंदनपुर के समीप गंगा नदी में नहाने गए पांच दोस्तों में से दो युवकों की गहरे पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों ने रेस्क्यू अभियान चलाकर करीब दो घंटे बाद दोनों शवों को नदी से बाहर निकाला। घटना के बाद मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, थाना उझानी क्षेत्र के गांव बगुला नगला निवासी पांच दोस्त गुरुवार शाम चंदनपुर गांव के पास गंगा नदी में स्नान करने पहुंचे थे। नहाते समय विवेक पुत्र लीलाधर और उसका साथी कृष्ण उर्फ नन्ने पुत्र दाताराम गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।बताया जाता है कि उनके साथ मौजूद तीन अन्य दोस्तों ने दोनों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन तेज बहाव और गहरे पानी के कारण वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद उन्होंने शोर मचाकर आसपास के ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही कछला चौकी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस, गोताखोरों और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों के शव गंगा नदी से बरामद कर लिए गए।दोनों युवकों के शव बाहर निकलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। घटनास्थल पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।पुलिस का कहना है कि मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। वहीं इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

प्रेम-संबंधों के चलते गला दबाकर की थी चन्द्रावती की हत्या, 28 मार्च को खेत में मिला था मृतका का कंकाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपदीय एसओजी, सर्विलांस सेल व थाना सेहरामऊ दक्षिणी की संयुक्त पुलिस टीम ने चन्द्रावती के हत्यारोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। प्रेम-संबंधों के चलते गांव के मिठ्ठूलाल ने चन्द्रावती की गला दबाकर हत्या की थी और उसका शव खेत में फेंक दिया था। 28 मार्च को खेत में चन्द्रावती का कंकाल पुलिस ने बरामद किया था।

बीती 20 फरवरी को थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के ग्राम बरेंग निवासी रामनिवास ने पुलिस को तहरीर देकर गांव के ही मिठ्ठूलाल पर अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप था कि उसकी पत्नी चन्द्रावती को मिठ्ठूलाल साथ ले गया है। इसके बाद 28 मार्च को ग्राम बरेंग में सेवाराम के सरसों के खेत से चन्द्रावती का कंकाल मिला था। पुलिस ने विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर मिठ्ठूलाल पर दर्ज अपहरण के मुकदमें में हत्या आदि की धाराओं में बढ़ोत्तरी की थी। इसी क्रम में पुलिस की संयुक्त टीम ने आज अभियुक्त मिठ्ठूलाल को बरेंग रोड से गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर मृतका के मोबाइल फोन के कुछ पार्ट्स बरामद किए। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त मिठ्ठूलाल ने बताया कि वो और चन्द्रावती के साथ गांव के अन्य लोग भी गाना-बजाने का काम करता थे। जिसके चलते दोनों में प्रेम संबंध हो गए। जबकि वो दोनों विवाहित थे और दोनों के बच्चे भी हैं। चन्द्रावती से प्रेम संबंधों के चलते उसके पारिवारिक जीवन में लगातार तनाव रहने लगा और उसका आएदिन पत्नी से विवाद एवं झगड़ा होता रहता था। इधर मृतका चन्द्रावती लगातार उस पर अपने साथ रखने का दबाव बनाती थी। उसने कई बार मृतका को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह साथ रहने की जिद पर अड़ी रही। बताया कि 31 जनवरी की रात गांव में महिलाओं के संगीत कार्यक्रम में मृतका शामिल हुई और उससे फोन पर साथ रहने की बात कही और बात करते-करते उसके घर के पीछे बगिया में पहुंच गई तथा उसे बगिया में बुलाया। जहां वो उसके साथ रहने की जिद करने लगी और उसके खिलाफ पुलिस से शिकायत करने की धमकी दी तथा डायल-112 पर कॉल करने लगी। तभी उसने चन्द्रावती का मोबाइल छीनकर काट दिया और उसका गला दबाकर मार दिया। इसके बाद उसके शव को उठाकर सरसों के खेत में फेंक दिया। अगले दिन सुबह रामनिवास ने नए मोबाइल नम्बर से उसे फोन किया। कहा कि उसे पता है कि चन्द्रावती को तुमने गायब किया है। यह सुनकर वो घबरा गया और ग्राम कैलहा में जाकर मृतका के मोबाइल से रामनिवास को कॉल किया, लेकिन कुछ बोला नहीं।

जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की धर्मयात्रा का गौ भक्तों को बेसब्री से इंतजार

उझानी/बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। परमाराध्य जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती '1008' जी महाराज की 81 दिवसीय 'गविष्टि गो-रक्षार्थ धर्मयुद्ध यात्रा' शनिवार, 27 जून 2026 को प्रातः 9 बजे उझानी पहुंचेगी। धर्मयात्रा के स्वागत एवं प्रवचन कार्यक्रम का आयोजन बाईपास स्थित रामचन्द्र पैलेस, गणेश नगर, वरी वाला बाईपास पर किया जाएगा। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को गोरक्षा के प्रति जागरूक एवं प्रेरित किया जाएगा।आयोजकों के अनुसार, इस यात्रा का उद्देश्य प्रदेश की सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में पहुंचकर गोभक्तों को गोरक्षा के लिए संगठित करना और जनजागरण अभियान चलाना है। सांसद आदित्य यादव एवं जिला उपाध्यक्ष सुनील यादव ने क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर धर्मलाभ लेने तथा धर्मयात्रा का स्वागत करने की अपील की है।

अकीदत और गमगीन माहौल में संपन्न मुहर्रम का जुलूस

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। 10 मुहर्रम, यौमे आशूरा के मुकद्दस मौके पर जनपद बदायूं में हज़रत इमाम हुसैन (अ.स.) और कर्बला के 72 शहीदों की याद में ऐतिहासिक मुहर्रम का जुलूस पूरे अकीदत, एहतराम और गमगीन माहौल के बीच शांतिपूर्ण ढंग से निकाला गया। जुलूस का आगाज़ कादरी गेट से हुआ, जिसके बाद यह जामा मस्जिद, चौधरी सराय, फरशोरी टोला सहित विभिन्न पारंपरिक मार्गों से होता हुआ कर्बला (काज़ी हौज़) पहुंचा। पूरे रास्ते अकीदतमंद ''या हुसैन'' की सदाओं और मातम के साथ शामिल रहे। कर्बला पहुंचने पर ताज़ियों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया, जिसके साथ जुलूस का समापन हुआ।जुलूस के दौरान आयोजित मजलिसों में मौलाना सैफ अली ज़ैदी, अनवर आलम और गुलाम अब्बास ने मकसद-ए-कर्बला पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हज़रत इमाम हुसैन (अ.स.) की कुर्बानी इंसानियत, हक और इंसाफ की रक्षा का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि कर्बला की जंग ज़ुल्म के खिलाफ सत्य और न्याय की ऐतिहासिक लड़ाई थी। शिया तंजीमुल मोमिनीन कमेटी के जनरल सेक्रेटरी जाबिर ज़ैदी ने जुलूस को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने पर जिला पुलिस प्रशासन और नगर पालिका का आभार व्यक्त किया। उन्होंने सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और सफाई व्यवस्था की सराहना की। इस अवसर पर अनवर आलम, जावेद अब्बास, जरार हैदर, अमीर हसन, मोहसिन अब्बास, हसन आरज़ू, कैफ़ी ज़ैदी, शम्मू, मून, इकराए हैदर ज़ैदी, अनफ सहित बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग और मातमदार मौजूद रहे। सभी ने गम और अकीदत के साथ मातम कर इमाम-ए-ज़माना (अ.स.) की बारगाह में पुरसा पेश किया।

सोने-चांदी के धड़ाम होने से सर्राफा बाजार में हड़कंप

उझानी/बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्थानीय सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में आई तेज गिरावट से व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है। ऊंचे दामों पर खरीदा गया स्टॉक अब कम कीमत पर बिकने की स्थिति में है, जिससे कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं, शादी-विवाह का सीजन कमजोर होने से आभूषणों की मांग भी सुस्त बनी हुई है। व्यापारियों के अनुसार, हाल के दिनों में सोने- चांदी के दामों में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। जून माह में ही सोना करीब 7,400 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 34,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो चुकी है। इससे बाजार में खरीदारी का माहौल प्रभावित हुआ है और अधिकांश ग्राहक कीमतों में स्थिरता आने का इंतजार कर रहे हैं। उझानी के सर्राफा व्यापारी सिद्धांत गोयल ने बताया कि कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव के कारण ग्राहक खरीदारी टाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि शादियों का सीजन भी कमजोर होने से बाजार में अपेक्षित रौनक नहीं है और अब कारोबारियों की निगाहें आगामी लग्न सीजन पर टिकी हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर की मजबूती कम होती है और घरेलू स्तर पर शादी- ब्याह का सीजन गति पकड़ता है, तो दिवाली तक सर्राफा बाजार में दोबारा तेजी और रौनक लौट सकती है। फिलहालअधिकांश व्यापारी पुराने स्टॉक को निकालने की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

ट्रैक्टर की टक्कर से दो दोस्तों की गई जान तीसरे की हालत गंभीर

उझानी/बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। बरेली-मथुरा हाईवे पर गलत दिशा से आए तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर ने तीन दोस्तों की जिंदगी बदल दी। हादसे में दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल होकर बरेली के अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। मामले में मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, थाना दातागंज क्षेत्र के गांव बरही निवासी अशरफी का 22 वर्षीय पुत्र संजीव अपने दोस्त 24 वर्षीय विनोद पुत्र राजू के साथ 23 जून की रात ननाखेड़ा, कछला में आयोजित एक बारात में शामिल होने गया था। देर रात करीब एक बजे घर लौटते समय दोनों ने गांव के ही अपने मित्र आशीष पुत्र धर्मपाल को फोन कर मिलने के लिए बुलाया। तीनों युवक बरेली-मथुरा हाईवे स्थित सिंह हवेली पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े होकर बातचीत कर रहे थे। इसी दौरान गलत दिशा से तेज रफ्तार में आए एक ट्रैक्टर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान संजीव और विनोद ने दम तोड़ दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल आशीष को बेहतर इलाज के लिए बरेली रेफर किया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।इस दर्दनाक हादसे के बाद दोनों मृतकों के परिवारों में मातम पसरा हुआ है। गांव में भी शोक का माहौल है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे क्षेत्र में घटना को लेकर गहरा दुख व्याप्त है।कोतवाली पुलिस ने मृतक के पिता की तहरीर के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपी के खिलाफ नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महाबोधि महाविहार को बौद्धों को सौंपने की मांग को लेकर बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ़ इण्डिया ने राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

बदायूँ कैनविज टाइम्स संवाददाता। दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया, शाखा बदायूं के तत्वावधान में शुक्रवार को महाबोधिमहाविहार, बोधगया मंदिर को बौद्ध समुदाय के अधिकार में सौंपने की मांग को लेकर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। धरना डॉ. भीमराव आंबेडकर पार्क, जिला अस्पताल के निकट सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चला। धरने के दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा बिहार सरकार को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बदायूं के माध्यम से प्रेषित किया। ज्ञापन में महाबोधि महाविहार के प्रबंधन को बौद्ध समुदाय को सौंपने की मांग उठाई गई। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष ब्रह्मानंद बौद्ध, महामंत्री चिरंजी लाल, कोषाध्यक्ष राजीव कुमार, परीक्षा प्रभारी रामसरन लाल, मंडल अध्यक्ष इंजीनियर राधेश्याम, राधेलाल बौद्ध, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सविता आंबेडकर, महिला इकाई की जिला अध्यक्ष प्रीति सिंह बौद्ध, जिला उपाध्यक्ष पुष्पा गौतम, उपाध्यक्ष अरविंद कुमार, दिग्विजय सिंह, रामचंद्र सिंह, ओमकार सिंह, ओमप्रकाश सिंह बौद्ध, लोकमन सिंह, रामदास सिंह, मानसिंह गौतम, लाला राम गौतम, आर.पी. त्यागी (एडवोकेट), मंडल प्रभारी बरेली तथा बीएसपी के जिला अध्यक्ष रक्षपाल सिंह निमेष सहित बड़ी संख्या में धम्म बंधुओं एवं महिलाओं ने भाग लिया। धरना- प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। अंत में संगठन के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों के शीघ्र समाधान की अपेक्षा व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

नशा छीन लेता है स्वास्थ्य, शिक्षा और परिवार की खुशियां: डॉ. अखिलेश शुक्ला

लखीमपुर-खीरी कैनविज टाइम्स संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर जिला कारागार, लखीमपुर-खीरी में जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यशाला एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कैदियों को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में जिला मानसिक स्वास्थ्य टीम ने नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला। मनोचिकित्सक डॉ. अखिलेश शुक्ला ने कहा कि ''नशे की लत व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और पारिवारिक जीवन को पूरी तरह बर्बाद कर देती है। इससे बचने का सबसे प्रभावी उपाय जागरूकता, समय पर परामर्श और उचित उपचार है।'' उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता के निर्देश पर आयोजित किया गया।

डॉ. शुक्ला ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को नशीले पदार्थों से दूर रहकर स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए और समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाना चाहिए।

कार्यशाला के दौरान सभी कैदियों को नशा विरोधी शपथ दिलाई गई तथा उन्हें अपने साथियों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी देते हुए विशेषज्ञों ने बताया कि तनाव, अवसाद, नशे की लत अथवा अन्य मानसिक समस्याओं के लिए टेली-मानस हेल्पलाइन 14416 एवं 1800-891-4416 पर चौबीसों घंटे निःशुल्क परामर्श उपलब्ध है। वहीं नशामुक्ति से संबंधित सहायता के लिए राष्ट्रीय नशा मुक्ति हेल्पलाइन 14446 तथा तंबाकू छोड़ने के लिए 1800-11-2356 पर संपर्क किया जा सकता है।

कार्यक्रम में कारागार अधीक्षक पी.डी. सलोनिया, जेलर देवकांत वर्मा, मनोचिकित्सक डॉ. अखिलेश शुक्ला,, चिकित्सक डॉ. पंकज कुमार, फार्मासिस्ट आर.आर. सिंह एवं जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम उपस्थित रही। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया।

बाबू राममोहन बीकॉम को उनकी 110 वी जयंती पर याद किया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

संभल। आज श्री राममोहन सेवा आश्रम (रजि.) चंदौसी के तत्वाधान में राम गली सीता रोड स्थित राधाकुंज भवन में नगर के प्रथम स्नातक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, इतिहासकार, साहित्यकार, पत्रकार एवं आर्य समाज के अनुयायी सहित्यभूषण बाबू राममोहन बीकॉम की 110 वी जयंती पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। विचार गोष्ठी का शुभारंभ अतिथियो द्वारा बाबू राममोहन बीकॉम के चित्र पर पुष्प अर्पित करके किया गया। मुख्य अतिथि सेठ हरिशंकर अग्रवाल ने कहा बाबू राममोहन खादी प्रेमी थे उन्होंने हमेशा खादी कपड़ों के साथ जूते एवं बेल्ट भी कपड़े की ही पहनी उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन 1930 में भाग लिया। जिस दौरान उन्हें एक वर्ष का कठोर कारावास हुआ और मुरादाबाद कारागार में रखा गया।सामाजिक कार्यकर्ता डॉ टीएस पाल ने कहा बाबू राममोहन विभिन्न उपलब्धियां के साथ राष्ट्र एवम समाज को समर्पित रहे। उनकी शिक्षा एवं सेवा कार्य के लिए हम आज भी उन्हें याद कर रहे हैं ।ऐसे महापुरुषों के आदर्शों पर युवाओं को चलने की आवश्यकता है।सौभाग्यशाली हैं उनके सुपुत्र और सुपौत्र जो आज भी उन्हें उनकी जयंती के रूप में याद करते हैं।श्री राममोहन सेवा आश्रम के अध्यक्ष डॉ तुमुल विजय शास्त्री ने अपने पिता बाबू राममोहन बीकॉम के विषय मे बताया बाबूजी का जन्म 26 जून 1915 को चंदौसी के महाजन मोहल्ला स्थित नीम के तले लक्ष्मण दास के घर में हुआ ।वह राष्ट्र एवं शिक्षा के प्रति हमेशा जागरूक एवं एवं लगनशील रहे। जब चंदौसी में स्नातक तक पढ़ाई की सुविधा नहीं थी, तब उन्होंने कानपुर विश्वविद्यालय से 1941 में बीकॉम की परीक्षा पास की। उन्होंने आजादी के बाद कंाग्रेस को छोड़कर भारतीय जनसंघ की सदस्यता ली, मुख्य वक्ता पूर्व प्रधानाचार्य त्रिमोहन यादव ने कहा बाबू राममोहन ने अपने जीवन मे अनेक सरकारी,अर्ध सरकारी नौकरियों की परन्तुस सभी चन्दौसी से प्रेम के कारण छोड़ दी।आप दो बार नगर पालिका चन्दौसी के अधिशासी अधिकारी रहे।विशिष्ट अतिथि योगेंद्र कुमार शर्मा ने कहा बाबू जी ने 1970 के दशक में अनेक घी व्यापारी सम्मेलन चन्दौसी,मुरादाबाद,खुर्जा,लख़नऊ में किये,एक बार बड़े स्टार पर चन्दौसी में घी व्यापारी सम्मेलन हुआ।जिससे तत्कालीन सरकार को घी व्यपारियो की मांग को मानना पड़ा।कार्यक्रम संयोजक डॉ तुमुल विजय अग्रवाल ने सभी अतिथियो का आभार व्यक्त किया।

यूपी सरकार से इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रधानों को प्रशासक बनाने को लेकर माँगा जवाब, फिलहाल फैसले पर रोक

कैनविज टाइम्स संवाददाता

प्रयागराज/ बदायूँ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के उस शासनादेश के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी है, जिसके तहत ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें ही संबंधित ग्राम पंचायतों का प्रशासक नियुक्त किया गया था। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया इस व्यवस्था को संविधान के 73वें संशोधन और पंचायती राज व्यवस्था की मूल भावना के विपरीत मानते हुए राज्य सरकार से इस संबंध में जवाब तलब किया है। यह आदेश अरविंद राठौर द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान पारित किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि ग्राम प्रधान का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उसी व्यक्ति को प्रशासक नियुक्त करना संविधान और पंचायती राज अधिनियम की मंशा के अनुरूप नहीं है। इसलिए संबंधित शासनादेश को निरस्त किया जाना चाहिए।सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने सरकार के फैसले पर गंभीर सवाल उठाते हुए फिलहाल उसके क्रियान्वयन पर रोक लगा दी। साथ ही राज्य सरकार को अपना पक्ष प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई को निर्धारित की गई है।हाईकोर्ट के इस अंतरिम आदेश के बाद प्रदेश की हजारों ग्राम पंचायतों में प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। अब सरकार अदालत के समक्ष क्या पक्ष रखती है और अगली सुनवाई में न्यायालय क्या अंतिम दिशा-निर्देश जारी करता है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं। इस मामले का फैसला प्रदेश की पंचायत व्यवस्था पर व्यापक प्रभाव डाल सकता है। यदि शासनादेश निरस्त होता है तो उन सभी ग्राम पंचायतों में नई प्रशासनिक व्यवस्था लागू करनी पड़ सकती है, जहां प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद उन्हें प्रशासक के रूप में कार्य करने की अनुमति दी गई थी। पंचायत प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी अब 13 जुलाई को होने वाली अगली सुनवाई का इंतजार कर रहे हैं।

छत्रपति साहूजी महाराज सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता के महान पुरोधा थे : सपा जिलाध्यक्ष

कैनविज टाइम्स संवाददाता

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर छत्रपति साहू जी महाराज की जयंती बिजलीपुरा स्थित सपा के जिला कार्यालय पर मनाई गई। इस मौके पर पार्टी के सभी नेताओं व पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। इस दौरान एक गोष्ठी का आयोजन सपा जिलाध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें सपा जिलाध्यक्ष तनवीर खान ने कहा कि छत्रपति साहू जी महाराज सामाजिक न्याय, शिक्षा और समानता के महान पुरोधा थे। उन्होंने वंचित, पिछड़े और शोषित वर्गों को सम्मान और अधिकार दिलाने के लिए ऐतिहासिक कार्य किए। उनकी नीतियां आज भी सामाजिक समरसता और बराबरी का मार्ग प्रशस्त करती हैं। समाजवादी पार्टी उनके आदर्शों पर चलकर सामाजिक न्याय, शिक्षा और सभी वर्गों के सम्मान के लिए निरंतर संघर्ष करने के लिए संकल्पित है। इस मौके पर सपा प्रदेश सचिव रामसूरत यादव, सपा नगर विधानसभा अध्यक्ष अतिउल्ला सिद्दीकी, जिला पंचायत सदस्य नीरज मिश्रा, सपा महानगर अध्यक्ष चौधरी रामकुमार भोजवाल, सपा जिला उपाध्यक्ष संजीव वर्मा, सपा अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष हफीज अंसारी, छात्र सभा के जिलाध्यक्ष प्रसून कुमार कनौजिया, महिला सभा की जिलाध्यक्ष किरन कठेरिया, महिला सभा की महानगर अध्यक्ष जाफरीन, आकाश वर्मा, दोदराम वर्मा, अवधेश कुमार पाल, संतोष कुमार पाल, दुर्गेश कुमार गुप्ता पूर्व सभासद, नाजिम फारुकी, वकार खान, कल्याण सिंह यादव, तेजपाल सिंह यादव, राममूर्ति वर्मा, अनूप शुक्ला, सुरजीत यादव, मोनू कुरेशी, सचिन सक्सेना, हिमांशु गुप्ता, अयान मंसूरी, डॉक्टर आदित्य वर्मा, अनिल भास्कर, मोहम्मद बिलाल, अवनीश कनौजिया, मुकेश यादव, फराज इदरीसी, गुफरान, रफत खान, नीरज कुमार आदि मौजूद रहे।

बड़े बैनामों पर डीएम की पैनी नजर राजापुर पहुंचकर खुद की पड़ताल

लखीमपुर खीरी । जिले में बड़े बैनामों की जांच अब फाइलों तक सीमित नहीं रहेगी। राजस्व हितों की सुरक्षा को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए शुक्रवार को डीएम अंजनी कुमार सिंह ने ग्राम राजापुर पहुंचकर दो बड़े बैनामों की मौके पर जांच की। डीएम के औचक निरीक्षण से स्टांप एवं निबंधन विभाग के अधिकारियों में हलचल मच गई। डीएम ने पहले उप निबंधक कार्यालय के अभिलेखों का अवलोकन किया, इसके बाद तहसील एवं विकासखंड लखीमपुर के ग्राम राजापुर पहुंचकर बैनामों में दर्ज भूमि और आवासों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर भूमि का स्वरूप, निर्माण की स्थिति, क्षेत्रफल, बाजार मूल्य और लगाए गए स्टांप शुल्क का बारीकी से सत्यापन कराया। कई बिंदुओं पर नक्शों और राजस्व अभिलेखों का मौके की स्थिति से मिलान भी किया गया। निरीक्षण के दौरान सहायक महानिरीक्षक (स्टांप) अमिताभ कुमार एवं राजस्व विभाग की टीम मौजूद रही। डीएम ने अधिकारियों से सर्किल रेट, संपत्ति के मूल्यांकन और स्टांप शुल्क निर्धारण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन बैनामों में कम मूल्यांकन, राजस्व क्षति या नियमों के उल्लंघन की आशंका होगी, उनकी गहन जांच कराई जाएगी।

जिला अस्पताल प्रबंधन खुद बीमार, मरीज बेहाल, अभद्रता और बाहर की दवाओं के आरोपों से घिरा मोतीपुर ओयल अस्पताल

लखीमपुर-खीरी। जनपद के मोतीपुर ओयल स्थित जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मरीजों और उनके तीमारदारों का आरोप है कि अस्पताल में इलाज से ज्यादा उन्हें अभद्र व्यवहार, अव्यवस्था और मनमानी का सामना करना पड़ रहा है। दूर-दराज से आने वाले मरीज घंटों लाइन में खड़े रहने को मजबूर हैं, लेकिन उन्हें न समय पर उपचार मिल रहा है और न ही सम्मानजनक व्यवहार। आरोप है कि अस्पताल के कमरा नंबर-4 में संचालित एनसीडी क्लीनिक के बाहर तैनात सुरक्षा गार्ड मरीजों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के साथ अभद्रता करते हैं। कतार में लगे मरीजों के साथ धक्का-मुक्की और तीखी नोकझोंक की घटनाएं आम बताई जा रही हैं। इतना ही नहीं, अपने परिजनों का इलाज कराने पहुंचे कुछ पत्रकारों के साथ भी कथित रूप से दुर्व्यवहार किए जाने की शिकायत सामने आई है।

विकास कार्यों की चर्चा जब भी महराजगंज विकास खंड की ग्राम पंचायतों में होती

कैनविज टाइम्स संवाददाता

ग्राम सभा पारा कला का नाम प्रमुखता से लिया जाता

करीब पांच हजार की आबादी और आठ मजरों वाली इस ग्राम पंचायत ने बीते पांच वर्षों में विकास की नई इबारत लिखी

ग्राम प्रधान गीता के नेतृत्व में गांव में सड़क, नाली, पेयजल, शिक्षा, स्वच्छता और जनकल्याण से जुड़े अनेक कार्य कराए गए

महराजगंज, रायबरेली। विकास कार्यों की चर्चा जब भी महराजगंज विकास खंड की ग्राम पंचायतों में होती है तो ग्राम सभा पारा कला का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। करीब पांच हजार की आबादी और आठ मजरों वाली इस ग्राम पंचायत ने बीते पांच वर्षों में विकास की नई इबारत लिखी है। ग्राम प्रधान गीता के नेतृत्व में गांव में सड़क, नाली, पेयजल, शिक्षा, स्वच्छता और जनकल्याण से जुड़े अनेक कार्य कराए गए हैं, जिनकी सराहना ग्रामीण खुलकर कर रहे हैं। आपको बता दें कि, ग्राम पंचायत पारा कला में पारा कला, पूरे सर्वजीत, दखिनहा, पूरे मन्नू, पूरे धौकल, कूटी, पूरे बजरंगी और पूरे अर्जुनहा सहित कुल आठ गांव शामिल हैं। यहां लगभग 1950 मतदाता निवास करते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि, वर्तमान कार्यकाल में गांव के विकास को नई गति मिली है और अनेक वर्षों से लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया गया। प्रधान प्रतिनिधि हरिशंकर ने बातचीत के दौरान बताया कि, उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ''सबका साथ, सबका विकास'' की भावना को आधार बनाकर कार्य किया है। उन्होंने कहा कि, ग्राम पंचायत में विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के पात्र लोगों तक पहुंचाया गया है। उन्होंने बताया कि, बीते पांच वर्षों में ग्राम पंचायत में लगभग 500 मीटर इंटरलॉकिंग सड़क, 500 मीटर खड़ंजा, 400 मीटर पक्की नालियों का निर्माण कराया गया। इसके साथ ही प्राथमिक विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का कायाकल्प, पंचायत भवन की मरम्मत, अंत्येष्टि स्थल (शवदाह गृह) का निर्माण तथा कूड़ाघर का निर्माण भी कराया गया। प्रधान प्रतिनिधि ने बताया कि, जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम पंचायत में पेयजल आपूर्ति के लिए पानी की टंकी का निर्माण कराया गया, जिससे ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। उन्होंने कहा कि, ग्राम पंचायत में निर्मित एमडीएम शेड (मिड-डे मील शेड) आज भी विकास का प्रतीक माना जाता है। इस भव्य परियोजना का उद्घाटन मंडलायुक्त रोशन जैकब एवं तत्कालीन जिलाधिकारी हर्षिता माथुर द्वारा किया गया था, जिसकी चर्चा आज भी ग्रामीण गर्व के साथ करते हैं। उन्होंने बताया कि, ग्राम पंचायत के लगभग 100 पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया गया। वहीं करीब 200 वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांग लाभार्थियों को पेंशन योजनाओं से जोड़ा गया। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत लगभग 3000 मीटर कच्चे मार्गों एवं अन्य विकास कार्यों को पूरा कराया गया। इसके अतिरिक्त 400 व्यक्तिगत शौचालय तथा एक सामुदायिक शौचालय का निर्माण कराकर स्वच्छता अभियान को मजबूती प्रदान की गई। हरिशंकर ने कहा, ''उनका उद्देश्य राजनीति नहीं, बल्कि गांव का समग्र विकास रहा है। सरकार की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसी सोच के साथ पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से कार्य किया गया है। आगे भी ग्राम पंचायत के सर्वांगीण विकास और जनता की सेवा के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। ग्रामीणों का कहना है कि, विकास कार्यों के चलते पारा कला ग्राम पंचायत आज क्षेत्र की अन्य पंचायतों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी है। बेहतर सड़कें, सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था, शिक्षा संस्थानों का कायाकल्प, स्वच्छता अभियान और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने गांव की तस्वीर बदल दी है। यही कारण है कि, पारा कला आज महराजगंज विकास खंड की अग्रणी ग्राम पंचायतों में अपनी अलग पहचान बना चुकी है।

गायत्री हॉस्पिटल में युवक की मौत, परिजनों ने डॉ. पर लगाया लापरवाही का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । सुशीला देवी मेमोरियल गायत्री हॉस्पिटल में एक युवक की मौत के बाद तीमारदारों ने हंगामा किया तीमारदारों का आरोप है कि युवक की मौत अस्पताल के डॉक्टर की लापरवाही से हुई है,उनके बार-बार गुहार लगाने के बावजूद डॉक्टर नहीं,पसी जे और प्रॉपर ट्रीटमेंट न मिलने की वजह से युवक की मौत हो गई है।गायत्री हॉस्पिटल में हाइड्रोसील के ऑपरेशन के बारह घंटे के भीतर मरीज की मौ त हो गई।परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्ट र पर बिना अनुमति ऑपरेशन करने का भी आरो प लगाते हुए जमकर हंगामा किया।यह घटना नग र कोतवाली क्षेत्र के गायत्री अस्पताल में शुक्रवार सुबह को हुई है।डीएम कार्यालय में चपरासी के प द रवि प्रकाश ने अपने 65 वर्षीय पिता पीतांबर प्र साद को इलाज के लिए गायत्री अस्पताल में भर्ती कराया था। जहाँ डॉक्टर मनोज मिश्रा ने जांच के बाद हाइड्रोसील का ऑपरेशन कराने की सलाह दी थी। परिजनों ने पीतांबर प्रसाद को आयुष्मान कार्ड के तहत ऑपरेशन के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था।परिजनों का आरोप है कि गुरुवार शाम करीब सात बजे पीतांबर प्रसाद को ऑपरेश न थिएटर में ले जाया गया और बिना उनकी अनुम ति या हस्ताक्षर लिए ऑपरेशन कर दिया गया,ऑ प रेशन के लगभग चौबीस घंटे बाद शुक्रवार सुबह करीब दस बजे पीतांबर प्रसाद की तबीयत अचान क बिगड़ने लगी।परिजनों ने तुरंत केबिन में बैठे डॉ मनोज मिश्रा को बुलाया लेकिन डॉक्टर मरीज को देखने नहीं आए। इसी दौरान पीतांबर प्रसाद की मौत हो गई।पिता की मौत के बाद रवि प्रकाश औ र उनके परिवार के सदस्यों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया।उन्होंने डॉक्टर मनोज मिश्रा पर लाप रवाही और बिना अनुमति ऑपरेशन करने का गं भीर आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।हं गामे की सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को कार्रवाई का आश्वास न देकर शांत कराया।आवास विकास कॉलोनी नि वासी रवि प्रकाश ने बताया कि उन्होंने गुरुवार को सुबह अपने पिता को अस्पताल में भर्ती कराया था डॉक्टरों ने आयुष्मान कार्ड से ऑपरेशन होने की बात कही थी।उन्होंने दोहराया कि ऑपरेशन से प हले उनसे कोई हस्ताक्षर नहीं लिए गए और उनकी अनुमति के बिना ही ऑपरेशन कर दिया गया,कल शाम को सात बजे हमारे पिता का ऑपरेशन,किया है और शुक्रवार करीब साढ़े दस बजे हालात बिगड़ ने पर डॉक्टर केबिन में अपने बैठे रहे मेरा भाई डॉ. को बुलाने गया कि डॉ. साहब चलिए देख लीजिए हमारे पिता कि हालत सीरियस हैं लेकिन डॉक्टर देखने के लिए नहीं आए और उसके कुछ देर बाद डॉ.कि लापरवाही से हमारे पिता की मौत हो गई है। हालांकि गायत्री हॉस्पिटल पर लापरवाही के आरोप अक्सर लगते रहते हैं पूर्व में भी डॉक्टर्स व तीमारदारों के बीच कहा सुनी के कई मामले साम ने आए हैं इस पूरे मामले में पीड़ित पक्ष ने जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को भी अवगत कराया है वहीं इस मामले पर कैनविज टाइम्स संवाददाता ने जब सुशीला देवी मेमोरियल गायत्री हॉस्पिटल के संचालक डॉ. मनोज मिश्रा से बात की तो उन्होंने कहा हार्डअटैक से मौत हो गईं है।वही ज़ब डॉक्टर से पूछागया कि मरीज का ऑपरेशन कब हुआ था तो डॉक्टर ने गोल माल में जबाब दिया कि करीब वही सात - आठ बजे हुआ होगा। वही डॉक्टर पर सवाल उठ रहा है मरीज का ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर को ही नहीं पता है कि मरीज का ऑपरेशन कब हमने किया है तो ऐसे लापरवाह डॉक्टर पर क्यों न आरोप लगे।

बेसमेंट में पैथोलॉजी गोंडा में फल-फूल रहे 'मौत के इंफ्रास्ट्रक्चर'

लखनऊ हादसे के बाद भी गायत्री हॉस्पिटल के बेसमेंट में एक्स-रे एंड पैथोलॉजी सेंटर बेसमेंट में चल रहे है।कैनविज टाइम्स की पड़ताल में गायत्री हॉस्पिटल में सुरक्षा नियमों की अनदेखी,पर सवाल और प्रशासनिक लापरवाही की तस्वीरें सामने आ ई हैं सवाल यह है कि क्या सिस्टम हर बार हादसे के बाद ही जागेगा, या लोगों की सुरक्षा को लेकर पहले से कार्रवाई होगी..?..लखनऊ के अलीगंज की इमारत में पंद्रह परिवारों के चिराग बुझ गए... सरकारी लापरवाही, सुरक्षा नियमों की अनदेखी और सिस्टम की नाकामी पर एक बार फिर सवाल उठ खड़े हुए है लेकिन यह पहली बार नहीं है इस से पहले लखनऊ और दिल्ली में हुए लेकिन जांच में उस हादसे के बाद जांच हुई, कार्रवाई हुई, वादे हुए कि अब ऐसा दोबारा नहीं होगा लेकिन क्या सिस्टम ने सचमुच कोई सबक लिया..? बल्लिक यह सिर्फ कहानी नहीं है यह उस पैटर्न की कहानी है जिसमें हादसे के बाद सख्ती का दावा होता है, लेकिन जमीन पर खतरनाक व्यवस्थाएं जस की तस चलती रहती हैं और जिम्मेदार सिर्फ कई खा नापूर्ति करके कोरम पूरा करने में लगे हुए हैं।

निकला मुहर्रम का जुलूस कर्बला में दफन हुई ताजिया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । मुहर्रम का त्योहार मंगलवार को मनाया गया जगह-जगह दसवीं मुहर्रम का जुलूस निकला।इस दौरान या हुसैन की गूंज करते हुए लोगों ने मातम मनाया।मुस्लिम समुदाय के लोग हुसैन की कुर्बानी को याद कर अपने पीठ पर छूरियों का प्रहार कर रहे थे। लहूलुहान होते हुए लोग कर्बला तक गए। शुक्रवार को रास्ते भर नौहा पढ़ रहे थे।दोपहर बाद ताजिया जुलूस निकला।शहर के घोसियाना,पटेल नगर,चौक बजार,अंबेडकर चौराहा, कचहरी रेलवे स्टेशन,खैरा,बड़गांव के ताजियेदार बड़ी संख्या में कर्बला की ओर बढ़ रहे थे। गगनचुंबी ताजियों के बीच शौर्य का प्रदर्शन भी हुआ,कुछ जगहों पर चां दी का ताजिया लोगों के आकर्षण का केंद्र रही। चारो तरफ से निकला जुलूस देर शाम झूलेलाल चौराहा से आवास विकास फातिमा स्कूल के बग ल स्थित कर्बला पहुंचा।इस दौरान नगाड़ा - ताशा साथ बज रहा था। कर्बला रोशनी से नहाया हुआ था।यहां ताजिया दफन किया गया। नगर क्षेत्र में ताजिया जुलूस निकाला गया।कर्बला में ताजिया दफन किया गया।खोहराहसा क्षेत्र का ताजिया क र्बला में जुलूस के साथ सुपुर्द-ए-खाक की गई है। शांति पूर्ण माहौल में ताजिया को दफनाया गया। अकीदतमंदों ने हसन-हुसैन की याद में मुहर्रम का जुलूस निकाला। घोसियाना, छावनी सरकार, पटेल नगर आदि गावों के ताजियेदार अपने क्षेत्र के कर्ब ला में ताजिया दफन किए। करनैलगंज तहसील क्षेत्र के विभिन्न गांवों में इमाम हुसैन की याद में मुस्लिम समुदाय ने मातम मनाया गया। ताजिया जुलूस के दौरान लोगों ने नौहा पढ़ा।देर रात ताजि या दफन किया गया।

वृद्ध ने सरयू नदी में लगाई छलांग, मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । पसका बाजार निवासी एक बुजुर्ग ने शुक्रवार सुबह सरयू नदी में छलांग लगाकर जान दे दी।सूच ना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों और मछुआरों की मदद से शव को नदी से बाहर निकलवाया।शु क्रवार की सुबह पसका बाजार निवासी बनवारी गुप्ता ने पुलिस को सूचना दी कि उनके मामा रा जेंद्र गुप्ता (62) पुत्र बच्चू लाल की गुरुवार रात तबीयत कुछ खराब थी।शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे वह टहलने के लिए पसका घाट की ओर गए थे, जहां उन्होंने सरयू नदी में छलांग लगा दी। सुब ह नदी के पास स्नान करने वालों ने जब देखा तब सबको जानकारी हुई।सूचना मिलते ही चौकी प सका पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय मछुआ रों व गोताखोरों की मदद से शव की तलाश शुरू कराई।साथ ही जल पुलिस और एसडीआरएफ को भी सूचना दी गई।काफी प्रयास के बाद गोता खोरों की सहायता से शव को नदी से बरामद कर लिया गया।थानाध्यक्ष कमल शंकर चतुर्वेदी ने ब ताया कि पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा अग्रिम विधिक का र्रवाई की जा रही है।

एसएसबी की सतर्कता से मानव तस्करी का प्रयास विफल, नेपाली नाबालिग बालिका को सुरक्षित बचाया

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच । भारत-नेपाल सीमा पर मानव तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक नेपाली नाबालिग बालिका को संदिग्ध मानव तस्करी के चंगुल से सुरक्षित बचाया। इस दौरान एक संदिग्ध युवक को पकड़कर आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया गया। 42वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, बहराइच के कमांडेंट गिरीश चन्द्र पाण्डेय के निर्देशन एवं सतत निगरानी में सीमा क्षेत्र में मानव तस्करी, महिला एवं बाल शोषण तथा अन्य सीमा पार अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 25 जून को प्रातः लगभग 10:50 बजे रुपईडीहा स्थित बीआईटी चेक पोस्ट पर नियमित जांच एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग ड्यूटी के दौरान एसएसबी जवानों ने नेपाल जा रहे एक युवक एवं एक किशोरी को रोककर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान युवक और किशोरी ने स्वयं को भाई-बहन बताया, लेकिन उनके जवाबों में विरोधाभास मिलने पर जवानों को संदेह हुआ। इसके बाद एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) एवं स्वयंसेवी संस्था देहात इंडिया की मौजूदगी में दोनों की अलग-अलग काउंसलिंग एवं गहन पूछताछ की गई। जांच के दौरान किशोरी द्वारा दी गई जानकारी सही नहीं पाई गई। उसकी कथित बहन ने उसे पहचानने से इनकार कर दिया तथा उसकी माता से संपर्क कराया। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में रह रही उसकी माता ने बताया कि बालिका को एक युवक अपने साथ ले गया था।

जांच में सामने आया कि युवक विवेक कुमार साह, निवासी रौतहट (नेपाल), नेपाल स्थित एक गारमेंट कारखाने में कार्य करता है और किशोरी को अपने साथ नेपाल ले जा रहा था। दोनों के भाई-बहन होने का दावा गलत पाया गया। किशोरी की उम्र एवं यात्रा की परिस्थितियों को देखते हुए मामला मानव तस्करी अथवा शोषण से जुड़ा संदिग्ध पाया गया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद नाबालिग बालिका को उसकी सुरक्षा एवं देखभाल के लिए नेपाल स्थित शान्तिपूर्ण स्थापना गृह को एएचटीयू एवं देहात इंडिया की उपस्थिति में सुपुर्द किया गया। वहीं संदिग्ध युवक विवेक कुमार साह को आगे की जांच एवं आवश्यक विधिक कार्रवाई के लिए नेपाल पुलिस को सौंप दिया गया।

हुसैनी अकीदत और परम्पराओं के साथ नानपारा में मनाया जा रहा मोहर्रम

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नानपारा, बहराइच। हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम नानपारा नगर में अकीदत, गम और पारंपरिक रवायतों के साथ मनाया गया। मोहर्रम का चांद नजर आते ही नगर में मजलिसों, फातिहाख्वानी, सबीलों और लंगर का सिलसिला शुरू हो गया। सातवीं और आठवीं मोहर्रम को नगर के अलग-अलग मोहल्लों में अलमदारों ने पुरानी परंपराओं के अनुसार छड़ व अलम रखे । इस दौरान फातिहाख्वानी, मजलिस और सबीलों का आयोजन किया गया। रात में अलम व छड़ों का मिलान नगर के निर्धारित स्थानों पर हुआ, जहां बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे। इस दौरान हर तरफ ह्लया हुसैनङ्क की सदाएं गूंजती रहीं। नानपारा की ताजियादारी और मोहर्रम की रवायतें आसपास के क्षेत्रों में भी अपनी अलग पहचान रखती हैं। सातवीं मोहर्रम को निकले अलम के जुलूस में लोगों ने पूरे अदब और अकीदत के साथ शिरकत की। नगर के विभिन्न मार्गों से होकर अलमदार अपने निर्धारित मिलान स्थल पर पहुंचे, जहां छड़ों और अलम का मिलान कराया गया। मोहल्ला घोसी टोला में मोहर्रम के मौके पर अल-अक्सा मस्जिद का खूबसूरत रौजा तैयार किया गया, जो अपनी आकर्षक सजावट और शानदार कारीगरी के चलते लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। रौजे की खूबसूरती देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और इसकी सराहना की। जगह-जगह लोगों ने शीरनी, खीर, सबील और खिचड़े का इंतजाम किया। मुहर्रम कमेटी के सदर नदीम चौधरी ने बताया कि नानपारा में वर्षों से चली आ रही मोहर्रम की परंपराओं को सभी लोग आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ निभाते हैं। उन्होंने कहा कि कमेटी का उद्देश्य सभी रस्मों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना और अकीदतमंदों को बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराना है। उन्होंने प्रशासन, पुलिस और नगरवासियों के सहयोग के लिए आभार भी जताया। नौवीं मोहर्रम (नवाई) की रात ताजियादारों ने ताजिया रखकर फातिहाख्वानी कराई। इमाम हुसैन की याद में आयोजित इस मौके पर माहौल गमगीन रहा। शिया समुदाय की ओर से इमामबाड़े के पास अंजुमन अब्बासिया के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने नंगे पांव अंगारों पर चलकर आग का मातम किया, जिसे देखकर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। दसवीं मोहर्रम के अवसर पर शुक्रवार को नगर के विभिन्न मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों से आए ताजिये इमामगंज चौराहे पर एकत्रित होंगे। मिलान के बाद सभी ताजियों को स्थानीय कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। वही दूसरी ओर दसवीं मोहर्रम के मौके पर बेगम मस्जिद में मौलाना मोईनुद्दीन कादरी ने आशूरा की नमाज अदा कराई, जिसमें बड़ी तादाद में लोग शामिल हुए। नमाज के बाद देश में अमन, चैन और खुशहाली के लिए दुआ की गई। मोहर्रम को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। सीओ, कोतवाल सहित पुलिस के जवान लगातार निगरानी करते रहे। मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारी शफ़ीक़ कुरैशी, डॉ एख़लाक़ सैय्यद अब्दुल वली, भोला कुरैशी, आदि लोग भी व्यवस्थाओं को संभालने में जुटे रहे। साथ ही नगर पालिका परिषद के चेयरमैन अब्दुल वहीद भी समय समय पर स्थिति का जायजा लेते नज़र आये।

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर महिला ने की सुसाइड

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र में ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर 28 वर्षीय महिला ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली।घटना शुक्रवार सुबह करी ब पांच बजे बिशुनपुर बैरिया सालपुर बाजार की है।पुलिस ने पति की तहरीर पर मूड़ाडीहा गांव नि वासी रमेश कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पति ने बताया कि शुक्रवार सुबह जब वह उठे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला।काफी देर तक आवाज लगाने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो उन्होंने पुलिस को सूच ना दी।मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा खुलवा या तो महिला फांसी के फंदे से लटकी मिली।इस के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

वीडियो वायरल करने की धमकी देकर बना रहा था दबाव

पति का आरोप है कि घर से कुछ दूरी पर लोकवा णी केंद्र चलाने वाला रमेश कुमार उनकी पत्नी को लगातार फोन कर बात करने और संबंध बनाने का दबाव बना रहा था।विरोध करने पर वह वीडियो और ऑडियो वायरल कर बदनाम करने की धम की देता था।पति के मुताबिक,गुरुवार रात आठ बजे पत्नी ने पहली बार उन्हें पूरी बात बताई।इस के बाद वह अपने पिता और पत्नी के परिजनों के साथ राकेश कुमार के पास गए। उसे समझाने का प्रयास किया।आरोप है कि वहां भी उसने महिला पर गलत आरोप लगाए और बाद में फिर से फोन कर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया।इसी मानसिक तनाव से परेशान होकर महिला ने आत्महत्या कर ली।पति राकेश ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 20 11 में हुई थी।उनके दो बच्चे हैं।बड़ी बेटी की उम्र करीब आठ वर्ष और छोटी बेटी की उम्र करीब सा त वर्ष है।उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी ने पहले इ स बारे में इसलिए नहीं बताया था क्योंकि वह डरी हुई थी।

मोबाइल जब्त, कॉल डिटेल खंगाल रही पुलिस

देहात कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह ने बताया कि पति की तहरीर के आधार पर रमेश कुमार के खि लाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।मृतका का मोबा इल फोन कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।साथ ही कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडी आर) की भी जांच की जा रही है।पुलिस मामले के सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ने सांसद के सामने रखी शिक्षकों की समस्या, समाधान का मिला आश्वासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बहराइच । सेवारत शिक्षकों से टेट अनिवार्यता समाप्त किए जाने को लेकर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के निर्देश पर सांसद बहराइच से मिलकर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बहराइच ने ज्ञापन देकर किया अनुरोध। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर सांसद बहराइच डा. आनन्द कुमार गोंड से राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, बहराइच जिलाध्यक्ष आनन्द मोहन मिश्र के नेतृत्व में भेंट कर वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर टेट अनिवार्यता एवं उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों से टेट अनिवार्यता समाप्त के विषय में विस्तार से चर्चा की तथा उपरोक्त समस्या से मुक्ति दिलाने के प्रधानमंत्री, केंद्रीय शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश को समर्थन पत्र लिखने एवं टेट अनिवार्यता समाप्त हेतु उक्त अति महत्वपूर्ण विषय को संसद के मानसून सत्र में उठाकर विधायी संशोधन करवाने का अनुरोध किया।

इस मौके पर सांसद श्री गोंड के समक्ष शिक्षक समाज की चिंताओं, विधिक तथ्यों, प्राकृतिक न्याय एवं मानवीय पक्ष को उनके समक्ष रखा गया।सांसद श्री गोंड द्वारा यह आश्वासन दिया गया है कि, महासंघ की मांग को प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष रखकर समस्या का समाधान करवाया जायेगा। सांसद संपर्क एवं समर्थन ज्ञापन कार्यक्रम में जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष पंकज कुमार वर्मा,जिला महामंत्री उमेश चन्द्र त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष सैयद सुरूर अख्तर,जिला मंत्री धनंजय पाण्डेय सहित कई शिक्षक उपस्थित रहे।

बेसमेंट में चल रहे अस्पताल, खामोश प्रशासन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

गोंडा । मंडल में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े हो गए हैं।शहर और आ सपास के इलाकों में कई नर्सिंग होम,अस्पताल,औ र डायग्नोस्टिक सेंटर कथित रूप से बेसमेंट में सं चालित हो रहे हैं,लेकिन जिम्मेदार विभाग मानोनि रों की तरह बंसी बजा'' रहा हो। आम जनमानस और पत्रकारों की बार-बार उठती आवाज़ के बाव जूद मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्या लय की चुप्पी कई तरह की आशंकाओं को जन्म दे रही है जानकारों का कहना है कि बेसमेंट में अ स्पताल या नर्सिंग होम चलाना सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिहाज से बेहद खतरनाक है। आपात काल की स्थिति में मरीजों को बाहर निकालना क ठिन हो सकता है,इसके बावजूद शहर और ग्रामी ण क्षेत्रो में कई निजी स्वास्थ्य संस्थान कथित रूप से इसी व्यवस्था में संचालित हो रहे हैं। सवाल यह है कि जब यह सब खुलेआम हो रहा है तो स्वास्थ्य विभाग की निगरानी कहां है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी और उन की टीम को इन व्यवस्थाओं की पूरी जानकारी है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता निभाई जाती है।यदि इस मामले में जवाबदेही तय की जाए तो प्रशासनिक स्तर पर जिम्मेदारी जिला धिकारी तक भी जाती है, क्योंकि जिले में किसी भी अवैध या असुरक्षित गतिविधि को रोकना जि ला प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है।कुछ लोग यह भी कहते हैं कि यदि किसी अधिकारी से पूछा जाए तो वह यह कहकर बच निकलता है कि ''हमें इसकी जानकारी नहीं थी।'' लेकिन यह तर्क भी कई सवाल खड़े करता है-क्या पूरे जिले में चल रहे अस्पतालों और डायग्नोस्टिक सेंटरों की निग रानी का कोई ठोस तंत्र नहीं है...? .....इस मुद्दे को और गंभीर बनाता है वह उदाहरण, जब राजधानी दिल्ली में बेसमेंट में चल रहे संस्थानों में जलभराव की घटनाओं ने बड़ा संकट खड़ा कर दिया था,ऐसी परिस्थितियों में मरीजों और स्टाफ की सुरक्षा सब से बड़ी चुनौती बन जाती है। बावजूद इसके गोंडा जिले में मानकों की अनदेखी कर अस्पतालों का संचालन होना चिंताजनक है।बेसमेंट मे जमे मरीज और सहयोगी इसके अलावा कुछ पैथोलॉजी लैब और जांच केंद्रों पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कई जगहों पर योग्य पैथोलॉजिस्ट की अनुप स्थिति में जांचें की जा रही हैं।कहीं नमूने एक शह र से दूसरे शहर भेजे जा रहे हैं,तो कहीं बिना मान क उपकरणों के जांच की जा रही है। इससे रिपोर्ट की विश्वसनीयता और मरीजों के उपचार दोनों पर खतरा पैदा हो सकता है।पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब भी इस मुद्दे को उठाया जाता है तो प्रभाव और पैसे के बल पर आ वाज दबाने की कोशिश होती है।आम नागरिकों के लिए सीधे उच्च स्तर तक अपनी शिकायत पहुंचा ना भी आसान नहीं है।ऐसे में सवाल उठता है कि क्या स्वास्थ्य व्यवस्था केवल कागजों में ही सुरक्षि त और व्यवस्थित है...? यदि मानकों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही.......?..गोंडा जनपद के नागरिकों का मानना है कि इस पूरे मामले की नि ष्पक्ष जांच होनी चाहिए।बेसमेंट में संचालित सभी अस्पतालों, नर्सिंग होम और डायग्नोस्टिक सेंटरों का सर्वे कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वे सुरक्षा और स्वास्थ्य मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं स्वास्थ्य व्यवस्था सीधे आम जनता के जीवन से जुड़ी है।यदि इसी क्षेत्र में लापरवाही और अनियमि तता का बोलबाला रहेगा,तो यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं बल्कि जनस्वास्थ्य के साथ गंभीर खिलवाड़ माना जाएगा। अब सबसे बड़ा सवाल यही है क्या गोंडा जनपद की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के लिए सख्त कार्रवाई होगी, या फिर यह मुद्दा भी फाइलों में दब कर रह जाएगा...?

गोमती उदगम तीर्थ पर चल रहे ग्रीष्मकालीन महोत्सव का हुआ समापन

कैनविज टाइम्स संवाददाता

स्कूली छात्र छात्राओं को मुख्य विकास अधिकारी ने किया पुरस्कृत

रासलीला मंडली द्वारा प्रस्तुत किया गया मनमोहक कार्यक्रम

पूरनपुर। माधोटांडा स्थित गोमती उद्गम तीर्थ पर 22 जून से शुरू हुए मां गोमती ग्रीष्मकालीन महोत्सव 2026 का समारोहपूर्वक समापन हो गया। मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा ने स्कूली छात्राओं को पुरस्कार किया। रासलीला मंडली द्वारा सुंदर प्रस्तुतियां दी गई।सभी ने गोमती आरती में भाग लिया और गोमती पर कई कवि व कवयित्रियों की सुंदर काव्य प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम का भव्य समापन हुआ।22 जून को कि महोत्सव का शुभारंभ पूरनपुर विधायक मा. बाबूराम पासवान व जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह द्वारा किया गया था। लगातार लीला मंडली का कार्यक्रम व स्कूली बच्चों की विभिन्न प्रतियोगिताएं चलती रही । लोगों ने इसमें बढ़कर भाग लिया। प्रतिदिन शाम को काफी अधिक भीड़ में उमड़ती रही। आज कार्यक्रम का समारोहपूर्वक समापन हुआ। मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्रा ने प्रतिभागी छात्र छात्राओं को पुरस्कृत किया। इस मौके पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज 82 गोमती मित्र घोषित किए गए हैं इन्हें परिचय पत्र व प्रिंटेड टी शर्ट देकर एक रुपया लाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में 10 गोमती मित्र बनाने का लक्ष्य है। यह गोमती मित्र गोमती को स्वच्छ रखने का काम करेंगे। उन्होंने सभी घाटों पर कार्यक्रम कराने का आवाहन भी किया और उम्मीद जताई कि गोमती निर्मल होकर बहने लगेगी।इसके लिए उन्होंने स्थानीय लोगों का सहयोग भी मांगा। डाक्टर निराजना शर्मा, विकास आर्य स्वप्न, सतीश मिश्र अचूक व कई अन्य छात्र छात्राओं ने काव्यपाठ किया। रासलीला मंडली द्वारा सुंदर प्रस्तुतियां देकर समा बांध दिया गया। सभी लोग गोमती माता की बनारस की तर्ज पर होने वाली संध्याकालीन महाआरती में भी शामिल हुए। लकी ड्रा में कई लोगों ने इनाम जीते। ट्रस्ट अध्यक्ष एसडीएम प्रमेश कुमार, तहसीलदार वीरेंद्र कुमार, डीसी मनरेगा हेमंत कुमार यादव, लेखपाल देवेश, गजेन्द्र कुमार, अरविंद, वृंदावन, राजेंद्र कुमार, हेमंत कुमार सहित कई अधिकारी और गोमती ट्रस्ट के राममूर्ति सिंह, लक्ष्मण वर्मा, निर्भय सिंह, जिला पंचायत सदस्य रेनू राज, हृदयेश त्रिगुणायत, रमेश कश्यप, प्रधानाचार्य कमल मोहन पांडेय, नरेंद्र सिंह, शक्ति सिंह, राम औतार सिंह, चक्रबर्धन सिंह, सौरभ शुक्ला, रामकिशोर, गोविंदा राठौर, संजीव मिश्रा, महिपाल सिंह सहित काफी गोमती भक्त मौजूद रहे है।

पैमाइश पर पर्दा क्यों चौथे दिन भूख हड़ताल पर उतरे किसान, प्रशासन की चुप्पी ने बढ़ाए सांठगांठ के सवाल

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर। मुड़िया गांव की भूमि पैमाइश की मांग को लेकर पूरनपुर तहसील परिसर में किसानों का आंदोलन चौथे दिन भी जारी रहा। प्रशासन के साथ कई दौर की वार्ता बेनतीजा रहने के बाद किसानों का धैर्य जवाब दे गया और शुक्रवार से तीन महिलाएं व दो पुरुष अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठ गए किसानों का कहना है कि अब केवल आश्वासन नहीं, बल्कि जमीन पर पैमाइश की कार्रवाई चाहिए धरना स्थल पर मौजूद किसानों का आरोप है कि प्रशासन लगातार समय निकालने की नीति अपना रहा है बार-बार वार्ता बुलाकर केवल भरोसा दिया जा रहा है, लेकिन मौके पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही किसानों का कहना है कि यदि पैमाइश कराने में कोई कानूनी बाधा नहीं है, तो आखिर देरी किस बात की हो रही है? इसी सवाल ने ग्रामीणों के बीच कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे दिया है जिला मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र गुप्ता ने कहा कि प्रशासन की कार्यशैली से किसान पूरी तरह निराश हैं उनका आरोप है कि अधिकारियों की उदासीनता के कारण आंदोलन अब निर्णायक चरण में पहुंच गया है यदि जल्द समाधान नहीं निकला तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा धरने के दौरान पहले ही 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला रामबेटी की तबीयत बिगड़ चुकी है, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन के रवैये में कोई बदलाव नहीं दिखाई दिया भीषण गर्मी के बीच किसान, महिलाएं और बुजुर्ग लगातार धरना स्थल पर डटे हुए हैं तहसील परिसर में दिनभर नारेबाजी होती रही और किसानों ने अपनी मांग दोहराई कि पैमाइश के बिना वे पीछे हटने वाले नहीं हैं धरना स्थल पर मौजूद लोगों के बीच यह चर्चा भी जोर पकड़ रही है कि आखिर ऐसा कौन-सा कारण है जिसके चलते एक सामान्य राजस्व प्रक्रिया को लगातार टाला जा रहा है। किसान खुलकर तो कुछ नहीं कह रहे, लेकिन उनके बीच यह सवाल लगातार उठ रहा है कि कहीं किसी प्रभावशाली पक्ष को लाभ पहुंचाने के लिए पैमाइश में देरी तो नहीं की जा रही हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और प्रशासन की ओर से भी इस संबंध में कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया है किसानों का कहना है कि यदि प्रशासन निष्पक्ष है तो उसे बिना किसी देरी के पैमाइश कराकर स्थिति स्पष्ट कर देनी चाहिए उनका मानना है कि कार्रवाई में लगातार हो रही देरी ही संदेह और अविश्वास को जन्म दे रही है अब सभी की निगाहें तहसील प्रशासन पर टिकी हैं भूख हड़ताल शुरू होने के बाद यह देखना होगा कि अधिकारी किसानों की मांगों पर गंभीरता से पहल करते हैं या फिर यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप धारण करता है फिलहाल, तहसील परिसर किसानों के संघर्ष और न्याय की मांग का केंद्र बना हुआ है।

ज्योति सिंह ने राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी से प्रशिक्षण प्राप्त कर रचा इतिहास

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पचमढ़ी में ज्योति सिंह ने रचा इतिहास, बनीं सुलतानपुर की पहली लीडर ट्रेनर गाइड

सुलतानपुर। जनपद सुलतानपुर के लिए गौरव का क्षण तब आया जब भारत स्काउट एवं गाइड उत्तर प्रदेश की जिला ट्रेनिंग कमिश्नर (गाइड) ज्योति सिंह ने मध्य प्रदेश स्थित राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र पचमढ़ी में आयोजित उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लीडर ट्रेनर गाइड की प्रतिष्ठित उपाधि प्राप्त की। इस उपलब्धि के साथ ही ज्योति सिंह सुलतानपुर की पहली लीडर ट्रेनर गाइड बन गई हैं,जिससे जिले के स्काउट-गाइड आंदोलन को नई पहचान मिली है। ज्योति सिंह की इस ऐतिहासिक सफलता पर जिला मुख्य आयुक्त एवं जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह,सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर यादव ,जिला कमिश्नर स्काउट डॉ. दिनेश प्रताप सिंह एवं सचिव डॉ गुलाब सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय बताया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि स्काउट-गाइड गतिविधियों को नई दिशा प्रदान करेगी। जिला ट्रेनिंग कमिश्नर स्काउट धर्मेंद्र प्रताप सिंह, जिला संगठन कमिश्नर गौरव सिंह एवं जिला संगठन आयुक्त (गाइड) कांती सिंह ने भी ज्योति सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जिला प्रशिक्षण टीम एवं स्काउट-गाइड परिवार के सदस्यों ने कहा कि उनकी सफलता युवाओं और गाइड्स के लिए प्रेरणास्त्रोत बनेगी तथा प्रशिक्षण गतिविधियों को और अधिक सशक्त बनाएगी।आपको बता दें उत्तर प्रदेश से ज्योति सिंह समेत चार महिलाओं ने लीडर ट्रेनर गाइड का उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त किया हैं। ज्योति सिंह की इस उपलब्धि से जनपद के स्काउट-गाइड कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और इसे जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

या हुसैन की सदाओं से गूंजा पूरनपुर, अकीदत और गमगीन माहौल में निकले ताजिया जुलूस, कर्बला में होंगे सुपुर्द-ए-खाक, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर।इस्लाम धर्म के पैगंबर हजरत मोहम्मद के नवासे हजरत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की याद में मनाया जाने वाला यौमे आशूरा शुक्रवार को पूरनपुर क्षेत्र में गहरी अकीदत, गमगीन माहौल और धार्मिक श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ नगर एवं आसपास के गांवों से परंपरागत ताजिया जुलूस निकाले गए, जिनमें हजारों अकीदतमंद शामिल हुए पूरे मार्ग पर या हुसैन की सदाएं गूंजती रहीं और मातमी रस्में पूरी श्रद्धा के साथ अदा की गईं मोहर्रम के अवसर पर नगर के विभिन्न मोहल्लों में बनाए गए आकर्षक ताजियों को निर्धारित मार्गों से होते हुए गालिया मेन रोड के रास्ते कर्बला ले जाया जायेगा, जहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया जायेगा जुलूसों के दौरान ढोल-ताशों की पारंपरिक मातमी धुनों ने पूरे वातावरण को गमगीन बना दिया रात से शुरू हुई यह परंपरा सुबह तक जारी रही और अकीदतमंदों ने पूरे अनुशासन एवं श्रद्धा के साथ इमाम हुसैन की शहादत को याद करते हुए खिराज-ए-अकीदत पेश की मोहर्रम से पूर्व नगर के मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में कारीगरों ने कई दिनों की मेहनत से ताजियों का निर्माण किया था रंग-बिरंगी सजावट और पारंपरिक शिल्पकला से सजे ताजिए श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने रहे जुलूस मार्ग पर बड़ी संख्या में लोगों ने खड़े होकर ताजियों का स्वागत किया और आपसी भाईचारे का संदेश दिया स्थानीय लोगों ने बताया कि पूरनपुर में वर्षों से मोहर्रम का पर्व गंगा-जमुनी तहजीब, धार्मिक सौहार्द और सामाजिक एकता की मिसाल के रूप में मनाया जाता है हर वर्ष सभी समुदायों के लोग आपसी सहयोग और सम्मान के साथ इस आयोजन को सफल बनाते हैं, जो क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को भी मजबूत करता है यौमे आशूरा के मद्देनजर पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा तथा वरिष्ठ अधिकारी लगातार जुलूसों की निगरानी करते रहे प्रशासन की मुस्तैदी, पुलिस की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय लोगों के सहयोग से पूरनपुर क्षेत्र के सभी ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण, सकुशल और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए।

गन्ने के खेत में टूटी हाईटेंशन लाइन बनी काल, सिंचाई कर रहे मजदूर की दर्दनाक मौत, विधायक ने परिजनों को दिया हरसंभव मदद का भरोसा

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के महुआ गुंदे गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया गन्ने के खेत में सिंचाई का कार्य कर रहे 38 वर्षीय मजदूर की हाई वोल्टेज विद्युत लाइन का तार टूटकर गिरने से करंट लग गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई घटना के बाद गांव में मातम छा गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है जानकारी के अनुसार महुआ गुंदे गांव निवासी विकास शुक्ला (38) पुत्र ओमप्रकाश शुक्ला गांव के ही नन्हू अवस्थी के गन्ने के खेत में सिंचाई कर रहे थे इसी दौरान खेत के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज बिजली लाइन का तार अचानक टूटकर उनके ऊपर आ गिरा तेज करंट की चपेट में आने से विकास गंभीर रूप से झुलस गए और उन्होंने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी घटना की सूचना मिलते ही थाना सेहरामऊ उत्तरी पुलिस मौके पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी विकास शुक्ला अपने परिवार के एक अहम सहारा थे। उनके निधन से पत्नी राखी और छह वर्षीय पुत्र आदित्य पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग की लापरवाही पर भी सवाल उठाते हुए जर्जर बिजली लाइनों की समय-समय पर जांच और मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो घटना की जानकारी मिलने पर पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक बाबूराम पासवान भी मौके पर पहुंचे उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की तथा उन्हें ढांढस बंधाया विधायक ने आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवार को शासन की ओर से मिलने वाली हर संभव आर्थिक सहायता और प्रशासनिक सहयोग दिलाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा उन्होंने संबंधित अधिकारियों से भी मामले में आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

घर से लापता युवक का आम के बाग में पेड़ से लटका मिला शव, परिवार में मचा कोहराम, परिजनों ने पोस्टमार्टम से किया इनकार

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। माधोटांडा थाना क्षेत्र के जमुनिया खास गांव में एक 18 वर्षीय युवक का शव आम के बाग में पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जुट गई पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू की, लेकिन परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया जानकारी के अनुसार जमुनिया खास निवासी विकास कुमार (18) पुत्र राजेंद्र का गुरुवार को किसी बात को लेकर घर में विवाद हो गया था इसके बाद वह घर से बिना बताए चला गया देर रात तक वापस न लौटने पर परिजनों ने रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल सका शुक्रवार सुबह गांव के कुछ लोग खेतों की ओर जा रहे थे इसी दौरान गांव के पास स्थित एक आम के बाग में उनका शव पेड़ से लटका दिखाई दिया सूचना मिलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया। परिजन बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे और परिवार में चीख-पुकार मच गई सूचना पर माधोटांडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जांच-पड़ताल शुरू की पुलिस ने नियमानुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी की, लेकिन परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से साफ इनकार कर दिया इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए मामले में आगे की कार्रवाई शुरू कर दी फिलहाल युवक की मौत के कारणों को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मां सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में प्रांतीय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों का निरीक्षण, शिक्षा की गुणवत्ता और व्यवस्थाओं का किया भौतिक सत्यापन

पूरनपुर कैनविज टाइम्स संवाददाता। मां सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, निकट पुरानी स्टेट बैंक, पूरनपुर में शुक्रवार को विद्यालय के लिए महत्वपूर्ण दिन रहा भारतीय शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं संस्कारयुक्त बनाने के उद्देश्य से प्रांतीय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों ने विद्यालय का दौरा कर व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया तथा विद्यालय के संचालन और शैक्षणिक गतिविधियों का भौतिक सत्यापन किया निरीक्षण के दौरान भारतीय श्री विद्या परिषद की प्रदेश निरीक्षका श्रीमती प्रेमा पानू जी, क्षेत्रीय योग प्रमुख श्री होडल सिंह जी, रामस्वरूप रामदुलारी सरस्वती विद्या मंदिर के व्यवस्थापक श्री हर्ष गुप्ता जी, विद्यालय के संरक्षक श्री मनोज कुमार गुप्ता जी तथा विद्यालय के व्यवस्थापक श्री आलोक कुमार गुप्त जी उपस्थित रहे अधिकारियों ने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, स्वच्छता, भौतिक संसाधनों तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया निरीक्षण के उपरांत विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री नीरज दीक्षित को विद्यालय के समग्र विकास, शैक्षिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार तथा संस्कार आधारित शिक्षा को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया इस अवसर पर विभाग संचालक श्री ओमप्रकाश गंगवार भी मौजूद रहे उन्होंने अधिकारियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों और उपलब्धियों की जानकारी दी अधिकारियों ने विद्यालय परिवार के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में भी उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके मार्गदर्शन को विद्यालय की प्रगति के लिए प्रेरणादायी बताया निरीक्षण कार्यक्रम सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ है।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ मुख्यमंत्री के दौरे के दृष्टिगत ग्राम पतरासा कुंवरपुर में व्यवस्थाओं का लिया गया जायजा

पीलीभीत कैनविज टाइम्स संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी के दौरे के दृष्टिगत जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव के जनपद की विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम पतरासा कुंवरपुर में की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने मंच, पेयजल व्यवस्था, बेरिकेटिंग, वाटरप्रूफ पंडाल, विद्युत व्यवस्था, यातायात व्यवस्था, साफ सफाई व्यवस्था, मैदान का समतलीकरण, पार्किंग व्यवस्था, हेलीपैड अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने समस्त सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित सीमा के अंदर समस्त कार्य कराना सुनिश्चित करें।इस दौरान विधायक बरखेड़ा स्वामी प्रवक्तानंद, विधायक बीसलपुर विवेक वर्मा, जिला अध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य,अपर जिलाधिकारी प्रसून द्विवेदी, नगर मजिस्ट्रेट विजयवर्धन तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

कड़ी सुरक्षा में निकला ताजिया, कई गांवों में गम-ए-हुसैन की गूंज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुल्तानपुर। मोहर्रम की दसवीं तारीख यौम-ए-आशूर पर ताजखानपुर, बहादुरपुर और अफलेपुर गांवों में गम-ए-हुसैन पूरे अकीदत और अनुशासन के साथ मनाया गया। इमामबारगाह से ताजिया जुलूस निकाला गया, जो निर्धारित मार्गों से होते हुए स्थानीय कर्बला पहुंचा। यहां मातमी नौहों और सीनाजनी के बीच ताजिया सुपुर्द-ए-खाक किया गया।जुलूस के दौरान या हुसैन की सदाओं के बीच अजादारों ने इमाम हुसैन (अ.स.) और कर्बला के शहीदों की कुर्बानी को याद कर उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश किया। जुलूस में बड़ी संख्या में नौजवान,बुजुर्ग और बच्चों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न स्थानों पर लंगर और शरबत की व्यवस्था भी की गई। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। कोतवाली प्रभारी एवं गभड़िया चौकी प्रभारी दिवेश त्रिवेदी के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात रहा। इमामबारगाह से कर्बला तक पूरे मार्ग पर पुलिस और महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। ड्रोन कैमरों से भी जुलूस की निगरानी की गई, जबकि यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त यातायात पुलिस बल लगाया गया। प्रशासन और अंजुमन के पदाधिकारियों के बेहतर समन्वय से तीनों गांवों में ताजिया जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। अजादारों ने इमाम हुसैन (अ.स.) की कुर्बानी को इंसानियत,सब्र और सत्य के लिए संघर्ष का प्रतीक बताते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संदेश दिया।

मोहर्रम पर्व के दृष्टिगत जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

पीलीभीत। मोहर्रम पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव द्वारा जनपद के संवेदनशील स्थलों एवं ड्यूटी प्वाइंटों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति, सतर्कता तथा उपलब्ध संसाधनों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी पर तैनात समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्ण मुस्तैदी, निष्पक्षता एवं सजगता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। साथ ही संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार भ्रमणशील रहकर कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रामक सूचना अथवा असामाजिक गतिविधि पर तत्काल प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

वन विभाग की मिलीभगत या लापरवाही, धड़ल्ले से कट रहे सागवान के बेशकीमती पेड़

कैनविज टाइम्स संवाददाता

कार्यालय से महज 10 किमी की दूरी पर चल रहा आरा, शिकायतों के बाद भी विभाग बना मूकदर्शक

कादीपुर/सुलतानपुर। एक तरफ जहां शासन-प्रशासन पर्यावरण संरक्षण और वनीकरण को बढ़ावा देने के बड़े-बड़े दावे करता है, वहीं सुलतानपुर जिले के कादीपुर क्षेत्र में वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कादीपुर वन क्षेत्राधिकार कार्यालय से महज 10 किलोमीटर की दूरी पर मुड़िला बाजार के बगल गांव वारी में पिछले कई दिनों से सागवान के बेशकीमती पेड़ों पर अवैध रूप से आरा चल रहा है, लेकिन विभाग की चुप्पी कई तरह के संदेह पैदा कर रही है। जब स्थानीय लोगों ने इस अवैध कटान की जानकारी वन विभाग को दी, तो विभाग का जवाब हैरान करने वाला था। अधिकारियों का दावा है कि इन पेड़ों को काटने के लिए 10 पेड़ों की अनुमति (परमीशन) दी गई थी। हालांकि, घटनास्थल पर मौजूद कटे हुए पेड़ों के लट्ठों का अंबार विभाग के इस दावे की पोल खोल रहा है। स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि केवल 10 पेड़ों की अनुमति थी, तो कटान का यह सिलसिला एक हफ्ते तक कैसे चलता रहा? सवाल यह है कि क्या परमीशन के नाम पर अवैध कटान का खेल रचा जा रहा है?

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस गंभीर मामले की शिकायत विधिवत रूप से दिनांक 9 जून को सुलतानपुर के डीएफओ से की गई थी। इसके बावजूद, घटना के इतने दिन बीत जाने के बाद भी किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई न होना विभाग की कार्यशैली को कटघरे में खड़ा करता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत के बिना इतनी बड़ी तादाद में पेड़ों का कटान संभव ही नहीं है। कार्यालय के इतने करीब और दिन-दहाड़े चल रहे इस अवैध कटान ने यह साबित कर दिया है कि माफियाओं के हौसले बुलंद हैं। पर्यावरण को हो रहे इस नुकसान की भरपाई कौन करेगा? क्या उच्च अधिकारी इस मामले की जांच करवाकर दोषियों पर कार्रवाई करेंगे या मिलीभगत का यह खेल यूं ही चलता रहेगा।

पूर्व प्रधान के कैम्प कार्यालय पर शरबत वितरण कार्यक्रम हुआ संपन्न

कैनविज टाइम्स संवाददाता

पूरनपुर । विकास खंड की ग्राम पंचायत शेरपुर कला में धनारा घाट मेन रोड पर पूर्व प्रधान नाजिया खानम के कैंप कार्यालय पर 10 मोहर्रम शरीफ के मौके पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मोहर्रम शरीफ के मौके पर शानदार मीठे शरबत की सबील लगाकर पूर्व प्रधान पुत्र ने अपनी बच्चा टीम के साथ भीषण गर्मी में रहा चलते सभी धर्ममो के लोगों को जिसमें पुरुष महिलाएं एवं छोटे बच्चों को कैंप कार्यालय पर रोक रोक कर शरबत पिलाकर भीषण गर्मी से राहत दिलाई साथ ही हसन इमाम हुसैन साहब की शहादत के मौके पर हजरत इमाम हुसैन रहमतुल्ला अलेह के भाईचारे इंसानियत के पैगाम को भी राह चलते सभी धर्म के लोगों को पहुंचाने का काम किया जिससे अपने देश एवं दुनिया में अमानो अमान कायम रहे इसके लिए कैंप में उपस्थित बच्चा टीम के साथ बड़ों ने भी इसके लिए सभी लोगों ने हाथ उठाकर खुदा की बारगाह मै दुआ की यहां पर उपस्थित बच्चा टीम में फैजान खान,अदनान रजा खान ,सुभान रजा, रोहन रजा ,समी खान, सुभान अल्वी, तौकीर, अफान, मन्नू बैग, रजवाल खान ,हाजी रियाजत नूर खान,अनवर खान ,डॉक्टर एस नूर खान ,दिलशाद खान, अमानत खान ,डॉक्टर नाजिम, इसाक खान उर्फ़ गुड्डू ,अमजद खान ,डॉक्टर फैज सहित दर्जनों लोगों ने लंगर में भाग लेकर शबाब हासिल किया है।

सम्पादकीय

समाज में उठ रही गंभीर चेतावनियां

पुणे में घटित केतन अग्रवाल हत्याकांड ने एक बार फिर भारतीय समाज की उन परतों को उधेड़ दिया है, जिन्हें देखते-समझते हुए भी अक्सर नजरें फ़ेर ली जाती हैं, क्योंकि हमें आदर्शवादी समाज का दिखावा बनाए रखना है। असीम संभावनाओं से भरे 26 साल के केतन अग्रवाल की हत्या उनकी मंगेतर सिया गोयल ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर कर दी। पुणे के पास लोहागढ़ के किले में ट्रेकिंग के बहाने सिया केतन को ले गई, उससे पहले अपने जन्मदिन का जश्न केतन के साथ मनाया और बाकायदा सोशल मीडिया पर उसे डाला भी। उन वीडियो को देखकर जरा सा अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि इस दौरान कितनी भयावह योजना उसके दिमाग में चल रही होगी। लोहागढ़ किले में जब केतन और सिया पहुंचे तो उनके साथ-साथ चेतन चौधरी भी पहुंचा, जिसके साथ मिलकर सिया ने केतन को ऊंचाई से धक्का दे दिया। इसके बाद सोशल मीडिया पर फिर पोस्ट डाली कि जन्मदिन पर तुम मुझे छोड़ कर चले गए। पहले पहल इसे सामान्य दुर्घटना मानकर सिया के लिए ही सबकी सहानुभूति उमड़ी कि नवंबर में इनकी शादी होनी थी, जिसके लिए दोनों परिवार जमकर तैयारी कर रहे थे। जयपुर में शाही अंदाज में शादी करवाने के लिए 17 करोड़ रूपयों में एक महल भी बुक करवा लिया गया था, लेकिन उससे पहले इतना बुरा हादसा हो गया। पुलिस ने जब इस दुर्घटना की जांच शुरु की तो कुछ अजीबोगरीब संयोगों पर नजर गई, जैसे शादी से पहले की फोटोग्राफी करवाने के लिए यह जोड़ा बाली जाने वाला था, और एक दिन पहले केतन का पासपोर्ट अचानक गुम हो गया। 14 जून को भी सिया और केतन लोहागढ़ ट्रेक पर गए थे, जहां केतन को सिया ने धक्का दिया था और उसने झाड़ी पकड़कर खुद को बचाया था, तब सिया ने कहा था कि उसने सांप देखा और केतन की जान बचाने के लिए घबराहट में उसे धक्का दिया। लेकिन 18 जून को जब यह जोड़ा फिर से लोहागढ़ ट्रेक पहुंचा तो इस बार उनके करीब ही एक युवक सर्दियों में पहने जाने वाली हुडी को पहना हुआ था और उसका चेहरा छिपा था, जबकि पुणे में अभी गर्मी ही है। पुलिस ने जब इन सारे तथ्यों की गहराई से पड़ताल की तो यह समझने में वक्त नहीं लगा कि यह सामान्य हादसा नहीं बल्कि सोची-समझी साजिश के तहत की गई हत्या थी। अब सिया पुलिस की गिरफ्त में है, केतन के घरवाले स्वाभाविक तौर पर उसके लिए कड़ी से कड़ी सजा की मांग कर रहे हैं। उनका एक ही सवाल है कि अगर किसी और से प्यार था और केतन से शादी नहीं करनी थी, तो पहले ही अपने घरवालों को मना कर देना था, इसके लिए हमारे बेटे को मारने की क्या जरूरत थी। ठीक ऐसा ही सवाल पिछले साल मेघालय में क्रूरता से मारे गए राजा रघुवंशी के घर वाले भी पूछ रहे थे। जब राजा से शादी करने के चंद दिनों बाद सोनम ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर उनकी हत्या कर दी थी। असल में इन्हें प्रेमी या प्रेमिका कहना प्रेम जैसे पवित्र भाव का अपमान करने जैसा है, ये अपराध में भागीदार होते हैं, इससे ज्यादा इन्हें और कुछ नहीं कहा जा सकता। क्योंकि जो प्रेम करेगा, वह अपने साथी को कभी गलत दिशा में कदम उठाने नहीं कहेगा। बहरहाल, इंदौर से लेकर पुणे तक अपने जीवनसाथी को मारने की घटनाएं समाज में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति को तो दिखाती ही हैं, साथ ही यह संकेत भी देती हैं कि एक बनी-बनाई लीक पर समाज को चलाने की कोशिश कई बार कितने भयावह परिणाम लाती है। न जाने क्यों भारतीय समाज में अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुनने या किसी से प्यार करने के बाद शादी करने को हिकारत से देखा जाता है। आज के दौर में भी बहुत से अभिभावक यह कहने से हिचकते हैं कि उनकी बेटी या बेटे ने अपनी मर्जी से जीवनसाथी चुना है। पितृसत्तात्मक समाज बेटे की पसंद को एक बार सहजता से स्वीकार कर भी ले, लेकिन अधिकतर घरों में बेटियां खुलकर जीवनसाथी के लिए अपनी मर्जी का इजहार कर ही नहीं पाती हैं।

भरोसे के रिश्तों के कत्ल से कांपता समाज

पुणे के लोहगढ़ किले की ऊंची पहाड़ी से मंगेतर केतन अग्रवाल को धक्का देकर हत्या करने के आरोप में सिया गोयल की गिरफ्तारी ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इससे पहले मेघालय में इंदौर के राजा रघुवंशी की हनीमून के दौरान कथित तौर पर पत्नी सोनम रघुवंशी द्वारा प्रेमी के साथ मिलकर की गई हत्या की घटना ने भी समाज को स्तब्ध किया था। ये घटनाएं केवल अपराध की श्रेणी में रखकर भुला देने योग्य नहीं हैं। ये उन मूल्यों, विश्वासों और रिश्तों की बुनियाद पर गहरा आघात हैं, जिन पर भारतीय समाज सदियों से खड़ा रहा है। भारतीय संस्कृति में विवाह केवल दो व्यक्तियों का संबंध नहीं, बल्कि दो परिवारों, दो संस्कृतियों और दो जीवन-दृष्टियों का मिलन माना गया है। विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा गया है। ऐसे में यदि कोई पति, पत्नी, मंगेतर या प्रेमी एक-दूसरे को जीवन का साथी मानने के बजाय बाधा और कंाटा समझने लगे, तो यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के संकट का संकेत है। राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है? इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं। संवाद के अभाव में यह द्वंद्व कई बार मानसिक तनाव, विद्रोह और हिंसा का रूप ले लेता है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने श्रद्धा वालकर हत्याकांड, निक्की यादव हत्याकांड, बेंगलुरु, दिल्ली और अन्य महानगरों में प्रेम-संबंधों से जुड़े अनेक जघन्य अपराध देखे हैं। इन घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि प्रेम, विवाह और संबंधों को लेकर समाज में गहरी अस्थिरता एवं अविश्वास बढ़ रहा है। यह अस्थिरता केवल स्त्री या पुरुष तक सीमित नहीं है, दोनों पक्षों में हिंसक प्रवृत्तियां दिखाई दे रही हैं। मोबाइल संस्कृति और डिजिटल संसार ने इस संकट को और जटिल बनाया है। मोबाइल फोन, जो कभी दूरियों को समाप्त करने का माध्यम था, आज अनेक मामलों में षडयंत्र, छल और अपराध का साधन बनता जा रहा है। सोशल मीडिया ने तुलना, उपभोगवाद, त्वरित सुख और आभासी संबंधों को बढ़ावा दिया है। डिजिटल दुनिया में बने रिश्ते कई बार वास्तविक जीवन की जिम्मेदारियों और मर्यादाओं से कटे होते हैं। परिणामस्वरूप धैर्य, सहनशीलता और त्याग जैसी पारिवारिक जीवन की आवश्यक विशेषताएं कमजोर पड़ रही हैं। एक अन्य गंभीर पक्ष सांप्रदायिक अविश्वास और तथाकथित 'लव जिहाद' जैसे विवादों के संदर्भ में भी सामने आता है। जब प्रेम, विवाह या संबंधों का उपयोग छल, पहचान छिपाने, धार्मिक परिवर्तन, आर्थिक शोषण अथवा भावनात्मक उत्पीड़न के लिए किया जाता है, तब केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समुदायों के बीच विश्वास का भी हनन होता है। यह आवश्यक है कि किसी भी प्रकार के संबंध पारदर्शिता, स्वेच्छा, समानता और ईमानदारी पर आधारित हों। पहचान छिपाकर, धोखे से अथवा किसी वैचारिक एजेंडे के तहत बनाए गए संबंध सामाजिक सौहार्द को चोट पहुंचाते हैं। लेकिन इस विषय पर संतुलित दृष्टिकोण भी आवश्यक है। कुछ घटनाओं के आधार पर किसी सम्पूर्ण समुदाय को दोषी ठहराना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सामाजिक सद्भाव के लिए भी घातक है। भारत की

राजा रघुवंशी और केतन अग्रवाल जैसे मामलों में सबसे अधिक विचलित करने वाला पक्ष यह है कि हत्याएं उन लोगों ने कीं, जिन पर सबसे अधिक विश्वास किया गया था। विश्वास का यह टूटना ही समाज को भयभीत करता है। किसी भी सभ्यता की शक्ति उसकी सैन्य या आर्थिक ताकत नहीं, बल्कि उसके रिश्तों में निहित भरोसा होता है। जब यह भरोसा टूटने लगता है, तब समाज भीतर से कमजोर होने लगता है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि कोई युवती या युवक किसी रिश्ते से संतुष्ट नहीं है, तो क्या उसके सामने 'ना' कहने का विकल्प नहीं था? आधुनिक समाज ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पर्याप्त स्थान दिया है। सगाई तोड़ना, विवाह से इनकार करना, आपसी सहमति से अलग होना-ये सभी वैधानिक और सामाजिक विकल्प उपलब्ध हैं। फिर हत्या जैसी भयावह मानसिकता क्यों जन्म ले रही है? इस प्रश्न का उत्तर केवल कानून या पुलिस के पास नहीं है। इसके लिए समाजशास्त्रियों, मनोवैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, धर्माचार्यों और परिवार संस्थाओं को मिलकर मंथन करना होगा। आज का युवा एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां पारंपरिक मूल्य और आधुनिक जीवनशैली के बीच गहरा द्वंद्व मौजूद है। एक ओर परिवार की अपेक्षाएं हैं, दूसरी ओर व्यक्तिगत इच्छाएं।

शक्ति उसकी विविधता और सांप्रदायिक सौहार्द में निहित है। सदियों से विभिन्न धर्मों, जातियों और संस्कृतियों के लोग यहां पारस्परिक सम्मान और विश्वास के आधार पर साथ रहते आए हैं। अतः किसी भी अपराध को अपराधी की व्यक्तिगत जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए, न कि पूरे समुदाय की पहचान के रूप में। हमें प्रेम के नाम पर छल का विरोध करना चाहिए, लेकिन साथ ही सामाजिक सौहार्द और मानवीय एकता को भी अक्षुण्ण रखना होगा। आज सबसे बड़ी चुनौती परिवार संस्था को पुनः सशक्त बनाने की है। संयुक्त परिवारों के विघटन, महानगरीय जीवन, एकाकीपन और अत्यधिक व्यस्तता ने परिवार के भीतर संवाद को कम कर दिया है। माता-पिता और बच्चों के बीच संवादहीनता बढ़ रही है। बच्चों को भौतिक सुविधाएं तो मिल रही हैं, लेकिन भावनात्मक सुरक्षा और मूल्यपरक संस्कार कम होते जा रहे हैं। विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में केवल रोजगारपरक शिक्षा पर्याप्त नहीं है। वहां जीवन-कौशल, नैतिक शिक्षा, भावनात्मक संतुलन, संबंध प्रबंधन और पारिवारिक मूल्यों पर भी गंभीर कार्य होना चाहिए। युवा पीढ़ी को यह समझाना होगा कि प्रेम का अर्थ अधिकार नहीं-उत्तरदायित्व है, संबंध का अर्थ उपभोग नहीं-समर्पण है और मतभेद का समाधान हिंसा नहीं-संवाद है। धर्म और आध्यात्मिक संस्थाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी धर्म प्रेम, करुणा, सत्य, अहिंसा और सह-अस्तित्व का संदेश देते हैं। यदि धार्मिक संस्थाएं युवा पीढ़ी को मानवीय मूल्यों, आत्मसंयम और संवाद की संस्कृति से जोड़ें, तो अनेक सामाजिक विकृतियों को रोका जा सकता है। आचार्य तुलसी, आचार्य महाप्रज्ञ, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जैसे चिंतकों ने सदैव चरित्र, नैतिकता और आत्मानुशासन को समाज की आधारशिला माना। पुणे और मेघालय की घटनाओं ने हमें चेतावनी दी है कि यदि हम अभी नहीं चेते, तो रिश्तों का संकट और गहरा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि हम परिवार, समाज और राष्ट्र-तीनों स्तरों पर विश्वास की पुनर्स्थापना का अभियान चलाएं। परिवारों में संवाद बढ़े, युवाओं को निर्णय की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी का बोध कराया जाए, डिजिटल संस्कृति पर संयम हो और सामाजिक-सांप्रदायिक सौहार्द को मजबूत बनाया जाए। सभ्यता की पहचान ऊंची इमारतों, तकनीकी प्रगति और आर्थिक समृद्धि से नहीं होतीय उसकी पहचान इस बात से होती है कि वहां लोग एक-दूसरे पर कितना भरोसा करते हैं। यदि भरोसा टूट गया, तो समाज की आत्मा घायल हो जाएगी। इसलिए आज का सबसे बड़ा राष्ट्रीय दायित्व है-रिश्तों के भरोसे को बचाना, मानवीय संवेदनाओं को पुनर्जीवित करना और प्रेम, विश्वास तथा सौहार्द की उस परंपरा को मजबूत करना, जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है। आज भारतीय समाज जिस संक्रमणकाल से गुजर रहा है, उसमें रिश्तों का संकट केवल पति-पत्नी अथवा प्रेम-संबंधों तक सीमित नहीं रह गया है। एक ओर पुणे और मेघालय जैसी घटनाएं भरोसे के रिश्तों की हत्या कर रही हैं, तो दूसरी ओर प्रशासनिक लापरवाही के कारण अस्पतालों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर आगजनी एवं दुर्घटनाओं में मासूमों की मौतें व्यवस्था के प्रति जनता के विश्वास को तोड़ रही हैं। सांप्रदायिक तनाव, धार्मिक कट्टरता, पहचान छिपाकर बनाए जाने वाले संबंध, प्रेम के नाम पर छल और शोषण जैसी घटनाएं भी सामाजिक सौहार्द की नींव को कमजोर कर रही हैं। भौतिकता, उपभोक्तावाद और अंधी प्रतिस्पर्धा की आंधी ने संयम, सादगी, त्याग और पारिवारिक मर्यादाओं जैसे जीवन-मूल्यों को हाशिए पर धकेल दिया है। वहीं नशे का बढ़ता प्रचलन, शराब और मादक पदार्थों की लत युवा पीढ़ी को परिवार और समाज से काटकर हिंसा, अपराध और संवेदनहीनता की ओर ले जा रही है। जब समाज में व्यक्ति अपने स्वार्थ, वासना और तात्कालिक सुख को ही सर्वोच्च मानने लगे, तब रिश्ते साधना नहीं, सौदे बन जाते हैं। ऐसी स्थिति में आवश्यक है कि परिवार, शिक्षा, धर्म, मीडिया और शासन-सभी मिलकर मानवीय मूल्यों, पारदर्शिता, संवाद, नैतिकता और पारस्परिक सम्मान की संस्कृति को पुनर्जीवित करें। क्योंकि यदि मानवीय रिश्तों की बुनियाद ही हिल गई, तो न केवल परिवार टूटेंगे, बल्कि सामाजिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता और सभ्यता का पूरा ढांचा भी संकट में पड़ जाएगा। **–ललित गर्ग**

भारतीय राजनीति में आपरेशन तलाक! तलाक!! तलाक!!!

पंकज शर्मा 'तरुण'

तीन तलाक मुस्लिम पति-पत्नी के लिए प्रचलन में था। आपसी समझ न बनने पर दोनों में से कोई एक अगर तीन बार तलाक कह देता था तो तलाक माना जाता था। आश्चर्य तो तब हुआ जब इसका दुरुपयोग मोबाइल फोन पर भी होने लगा। एसएमएस या कॉल पर तलाक बोलते ही रिश्ता खत्म! हालांकि अब इसे कानून बनाकर प्रतिबंधित कर दिया गया है, फिर भी इसके दुरुपयोग की खबरें आए दिन सुनने में आती रहती हैं। इसका एक नया रूप हमारे देश के लोकतंत्र में दिखाई देने लगा है। जिसे ऑपरेशन लोटस, ऑपरेशन टाइगर,ऑपरेशन गिरगिट और न जाने कैसे-कैसे नामों से पुकारा जाता है। सबसे पहले कट्टर ईमानदार पार्टी 'आप' के सात सांसदों ने अरविंद केजरीवाल को तीन बार तलाक कहकर नए ख़ाविंद को चुन लिया। तभी से दूसरे राज्यों के सांसदों में भी बगावत के सुर गूंजने लगे। फिर पश्चिम बंगाल में जैसे ही ममता मैडम के पाप का घड़ा फूटा, टीएमसी के सांसद राघव चड्ढा के पदचिह्नों पर चलकर दीदी से किनारा कर गए। एनडीए को बैठे-बिठाए सांसद मिलने लगे। टीएमसी का अर्थ तलाक मान्य कंपनी हो गया। ममता दीदी कांग्रेस की गोद में बैठने को आतुर हुईं तो सोनिया गांधी ने गले लगाकर कान में कहा-'लौट के बुद्धू घर को आए, स्वागत है'। मुसीबत में विदेशी महिला भी स्वदेशी लगने लगी।

अभिषेक इनका भतीजा है। वो खुद को अभिषेक बच्चन समझकर पार्टी के सीनियर्स को अपमानित करता था,ऐसी दलील बाद में उन बेवफाओं ने दी जो अब एनडीए के मुरीद होकर सत्ता की मलाई चाटने को आतुर हैं। अब इन बेवफाओं की आखिर ऐसी क्या मजबूरी रही होगी कि ममता दीदी के चुनाव हारते ही उनके बगल में जा बैठे जिनको ये चुनाव परिणाम आने से पूर्व तक मोटी-मोटी, भद्दी गालियां दे रहे थे! शुभेंदु अधिकारी, जो पहले ही बेवफाई कर मुख्यमंत्री बने थे, इनको अपने करीब बुलाने में सफल हो गए। भ्रष्टाचार के दलदल से बचकर हेमंता विश्व सरमा बन बैठे! इनके देखा-देखी महाराष्ट्र के उद्धव ठाकरे की शिवसेना के सैनिक भी नैतिकता की सीमा पार कर दुश्मन के खेमे में चले गए। शायद इनके अंदर भी बेवफा होने का महान जज्बा पहले से ही अंकुरित हो चुका था, जो इन मानसूनी हवाओं से प्रभावित होकर विशाल पेड़ बनने लगा। उद्धव ठाकरे पर शिंदे सरकार भारी पड़ गई। जो बाकी तीन-चार बचे हैं, वे भी कब तलाक दे दें? कोई भरोसा नहीं! लोकतंत्र का यह नव-स्वरूप मुझे तो अच्छा लगा। वो इसलिए कि हर व्यक्ति को अपना वर-वधू चुनने का पूर्ण अधिकार है। यदि दंपत्ति में आपस में नहीं पट रही है, या एक-दूसरे से मन भर गया हो, या उसकी कमजोरी सामने आ गई हो तो तलाक का हक तो बनता ही है! यह नैसर्गिक नियम भी है। वन्य जीवों में भी अपने जीवनसाथी के लिए आपसी संघर्ष की घटनाएं देखी-सुनी गई हैं, जिसमें कमजोर या तो हार मान लेता है या जान से हाथ धो बैठता है। हमारे देश में भी जंगल खत्म करने के ठेके सरकार दे ही रही है तो यह नियम राजनैतिक जंगल में भी लागू हो रहा है। फिर जलने वालों की जलन क्यों बढ़ने लगी है? राहुल गांधी को तो यह सत्ता के तथाकथित प्रवक्ता पहले ही पप्पू बनाकर मलाई चाटने, तलवे चाटने में मशगूल हैं! दो हजार सैंतालीस तक तो लगता है पूरा देश विपक्ष से मुक्ति पा ही जाएगा! विपक्ष के नेताओं को मेरा तो यही सुझाव है कि या तो आप भी पाला बदल लो या फिर नेतागिरी छोड़कर कोई और धंधा कर लो। जैसे हथियारों की दलाली, सीमेंट फैक्ट्री, लोहे के कारखाने, सड़कों की ठेकेदारी, रेलवे लाइन बनाने, प्लेटफार्म बनाने, पुल-ब्रिज निर्माण, मंदिरों में ट्रस्टी बन जाओ, कोचिंग संस्थान, प्राइवेट यूनिवर्सिटी, मेडिकल-इंजीनियरिंग कॉलेज आदि जिनमें अच्छी-खासी कमाई हो! यहाँ आप पूरी तरह सुरक्षित हैं, आपको कोई भी तलाक! तलाक!! तलाक!!! नहीं कहेगा।

सेहत मंत्र

मुंह–फ़ेफड़े के कैंसर से लेकर हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ाता हैं तंबाकू का सेवन

तंबाकू के मुंह के रोग-ओरल कैंसर और धूम्रपान को फ़ेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण माना जाता है। लेकिन इसका जोखिम यहीं तक सीमित नहीं रहता है। लेकिन तंबाकू और धूम्रपान आपके संपूर्ण शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। वहीं गड़बड़ लाइफस्टाइल और खान-पान से संबंधित दिक्कतों के कारण गंभीर और क्रॉनिक बीमारियां होती हैं। लेकिन जिस आदत की वजह से स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है, वह तंबाकू और धूम्रपान की आदत है। तंबाकू स्वास्थ्य के लिए गंभीर नुकसानदायक हो सकता है। यह शरीर के हर अंग को नुकसान पहुंचाता है। वहीं कई अध्ययन से यह पता चलता है कि तंबाकू का सेवन असमय मृत्यु का कारण है। वहीं देश की एक बड़ी आबादी खासकर युवा इसका शिकार हो रहे हैं। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें, तो आमतौर पर तंबाकू और धूम्रपान के कारण हार्ट अटैक और मस्तिष्क संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको तंबाकू की वजह से होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में बताने जा रहे हैं। धूम्रपान के रूप में तंबाकू फ़ेफड़ों और श्वसन तंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाता है। इससे फ़ेफड़ों के कैंसर होने की संभावना 15 गुना तक बढ़ जाती है। वहीं जो लोग धूम्रपान करते हैं, उनमें सीओपीडी रोग होने का खतरा अधिक रहता है। यह फ़ेफड़ों की एक गंभीर बीमारी है, इसमें सांस लेने में दिक्कत होने लगती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक 90% फ़ेफड़ों के कैंसर के मामलों के लिए धूम्रपान की आदत को मुख्य कारक माना जाता है। खैनी, बीड़ी और गुटखा जैसी चीजें मुंह की बीमारियों से लेकर ओरल कैंसर के खतरे को कई गुना तक बढ़ा देती है। जो लोग तंबाकू चबाते हैं, उनके मुंह में कैंसर होने का खतरा हो सकता है। तंबाकू में मौजूद तत्व निकोटीन मसूड़ों और दांतों को कमजोर करता है। वहीं इससे पायरिया का खतरा भी बढ़ा सकता है। भारत में मुंह का कैंसर सबसे आम कैंसर में से एक है।

धर्म मंत्र

सृष्टि का सृजन और समय पर उसका संहार दोनों भगवान रुद्र के ही कार्य हैं

शैवगाम के अनुसार भगवान रुद्र के आठवें स्वरूप का नाम हर है। भगवान हर को सर्पभूषण कहा गया है। इसका अभिप्राय यह है कि मंगल और अमंगल सब कुछ ईश्वर शरीर में है। समय पर सृष्टि का सृजन और समय पर उसका संहार दोनों भगवान रुद्र के ही कार्य हैं। भगवान हर अपनी शरण में आने वाले भक्तों को आधिभौतिक, आधिदैविक, आध्यात्मिक तीनों प्रकार के तपों से मुक्त कर देते हैं। इसलिए भगवान रुद्र का हर नाम भी सार्थक है। इनका पिनाक अपने भक्तों को अभय करने के लिए सदैव तत्पर रहता है। जब भगवान शंकर के पुत्र स्कन्द ने तारकासुर को मार डाला, तब उसके तीनों पुत्रों को महान संताप हुआ। उन्होंने मेरु पर्वत की एक कंदरा में जाकर हजारों वर्षों तक तपस्या करके ब्रह्माजी को प्रसन्न किया। ब्रह्माजी ने उन तीनों के वर मांगने पर उनके लिए स्वर्ण, चांदी और लौह के अजेय नगर का निर्माण करने के लिए मय दानव को आदेश दिया। इस प्रकार मय ने अपने तपो बल से तारकाक्ष के लिए स्वर्णमय, कमलाक्ष के लिए रजतमय और विद्युन्माली के लिए लौहमय? तीन प्रकार के उत्तम दुर्ग तैयार कर दिये। इन पुरों का भगवान हर के अतिरिक्त कोई भेदन नहीं कर सकता था। ब्रह्माजी के वरदान एवं शिवभक्ति के प्रभाव से तीनों असुर अजेय होकर देवताओं के लिए संतापकारी हो गये। इंद्रादि देवता उनके अत्याचार से पीड़ित होकर भटकने लगे।

पर्यटन

प्रकृति, शांति और रोमांच का संगम है पार्वती घाटी में बसा कसोल

हिमाचल प्रदेश की पार्वती घाटी में बसा कसोल एक छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत पर्यटन स्थल है, जो खासकर युवाओं, ट्रेकिंग प्रेमियों और विदेशी पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। समुद्र तल से लगभग 1,580 मीटर की ऊँचाई पर स्थित कसोल को ‟भारत का मिनी इज़राइल" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ बड़ी संख्या में इज़राइली पर्यटक आते हैं और यहाँ की संस्कृति में उनका प्रभाव देखा जा सकता है। कसोल एक शांत और सुरम्य गाँव है, जो पार्वती नदी के किनारे स्थित है। यहाँ का वातावरण बेहद शांत, स्वच्छ और ठंडा होता है। ऊँचे पहाड़, घने देवदार के जंगल, कलकल बहती पार्वती नदी और रंग-बिरंगे कैफ़े इस स्थान को बेहद आकर्षक बनाते हैं। यह तेज बहाव वाली नदी कसोल की जान मानी जाती है। इसके किनारे टहलना, चट्टानों पर बैठकर मन को शांति देना और फोटोग्राफी करना पर्यटकों को बहुत पसंद आता है। कसोल से थोड़ी दूरी पर स्थित ये गाँव अपने प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध हैं। मणिकरण में गर्म पानी के झरने और गुरुद्वारा प्रमुख आकर्षण हैं, जबकि तोश ट्रेकिंग प्रेमियों का पसंदीदा गाँव है। कसोल से लगभग 30 मिनट की पैदल दूरी पर स्थित यह छोटा गाँव ट्रेकिंग और कैम्पिंग के लिए आदर्श है। यहाँ आप स्थानीय संस्कृति को करीब से जान सकते हैं। कसोल में कई इज़राइली कैफ़े और रेस्तराँ हैं जहाँ आप फलाफल, शाकशूका, हुम्मस आदि विदेशी व्यंजनों का आनंद ले सकते हैं।

कैसे पहुँचे कसोल- हवाई मार्गः निकटतम हवाई अड्डा भुंतर (कुल्लू) है, जो कसोल से लगभग 31 किमी दूर है। रेल मार्गः निकटतम रेलवे स्टेशन जोगिंदरनगर है, लेकिन सड़क मार्ग से पहुँचना अधिक सुविधाजनक है। सड़क मार्गः दिल्ली, चंडीगढ़ और मनाली से कसोल तक नियमित बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। कसोल एक ऐसा गंतव्य है जहाँ आप भीड़भाड़ से दूर प्रकृति के साथ एक गहरा रिश्ता बना सकते हैं।

जिले भर में अकीदत से निकले दसवीं मुहर्रम के ताजिया जुलूस, अमन-चैन की दुआ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

बाराबंकी। मसौली, बेलहरा, सिरौलीगौसपुर सहित जिले के विभिन्न क्षेत्रों में दसवीं मुहर्रम पर हजरत इमाम हुसैन (रज़ि.) और कर्बला के शहीदों की याद में ताजिया जुलूस अकीदत और गमगीन माहौल में निकाले गए। नौहाख्वानी, मातम और 'या हुसैन' की सदाओं के बीच ताजियों को कर्बला में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जगह-जगह सबील लगाई गई और देश में अमन-चैन की दुआ मांगी गई। जुलूसों के दौरान सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहे। ''सिरौलीगौसपुर'' तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत किंतूर में दुलदुल के साथ सैकड़ों ताजिया और अलम का जुलूस निकाला गया। 'या हुसैन-या हुसैन' के नारों के साथ नौहा-ख्वानी और मर्सिया पढ़ते हुए यह जुलूस कर्बला पहुंचा। यहां सभी ताजियों को सुपुर्द-ए-खाक किया गया।जुलूस के दौरान मखदूम शाह मजार पर सबील का आयोजन किया गया। यहां हजारों लोगों ने शरबत और ठंडा पानी ग्रहण किया।सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा। उप जिलाधिकारी अनिल कुमार सरोज और तहसीलदार बालेन्दु भूषण वर्मा सहित विभिन्न थानों के प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ जुलूस में मौजूद रहे पूरे क्षेत्र में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया था।तहसील क्षेत्र के मरकामऊ, कटका, शहरी खुर्दमऊ,करौरा और सैदनपुर सहित दर्जनों ग्राम पंचायतों में भी दोपहर बाद से ताजिया के जुलूस निकाले गए। शाम तक सभी ताजिया कर्बला पहुंचे और देर शाम तक उन्हें दफन कर दिया गया।जुलूस के दौरान जगह-जगह लोगों द्वारा शरबत और पानी की व्यवस्था की गई थी। अकीदतमंदों ने देश में अमन-चैन और शांति के लिए दुआएं मांगीं। ''सूरतगंज''मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दसवीं मोहर्रम(आशुरा)का जुलूस पूरी अक़ीदत और गमगीन माहौल के साथ निकाला गया।देरशाम कर्बला में 874 ताजियों को गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। जुलूस में या अली, या हुसैन या हुसैन की गूंज दिनभर सुनाई दी। शुक्रवार को कस्बा सहित इलाके के मोहम्मदपुर दखाला, लालपुर करौता,झंझरा, दुर्गापुर नौबस्ता,साई तकिया,भगहर झील, मीरपुर, सुधियामऊ,बेलहरा, बुढ़ानापुर,बेलहरा, भटुआमऊ,छेदा आदि गांवो में मोहर्रम पर्व शांति एवं अकीदत के साथ मनाया गया।कस्बें में ताजियों का जुलूस अपने निर्धारित समय से शुरू हुआ,जो शहबजादेपुरवा व घोसिनपुरवा से ताजियों के साथ में लेकर राजा किला के पास पहुचा उसके बाद फूलपुर,नई दुनिया, बरैय्या,रिछली, रिछला,पूरनपुर की ताजिए आने के बाद जूलूस कर्बला की ओर जाने के लिए मैन बाजार होते हुए छः बजे रामलीला मैदान पहुँचा जो देर शाम को कर्बला पहुंचा, जहां पर ताजिए सुपुर्द ए ख़ाक किए गए।इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था में एसएचओ अमित सिंह भदौरिया, अतिरिक्त इस्पेक्टर वीर सिंह, मुस्तकीम अहमद,कस्बा इंचार्ज उमेश वर्मा,सिपाही अभिनव गुप्ता आदि भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

अवैध मिट्टी खनन पर छापा, लोडर व ट्रैक्टर-ट्रॉली सीज

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। पूरे मनी मजरे तिवारी गांव में राजस्व विभाग ने अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक लोडर और ट्रैक्टर-ट्रॉली को सीज कर दिया। एसडीएम अनुराग सिंह के निर्देश पर नायब तहसीलदार उमेश द्विवेदी ने छापेमारी की। मौके पर बिना नंबर प्लेट का लोडर मिट्टी खोदता मिला, जबकि चालक खनन संबंधी कोई वैध अनुमति या दस्तावेज नहीं दिखा सका।

हत्या के प्रयास में तीन आरोपित गिरफ्तार, वारदात में प्रयुक्त कुल्हाड़ी बरामद

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में थाना रक्सा पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है। गिरफ्तारी के बाद तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की विधिक कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई जिले में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार थाना रक्सा में दर्ज मुकदमा संख्या 130/2026 धारा 352(2), 115(1) एवं 109 बीएनएस के अंतर्गत जयचंद रायकवार, पवन रायकवार तथा मुन्ना रायकवार, निवासी ग्राम अठौंदना, थाना रक्सा को गिरफ्तार किया गया।

लखनऊ में संदिग्ध हालात में बाराबंकी के मजदूर की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर । बाराबंकी कोठी थाना क्षेत्र के उस्मानपुर गांव निवासी जितेंद्र कुमार भारती (30) पुत्र सोहनलाल भारती की लखनऊ में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका शव इंदिरा नहर के पास एक अर्धनिर्मित भवन के नीचे मिला। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के अनुसार, जितेंद्र करीब छह वर्ष पहले लखनऊ के अनौरा गांव निवासी निशा भारती से प्रेम विवाह किया था। दोनों के एक बेटा और एक बेटी हैं। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद रहता था। मृतक की मां ने बताया कि दो दिन पहले संग्राम नाम के एक व्यक्ति का फोन आया था, जिसने जितेंद्र को लखनऊ बुलाकर फैक्ट्री में काम दिलाने की बात कही थी। उनकी बहू निशा भारती ने भी उसे लखनऊ आने के लिए कहा था। इसके बाद बुधवार को जितेंद्र घर से लखनऊ के लिए रवाना हुआ।

शुक्रवार को इंदिरा नहर के पास एक अर्धनिर्मित भवन के नीचे उसका शव मिलने की सूचना परिवार को मिली। परिजनों का आरोप है कि जितेंद्र की हत्या करने के बाद उसका शव छत से नीचे फेंका गया है। फिलहाल लखनऊ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। मृतक पांच भाइयों में से एक था। सभी भाई अलग-अलग स्थानों पर मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

नाजिया इलाही खान पर कार्रवाई की मांग, मुख्यमंत्री से की शिकायत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी ग्राम पंचायत कोठी की पूर्व प्रधान माहेजबी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से शिकायत कर सोशल मीडिया पर इस्लाम धर्म के अंतिम पैगंबर हजरत मोहम्मद और उनकी पत्नी हजरत आयशा सिद्दीकी के संबंध में कथित रूप से अपमान जनक टिप्पणी करने वाली नाजिया इलाही खान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पूर्व प्रधान का आरोप है कि इस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणियां धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती हैं और समाज में आपसी सौहार्द व शांति व्यवस्था को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला कृत्य न कर सके।

रेलवे ट्रैक किनारे मिला क्षत-विक्षत शव

रामनगर, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। बुढ़वल रेलखंड पर रेलवे ट्रैक के पास गुरुवार देर रात एक व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ। आरपीएफ टीम ने तलाश के दौरान शव को झाड़ियों से बरामद किया। मृतक की पहचान खेतौरा गांव निवासी 55 वर्षीय मैनेजर सिंह के रूप में हुई। प्रथम दृष्टया ट्रेन की चपेट में आने से मौत की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

विहिप-बजरंग दल की बैठक, संगठन विस्तार पर चर्चा

निंदूरा, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। टिकैतनगर स्थित विहिप कार्यालय में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की बैठक विभाग संगठन मंत्री इंद्रेश के नेतृत्व में हुई। बैठक में आगामी पर्वों, संगठनात्मक गतिविधियों, अखंड भारत संकल्प दिवस, हुतात्मा दिवस (रक्तदान) और सामाजिक समरसता सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। संगठन पदाधिकारियों ने अन्य समसामयिक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया।

बिजली आपूर्ति बहाल करने पहुंचे संविदा लाइनमैन से मारपीट ग्राम प्रधान पर मुकदमा

रामसनेहीघाट, बाराबंकी। बिजली आपूर्ति बहाल करने पहुंचे संविदा लाइनमैन के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने ग्राम प्रधान के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने और मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। लाइनमैन ने आरोप लगाया कि अतिरिक्त कनेक्शन जोड़ने से इनकार करने पर उनके साथ मारपीट की गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, चालक फरार

रामसनेहीघाट, बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग पर बिजली पावर हाउस के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से 65 वर्षीय मैकूलाल पाल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार करते हुए अंतिम संस्कार कर दिया।

सड़क हादसे में वृद्ध की मौत

रामसनेहीघाट बाराबंकी कैनविज टाइम्स संवाददाता। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र में लखनऊ-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग बिजली पावर हाउस के पास शुक्रवार भोर सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई।टक्कर मारने के बाद वाहन चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया।मृतक की पहचान मैकूलाल पाल उम्र करीब (65) वर्ष निवासी ग्राम बनीकोडर बताया गई।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अपने खेत जा रहे थे।उसी समय किसी अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।मृतक के बड़े पुत्र बचन लाल पाल ने बताया कि पोस्टमार्टम नहीं कराया और अंतिम संस्कार कर दिया।

बाजार से लौट रहे चाचा-भतीजे का अपहरण, पेड़ से बांधकर दबंगों ने बेरहमी से पीटा

देहात कोतवाली के प्रतापगंज चौकी क्षेत्र की घटना, नामजद आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

सुल्तानपुर। देहात कोतवाली क्षेत्र की प्रतापगंज पुलिस चौकी अंतर्गत चाचा-भतीजे के साथ मारपीट और अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोप है कि 24 जून की सुबह अहिमाने बाजार से घर लौटते समय दबंगों ने दोनों को जबरन अगवा कर लिया और घर ले जाकर पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटा। घटना के बाद पीड़ितों में दहशत का माहौल है। पीड़ित पक्ष के अनुसार, बाजार से वापस लौटते समय पहले से घात लगाए बैठे नामजद आरोपियों ने रंजिशन रास्ता रोक लिया। इसके बाद दोनों को जबरन अपने साथ ले गए और पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से मारपीट की। किसी तरह दोनों के छूटने पर परिजनों को घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस से शिकायत की गई। देहात कोतवाली पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाल धर्मवीर सिंह बोले एससी एसटी एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया मुकदमा।

युवक की संदिग्ध मौत, परिजनों ने हत्या का लगाया आरोप, पुलिस बोली- शराब और धूप बनी मौत की वजह

झांसी । उत्तर प्रदेश के झांसी में बड़ागांव थाना क्षेत्र के बावलटांडा गांव में एक 36 वर्षीय युवक का शव घर के बाहर चबूतरे पर मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान कल्याण अहिरवार के रूप में हुई है। परिजनों ने जमीन विवाद के चलते हत्या का आरोप लगाया है, जबकि पुलिस प्रथमदृष्टया अत्यधिक शराब पीने और धूप में लंबे समय तक पड़े रहने से मौत होने की बात कह रही है। मामले की जांच जारी है। मृतक की मां रामकुमारी ने बताया कि 24 जून को गांव के दो लोग कल्याण को अपने साथ घर ले गए थे, जहां उसे शराब पिलाई गई। रात में जब वह बेटे को लेने पहुंचीं तो आरोपियों ने थोड़ी देर में भेजने की बात कही। अगले दिन सुबह भी कल्याण उनके साथ ही था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और आरोपियों ने स्वयं पुलिस को बुलाकर गाली-गलौज की शिकायत की। पुलिस समझाकर लौट गई। रामकुमारी का आरोप है कि इसके बाद दोनों लोगों ने उनके बेटे की हत्या कर शव घर के बाहर चबूतरे पर फेंक दिया। शाम को जब वह बकरी चराकर लौटीं तो बेटे का शव देखकर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर झांसी में रहने वाले बड़े बेटे करण अहिरवार भी गांव पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। करण ने बताया कि उनके पिता नारायण दास और चाचा शिव सिंह के नाम करीब 22 वर्ष पहले चार बीघा भूमि का पट्टा हुआ था। उसी जमीन को लेकर दो लोगों से विवाद चल रहा था और मामला न्यायालय में भी विचाराधीन है। परिवार का आरोप है कि इसी रंजिश के चलते घटना को अंजाम दिया गया। बड़ागांव थाना प्रभारी बलराज शाही ने शुक्रवार को बताया कि प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार की मारपीट के साक्ष्य नहीं मिले हैं।

28 जून को होगा पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ

कैनविज टाइम्स संवाददाता

रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की शासी निकाय की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद में स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी एवं जनोन्मुखी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित कराया जाए, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके तथा गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की तथा निर्देशित किया कि पात्र बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। किसी भी स्तर पर पात्र लाभार्थी टीकाकरण से वंचित न रहें, इसके लिए विशेष अभियान चलाकर कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल देते हुए कहा कि सभी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने योजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में आशा कार्यकर्ताओं के कार्यों एवं उनके लंबित प्रोत्साहन भुगतान (इंसेंटिव) की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आशा कार्यकर्ताओं के इंसेंटिव का भुगतान समय से किया जाए तथा किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब न होने पाए। उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं और उनके भुगतान संबंधी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाना चाहिए। आगामी 28 जून से प्रारम्भ होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभियान के संबंध में जनजागरूकता बढ़ाने हेतु सभी उपलब्ध माध्यमों का उपयोग किया जाए, ताकि अधिक से अधिक बच्चों तक पोलियो रोधी दवा पहुंचाई जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बूथों की स्थापना, दवा की उपलब्धता, कार्मिकों की तैनाती एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। साथ ही 28 जून को आयोजित होने वाले बूथ दिवस की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाएं। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की निर्माणाधीन परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए तथा निर्माणाधीन परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण कराकर विभाग को हस्तांतरित कराया जाए, जिससे आमजन को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ समय से मिल सके। एम्बुलेंस सेवाओं की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने रिस्पॉन्स टाइम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की सफलता समय की उपलब्धता पर निर्भर करती है। यदि किसी भी स्तर पर एम्बुलेंस निर्धारित समय में मौके पर नहीं पहुंचती है अथवा लापरवाही की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसकी जांच कराकर संबंधित वेंडर एवं जिम्मेदार के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नवीन चंद्रा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अरविंद कुमार, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 अरुण कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

साढ़े चार माह से अधूरा पड़ा है निर्माणाधीन अंडरब्रिज का कार्य, ग्रामीणों में आक्रोश

एजेंसी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में इंगोहटा के पास रेलवे गेट संख्या 25 पर निर्माणाधीन अंडरब्रिज का कार्य ठेकेदार की लापरवाही के चलते पिछले साढ़े चार माह से अधूरा पड़ा है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ दिन पहले निर्माण कार्य दोबारा शुरू कराया गया था, लेकिन कम संख्या में मजदूर लगाकर ठेकेदार फिर काम बंद कर चला गया। इससे क्षेत्र के लोगों में भारी नाराजगी है।

ग्रामीणों ने शुक्रवार को बताया कि बरसात शुरू होने पर इंगोहटा-अतरा मुख्य मार्ग पूरी तरह बाधित हो सकता है। अधूरे निर्माण स्थल पर जलभराव होने से आवागमन ठप पड़ने की आशंका है। इससे किसानों और पशुपालकों को सबसे अधिक परेशानी होगी। खेतों तक ट्रैक्टर व अन्य वाहन नहीं पहुंच सकेंगे और मवेशियों को चरागाह तक ले जाना भी मुश्किल हो जाएगा। इंगोहटा समेत करीब आधा दर्जन गांवों का संपर्क प्रभावित होने की संभावना है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार के पास कई निर्माण कार्य होने के कारण वह इस परियोजना पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहा है। अन्य स्थानों की तरह यहां वैकल्पिक पक्का मार्ग भी उपलब्ध नहीं कराया गया है। केवल कच्चा रास्ता छोड़ा गया है, जो बारिश में दलदल में तब्दील हो जाता है और वाहन फंस जाते हैं। ग्रामीण अशोक मिश्र, राम अवतार साहू, राजू अनुरागी, राघवेंद्र सिंह, रमेश सिंह और सज्जन तिवारी सहित दर्जनों लोगों ने जिला प्रशासन और रेलवे अधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर निर्माण कार्य शीघ्र पूरा कराने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द काम शुरू नहीं हुआ तो आंदोलन किया जाएगा। वहीं सहायक मंडल अभियंता दीपक कुमार ने बताया कि दो-चार दिन में मजदूर वापस आ जाएंगे और निर्माण कार्य में तेजी लाकर अंडरब्रिज को जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा।

मोंठ पुलिस की त्वरित कार्रवाई से एटीएम ठगी के शिकार हरदास महाराज को मिले 1.53 लाख रुपये वापस

झांसी। उत्तर प्रदेश के मोंठ थाना क्षेत्र में एटीएम कार्ड बदलकर की गई ठगी के मामले में पुलिस और साइबर टीम की तत्परता से पीड़ित को बड़ी राहत मिली है। ऋषिकेश-हरिद्वार निवासी हरदास महाराज के बैंक खाते से निकाले गए 1.53 लाख रुपये पुलिस ने सफल कार्रवाई के बाद वापस उनके खाते में जमा करा दिए। जानकारी के अनुसार, हरदास महाराज कुछ दिन पूर्व मोंठ तहसील क्षेत्र में आयोजित एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। इसी दौरान अज्ञात ठगों ने चालाकी से उनका एटीएम कार्ड बदल लिया। कार्ड बदलने के बाद आरोपियों ने उनके बैंक खाते से कुल 1.53 लाख रुपये की निकासी कर ली। खाते से रकम निकलने की जानकारी होने पर हरदास महाराज ने तत्काल मोंठ थाने में शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही मोंठ पुलिस और साइबर टीम सक्रिय हो गई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, बैंकिंग लेन-देन और संदिग्ध खातों की जानकारी जुटाकर तेजी से जांच शुरू की। जांच के दौरान ठगी की गई राशि जिन खातों में पहुंची थी, उन्हें समय रहते होल्ड करा दिया गया, जिससे धनराशि आगे ट्रांसफर नहीं हो सकी। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने पूरी 1.53 लाख रुपये की राशि हरदास महाराज के बैंक खाते में वापस जमा करा दी। अपनी मेहनत की कमाई वापस मिलने पर हरदास महाराज ने मोंठ पुलिस और साइबर टीम की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यदि पुलिस समय रहते कार्रवाई नहीं करती, तो उनकी रकम वापस मिलना मुश्किल हो सकता था।

पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि एटीएम का उपयोग करते समय सतर्क रहें, किसी भी अजनबी की सहायता लेने से बचें और कार्ड बदलने या संदिग्ध गतिविधि का संदेह होने पर तुरंत बैंक तथा पुलिस को सूचना दें। अधिकारियों का कहना है कि साइबर अपराधों में त्वरित शिकायत और समय पर कार्रवाई से ठगी की रकम वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

मुनिता प्रजापति ने हाफ मैराथन का स्वर्ण पदक जीता, एशियाई खेलों का क्वालीफिकेशन हासिल करने से चूकीं

एजेंसी

भुवनेश्वर। उत्तर प्रदेश की अनुभवी धावक मुनिता प्रजापति ने शुक्रवार को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के तीसरे दिन भीषण गर्मी और उमस के बीच महिलाओं की हाफ मैराथन स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता लेकिन वह एशियाई खेलों का क्वालीफिकेशन स्तर हासिल नहीं कर पाईं। चौबीस साल की मुनिता ने 21.09 किमी की दूरी एक घंटा 45 मिनट पांच सेकेंड में पूरी की लेकिन वह भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा तय किए गए एशियाई खेलों के एक घंटे 37 मिनट 20 सेकेंड के क्वालीफाइंग स्तर से काफी पीछे रहीं। उनका निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन एक घंटा 39 मिनट 26 सेकेंड है जो उन्होंने इस साल फरवरी में चंडीगढ़ में हुई भारतीय पैदल चाल चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहते हुए हासिल किया था। उत्तर प्रदेश की ही रेशमा पटेल ने एक घंटा 45 मिनट 48 सेकेंड के समय के साथ रजत पदक जीता जबकि महाराष्ट्र की सेजल अनिल सिंह (एक घंटा 46 मिनट 31 सेकेंड) तीसरे स्थान पर रहीं। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए चुनी गईं हरियाणा की रवीना एक घंटा 48 मिनट 56 सेकेंड के समय के साथ चौथे स्थान पर रहीं। एएफआई द्वारा तय किया गया एशियाई खेलों का क्वालीफाइंग समय असल में उस राष्ट्रीय रिकॉर्ड (एक घंटा 39 मिनट 15 सेकेंड) से भी मुश्किल है जिसे रवीना ने फरवरी में चंडीगढ़ में भारतीय पैदल चाल चैंपियनशिप जीतने के दौरान हासिल किया था। मुनिता ने कहा, ''इस मौसम में क्वालीफाइंग समय हासिल करना मुमकिन नहीं है। यहां बहुत उमस और गर्मी है। ऐसा लग रहा था जैसे मेरी त्वचा जल रही हो। मुझे हर लैप के बाद खुद को पानी से भिगोना पड़ रहा था जिससे मेरा शरीर अकड़ जाता था लेकिन मैंने कोशिश की। सड़क ठीक है लेकिन थोड़ी ऊबड़-खाबड़ है। हम बेंगलुरु (साइ केंद्र) में भी इसी तरह की सड़क पर ट्रेनिंग करते हैं। स्पर्धा की शुरुआत के समय सुबह साढ़े पांच बजे भुवनेश्वर में तापमान लगभग 28 डिग्री सेल्सियस था और बादल छाए होने के बावजूद उमस 90 प्रतिशत से अधिक थी। उम्मीद है कि एशियाई खेलों की मेजबानी करने वाले जापान में भी 19 सितंबर से शुरू होने वाली प्रतियोगिता के दौरान काफी गर्मी और उमस होगी। मुनिता को उम्मीद है कि एएफआई की चयन समिति एशियाई खेलों की टीम चुनते समय यहां के हालात पर भी विचार करेगी। उन्होंने कहा, ''मैंने फरवरी में (भारतीय पैदल चाल चैंपियनशिप में) एक घंटा 39 मिनट 26 सेकेंड का समय भी निकाला है। मुझे उम्मीद है कि उस प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जाएगा। मुनिता विदेशी कोच रोनाल्ड वेइगेल, गुरमीत सिंह और प्रीति चौधरी की देखरेख में ट्रेनिंग करती हैं।

तुर्की ने अमेरिका को हराकर पहली जीत दर्ज की

एजेंसी

इंगलवुड (अमेरिका)। कान आयहान ने मैच की आखिरी किक पर गोल किया और तुर्की ने बृहस्पतिवार को यहां अमेरिका को 3-2 से हराकर विश्व कप में अपनी एकमात्र जीत दर्ज की। ऑस्टन ट्रस्टी ने तीसरे मिनट में गोल करके अमेरिका को बढ़त दिलाई लेकिन तुर्की ने आर्डा गुलेर (10वें मिनट) और बारिस अल्पर यिलमाज (31वें मिनट) के गोल की बदौलत स्कोर 2-1 कर दिया। अमेरिका ने 49वें मिनट में सबेस्टियन बरहाल्टर के गोल से बराबरी हासिल की लेकिन आयहान ने अंतिम लम्हों में गोल दागकर तुर्की की जीत सुनिश्चित कर दी। अमेरिकी टीम पहले ही पैराग्वे और ऑस्ट्रेलिया को हराकर ग्रुप डी जीतकर नॉकआउट में जगह बना चुकी थी। कोच मौरिसियो पोचेटिनो की टीम बुधवार को राउंड ऑफ 32 में बोस्निया और हर्जेगोविना से भिड़ेगी। पोचेटिनो ने इस कम अहमियत वाले मैच के लिए नौ नए खिलाड़ियों को शुरुआती एकादश में शामिल किया लेकिन क्रिश्चियन पुलिसिक 58वें मिनट में मैदान पर उतरे। पिंडली की चोट के कारण वह अमेरिकी टीम के पहले मैच के पहले हाफ के बाद से नहीं खेले थे। तुर्की ने शानदार खेल दिखाते हुए पहले हाफ में दो गोल की बदौलत दबदबा बनाया और अंततः रोमांचक जीत दर्ज करने में सफल रहा। तुर्की अपने पहले दो मैच हारने के बाद पहले ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुका था जबकि आंकड़ों के लिहाज से उसने दोनों मैचों में काफी हद तक दबदबा बनाए रखा था। इंजरी टाइम के आठवें मिनट में तुर्की ने अप्रत्याशित जीत हासिल की। ??कैन उज़ुन को बैक पोस्ट पर खाली जगह में गेंद मिली और उन्होंने उसे गोलकीपर मैट टर्नर के पास से आयहान की ओर धकेल दिया जिन्होंने स्लाइड करते हुए गेंद को गोल में पहुंचा दिया। खचाखच भरे सोफी स्टेडियम में दर्शकों के लिए मैच के नतीजे का कोई खास महत्व नहीं था। घरेलू मैदान पर हो रहे इस विश्व कप में अमेरिकी टीम की शानदार शुरुआत ने प्रशंसकों में जोश भर दिया था लेकिन टीम को अंततः हार झेलनी पड़ी।

संक्षिप्त समाचार

एफआईएच प्रो लीग मैच में भारत पेनल्टी में इंग्लैंड से हारा

लंदन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को इंग्लैंड के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैच के नियमित समय में 2-2 से बराबर रहने के बाद पेनल्टी में 1-4 से हार झेलनी पड़ी। बृहस्पतिवार रात ली वैली हॉकी एवं टेनिस सेंटर में भारत के लिए दिलप्रीत सिंह (10वें और 58वें मिनट) ने दोनों गोल दागे जबकि इंग्लैंड के लिए डेविड गुडफील्ड (29वें मिनट) और निकोलस बांडुरक (56वें मिनट) ने गोल किए। बाद में शूटआउट में मेजबान टीम के लिए थॉमस सोर्सबी, जेम्स अल्बेरी और कप्तान जैकरी वालेस ने अपने मौकों को गोल में बदला। इसके अलावा एक मौके पर पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे भी वालेस ने गोल में बदला। शूटआउट में भारत के लिए एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने किया। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को पाकिस्तान से होगा। इससे पहले नियमित खेल के दौरान पहला हाफ रोमांचक रहा क्योंकि दोनों टीमों ने गोल किए और कुछ मौके भी बनाए। भारत ने पहले क्वार्टर में अच्छी शुरुआत की और जल्द ही एक पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। हालांकि कप्तान हरमनप्रीत की ड्रैग फ्लिक को इंग्लैंड के गोलकीपर जेम्स माजारेलो ने रोक दिया। इंग्लैंड को भी पांचवें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन बांडुरक के प्रयास को भारतीय डिफेंस ने रोक दिया। पहला गोल 10वें मिनट में हुआ जब मनदीप सिंह ने ड्रिबलिंग करते हुए दिलप्रीत को बेहतरीन पास दिया और दिलप्रीत ने डाइविंग फिनिश के साथ गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत को बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत अपनी बढ़त बढ़ाने के करीब था लेकिन पेनल्टी कॉर्नर पर अमनदीप लाकड़ा की ड्रैग फ्लिक को गोल लाइन पर सोर्सबी ने शानदार तरीके से बचाया। गुडफील्ड ने 29वें मिनट में मैदानी गोल इंग्लैंड को बराबरी दिलाई। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीम का डिफेंस बहुत मजबूत रहा जिससे स्कोर 1-1 ही बना रहा। चौथे क्वार्टर में इंग्लैंड ने मैच खत्म होने से चार मिनट पहले बांडुरक (56वें मिनट) की ड्रैग फ्लिक से 2-1 की बढ़त बनाई लेकिन दो मिनट बाद भारत ने बराबरी हासिल कर ली। इंग्लैंड ने शूटआउट 4-1 से जीतकर बोनस अंक हासिल किया।

जॉन अब्राहम ईटीपीएल की रॉटरडैम डॉकर्स के सह-मालिक बने

रॉटरडैम। बॉलीवुड अभिनेता जॉन अब्राहम रॉटरडैम डॉकर्स के सह-मालिक बन गए हैं। यह उन छह फ्रेंचाइजी टीमों में से एक है जो 26 अगस्त से 20 सितंबर तक होने वाली पहली यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) में भाग लेंगी। अब्राहम उस नेतृत्व समूह का हिस्सा बन गए हैं जिसमें क्रिकेट जगत के दिग्गज खिलाड़ी जॉन्टी रोड्स, फाफ डु प्लेसी और हेनरिक क्लासेन के अलावा मैनेजिंग पार्टनर मधुकर श्री शामिल हैं। ईटीपीएल में ग्लासगो, एम्स्टर्डम, एडिनबर्ग, डबलिन, बेलफास्ट और रॉटरडैम शहरों की छह फ्रेंचाइजी टीम भाग लेंगी। इस टूर्नामेंट में कुल 32 मैच खेले जाएंगे।

दिल्ली सरकार ने स्कूल बैडमिंटन, कुश्ती प्रतियोगिताओं की मेजबानी के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार ने शुक्रवार को भारतीय स्कूल खेल महासंघ (एसजीएफआई) और अंतरराष्ट्रीय स्कूल खेल महासंघ (आईएसएफ) के साथ अगले साल अंतरराष्ट्रीय स्कूल बैडमिंटन और कुश्ती प्रतियोगिताओं मेजबानी करने के लिए एक त्रिपक्षीय सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह एमओयू दिल्ली सरकार, एसजीएफआई और आईएसएफ के बीच एक समारोह में किया गया जिसमें दिल्ली के शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद भी शामिल हुए। सूद ने कहा कि इस प्रतियोगिता से दिल्ली को एक मजबूत खेल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुकाबला करने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार शहर में अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं बनाकर और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल यूनिवर्सिटी स्थापित करके खेलों को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद सिर्फ अधिक शीर्ष खिलाड़ी तैयार करना और अधिक पदक जीतना ही नहीं है बल्कि दिल्ली में एक मजबूत खेल व्यवस्था बनाना भी है। अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन और कुश्ती प्रतियोगिताओं में लगभग 50 देशों के एक हजार से अधिक खिलाड़ियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है।

एल्स्टॉम को 10.7 करोड़ यूरो का मिला अनुबंध

नयी दिल्ली। फ्रांस की प्रमुख कंपनी एल्स्टॉम को नागपुर डिपो में 250 उच्च क्षमता वाले वैग-12बी इलेक्ट्रिक इंजन के रखरखाव के लिए 10.7 करोड़ यूरो का पांच वर्षीय सेवा अनुबंध मिला है। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एल्स्टॉम ने एक बयान में कहा कि उसे यह अनुबंध भारतीय रेलवे के साथ उसके संयुक्त उद्यम मधेपुरा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड (एमईएलपीएल) के माध्यम से मिला है। इस समझौते के तहत नागपुर डिपो में 250 वैग-12बी इलेक्ट्रिक इंजन तथा डिपो के बुनियादी ढांचे का समग्र रखरखाव एमईएलपीएल करेगा। बयान के अनुसार, 12,000 हॉर्सपावर (एचपी) क्षमता वाले प्राइमा टी8 वैग-12बी इलेक्ट्रिक इंजन भारत के हरित परिवहन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये इंजन 6,000 टन तक का माल 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से खींचने में सक्षम हैं। कंपनी ने कहा कि ये इंजन मालगाड़ियों के अलग से बने गलियारों की रीढ़ हैं और माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ कार्बन उत्सर्जन में भी कमी लाने में मदद कर रहे हैं। एल्स्टॉम इंडिया के प्रबंध निदेशक ओलिवियर लोइसन ने कहा, ''हमें गर्व है कि ग्राहकों ने हम पर भरोसा जताया और यह विश्वास वैग-12बी इलेक्ट्रिक इंजनों की उत्कृष्ट कार्यक्षमता तथा विश्वसनीयता के रूप में साबित हुआ है। ये इंजन भारत की माल ढुलाई क्रांति में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत में 90 अरब डॉलर से अधिक निवेश की घोषणा

नयी दिल्ली। भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक व्यवधानों और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद वैश्विक कंपनियों तथा संस्थागत निवेशकों ने हाल के महीनों में भारत में 90 अरब डॉलर से अधिक के नए निवेश की घोषणा की है। यह भारत की दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं और निवेश गंतव्य के रूप में उसकी बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाता है। सूत्रों ने बताया कि प्रस्तावित निवेश कृत्रिम मेधा (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल अवसंरचना, विनिर्माण और औद्योगिक प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। इससे वैश्विक कंपनियों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने तथा उच्च वृद्धि वाले बाजारों में विस्तार के बीच अहम निवेश गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। अमेजन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एंडी जेसी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मुलाकात के बाद कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह वर्ष 2030 तक भारत में अपने कुल निवेश की प्रतिबद्धता बढ़ाकर 48 अरब डॉलर करेगा।

मनिका ने टीटीएफआई के संविधान के उल्लंघन का आरोप लगाया पर पीछे हटीं

एजेंसी

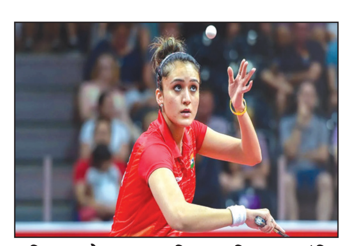

नयी दिल्ली। स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने आगामी एशियाई खेलों के लिए टीम चुनते समय अपने ही संविधान का उल्लंघन किया है लेकिन उन्होंने यह भी माना कि वह 'मानसिक रूप से थक चुकी हैं' और 'हथियार डाल रही हैं'। हालांकि महासंघ का कहना है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से नियमों के अनुसार की गई थी। जब टीटीएफआई ने आइची-नागोया में 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी 10 सदस्यीय टीम की घोषणा की थी तो 31 वर्षीय मनिका का नाम रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया था। सोशल मीडिया पर एक बयान में मनिका ने दावा किया कि हालांकि टीटीएफआई ने उन्हें सूचित किया था कि चयन प्रक्रिया 'पूरी तरह से नियमों के अनुसार' थी लेकिन उनके पास मौजूद दस्तावेजों से पता चला कि नौ सदस्यीय चयन समिति ने एशियाई खेलों की टीम को अंतिम रूप दिया था। मनिका ने आरोप लगाया कि यह टीटीएफआई के संविधान के नियम 24(सी)(जे) के खिलाफ था जिसमें कहा गया है कि किसी भी उप समिति में सात से अधिक सदस्य नहीं हो सकते। मनिका ने कहा, ''नौ सदस्यीय समिति ने मेरा भविष्य तय किया, फिर भी मुझे बताया जा रहा है कि प्रक्रिया संविधान और नियमों के पूरी तरह अनुरूप थी। राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता और तीन बार की ओलंपियन मनिका ने कहा कि वह इस मामले पर फैसला जनता पर छोड़ देंगी, विशेषकर उन लोगों पर जो लगातार कहते रहे हैं कि नियमों का सम्मान किया जाना चाहिए और उन्हें सभी पर समान रूप से लागू किया जाना चाहिए। मनिका ने कहा कि वह थक चुकी हैं और टीटीएफआई के साथ इस लड़ाई को जारी नहीं रखना चाहती। मनिका ने कहा, ''मैं इस लड़ाई से मानसिक रूप से थक चुकी हूं और फिलहाल मैं अपने हथियार डाल रही हूं। उन्होंने कहा कि उनका ध्यान अमेरिका में चल रहे एक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर है। मनिका ने कहा, ''आज मेरे पास एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं अभी एक टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रही हूं और अब मेरा पूरा ध्यान टूर्नामेंट पर होगा। चुनी गई टीम को शुभकामनाएं देते हुए मनिका ने कहा, ''चुनी गई टीम की मैं सफलता की कामना करती हूं। जाएं और भारत का नाम रोशन करें। यह विवाद 2026 एशियाई खेलों के लिए भारत की मुख्य टीम से मनिका को बाहर किए जाने से शुरू हुआ है। उन्होंने पहले भी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता और निरंतरता पर सवाल उठाए हैं जबकि टीटीएफआई का कहना है कि टीम को उनकी चयन नीति के हिसाब से चुना गया था। टीटीएफआई के अनुसार खिलाड़ियों को एक ऐसे फॉर्मूले से चुना गया जिसमें राष्ट्रीय रैंकिंग को 50 प्रतिशत, विश्व रैंकिंग को 40 प्रतिशत और चयन समिति के रुख को 10 प्रतिशत भार दिया गया।

डिसिल्वा का शतक, वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 308 रन पर समेटा

नॉर्थ साउंथ (एंटीगा)। कप्तान धनंजय डिसिल्वा के 13वें टेस्ट शतक के बावजूद वेस्टइंडीज ने पहले क्रिकेट टेस्ट के पहले दिन श्रीलंका को 308 रन पर समेट दिया। डिसिल्वा ने 168 गेंद में 17 चौकों से 120 रन की पारी खेली। उन्होंने उस समय दिनेश चांदीमल (54) के साथ चौथे विकेट के लिए 68 और सोनल दिनुशा (43) के साथ छठे विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की जब टीम 42 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद संकट में थी। मिलन रत्नायके (27) के साथ सातवें विकेट के लिए 64 रन और जोड़ने के बाद मेहमान टीम के कप्तान आखिरी सत्र में 120 रन पर आउट हो गए। जब 65वें ओवर में डिसिल्वा आउट हुए तब श्रीलंका का स्कोर सात विकेट पर 272 रन था और सात ओवर बाद उनकी पारी खत्म हो गई जब जेडन सील्स और जस्टिन ग्रीव्स ने निचले क्रम को समेटा।

भारत ने आइसलैंड में लगाई आम की प्रदर्शनी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने आइसलैंड में अपने प्रीमियम आमों के निर्यात को बढ़ाने के लिए पहली बार भारतीय आमों की विभिन्न किस्मों की प्रदर्शनी आयोजित है जिसमें दोनों देशों के बीच कृषि व्यापार को मजबूत करने के मौकों पर जोर दिया गया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि ये कार्यक्रम आइसलैंड की राजधानी रेक्याविक स्थित भारतीय दूतावास ने कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के सहयोग से 24 जून को रेक्याविक तथा 25 जून को उत्तरी आइसलैंड के अक्यूरेरी में पहली बार भारतीय आम के प्रोत्साहन का कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें दशहरी, चौसा, लंगड़ा और केसर किस्म के भारतीय आमों की समृद्ध विविधता और उनके निर्यात की अपार संभावनाओं को प्रदर्शित किया गया। मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर भारतीय राजदूत आर. रवीन्द्र ने भारत की विश्व-प्रसिद्ध आम की विभिन्न किस्मों की विशिष्टताओं पर प्रकाश डाला, और आइसलैंड में भारतीय आमों के निर्यात के विस्तार की व्यापक संभावनाओं पर जोर दिया। इसके साथ ही भारतीय दूतावास की द्वितीय सचिव सुश्री अनिशा तोमर ने भारत में आम उत्पादन पर एक प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है। वहीं, आइसलैंड के विदेश मंत्रालय में व्यापार समझौता निदेशक स्वेन के. एइनार्सन ने भारतऽईएफटीए व्यापार एवं आर्थिक साझेदारी समझौते (टीईपीए) से मिलने वाले अवसरों और उसके माध्यम से आइसलैंड में भारतीय आमों के आयात को बढ़ावा मिलने की संभावनाओं पर अपने विचार साझा किए। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि भारतीय मिशन द्वारा स्थानीय उपभोक्ताओं के साथ बातचीत के दौरान यह जानकारी सामने आई कि आइसलैंड के लोग आम काफी पसंद करते हैं और विशेष रूप से स्मूदी, डेज़र्ट (मिष्ठान) तथा फ्रूट सलाद में उनका सेवन करना पसंद करते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि आइसलैंड के बाजार में भारतीय आमों के लिए पर्याप्त संभावनाएं मौजूद हैं।

युद्धविराम कायम रहने से भारतीय कंपनियों पर पश्चिम एशिया संघर्ष का असर होगा आधा: क्रिसिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका-ईरान के बीच युद्धविराम कायम रहने और ऊर्जा आपूर्ति सामान्य बनी रहने से पश्चिम एशिया संघर्ष का भारतीय कंपनियों के लाभ पर पड़ने वाला असर शुरुआती आशंका की तुलना में लगभग आधा रह जाएगा। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल रेटिंग्स ने यह जानकारी दी। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि यह संघर्ष वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय कंपनियों के परिचालन मुनाफ़े में लगभग एक प्रतिशत की कमी लाएगा। पहले लंबे समय तक संघर्ष जारी रहने और होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही बाधित होने की स्थिति में दो प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया गया था। संशोधित अनुमान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका-ईरान के बीच हुए नाजुक समझौते के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य दोबारा खुलने से कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट आई है। हालांकि, क्रिसिल ने आगाह किया कि भू-राजनीतिक जोखिम अब भी बने हुए हैं और गैस आपूर्ति को पूरी तरह सामान्य होने में अधिक समय लग सकता है। क्रिसिल रेटिंग्स के प्रबंध निदेशक सुबोध राय ने कहा, '' यदि युद्धविराम कायम रहता है, तो हमारे आकलन वाले 34 क्षेत्रों में से दो-तिहाई का न्यूनतम असर पड़ेगा। पहली छमाही के दबाव की भरपाई दूसरी छमाही में मुनाफ़े में सुधार से काफी हद तक हो जाएगी। हालांकि, संघर्ष बढ़ने का जोखिम बना हुआ है। इसलिए हमारा मानना है कि भारतीय कंपनियां सतर्क रहेंगी और आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने पर ध्यान देती रहेंगी। क्रिसिल के 34 क्षेत्रों पर आधारित इस आकलन में यह पाया गया कि चालू वित्त वर्ष में ब्रेंट कच्चे तेल का औसत भाव 80-85 डॉलर प्रति बैरल रहेगा और गैस आपूर्ति में व्यवधान करीब चार महीने तक बना रहेगा। संशोधित परिदृश्य में अब केवल 10 क्षेत्रों की लाभप्रदता में उल्लेखनीय गिरावट आने की आशंका है, जबकि एजेंसी के पहले के तनावपूर्ण परिदृश्य में 22 क्षेत्रों पर असर का अनुमान था। किसी भी क्षेत्र के राजस्व या लाभप्रदता पर गंभीर असर पड़ने की संभावना नहीं जताई गई है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के 'बहुत करीब', लेकिन टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा भारत: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लंदन में में कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील तब तक लागू नहीं होगी, जब तक भारत को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले टैरिफ लाभ नहीं मिलता। हालांकि, गोयल ने यह कहा कि भारत और अमेरिका ट्रेड डील 'बहुत करीब' है, लेकिन भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले टैरिफ में बढ़त मिले बिना इस पर साइन नहीं करेगा। गोयल ने लंदन में आयोजित इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) यूके-इंडिया वीक को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील पर आगे बढ़ने से पहले भारत इस पर स्पष्टता चाहता है कि मैन्युफैक्चरिंग के मामले में वह प्रतिस्पर्धा करने वाली दूसरी अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले अपनी बढ़त को कैसे बनाए रखेगा। उन्होंने कहा, ''हमें यह पक्का करना है कि हमें उन देशों के मुकाबले कॉम्पिटिटिव फायदा मिले जो विकास के उसी चरण में हैं या जिनकी कॉस्ट स्ट्रक्चर भारत जैसी ही है। चाहे वह वियतनाम, थाईलैंड, फिलीपींस, इंडोनेशिया, मलेशिया, चीन हो, या बांग्लादेश, श्रीलंका और हमारे सभी पड़ोसी देश हों। इस बीच भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी कहते हैं, ''ये मामला तकनीकी नहीं है। मुझे लगता है कि भारत का रुख यह रहा है कि 'हमें प्रेफरेंशियल टैरिफ (वरीयता वाला टैरिफ) चाहिए', यानी हमें अपने पड़ोसियों के मुकाबले कम टैरिफ दिया जाए क्योंकि इससे हम ज्यादा कॉम्पिटिटिव (प्रतिस्पर्धी) बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि बात 10 फीसदी या 20 फीसदी की नहीं है, बल्कि असल बात पड़ोसियों से कम टैरिफ पाने की भी है। यह एक राजनीतिक मुद्दा भी बन गया है, क्योंकि अभी भारत पर टैरिफ 12.5 फीसदी है और पाकिस्तान पर 10 फीसदी। भारत का कोई भी राजनीतिक दल या नेता इसे स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि इससे मूल रूप से उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ सकता है। यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम के प्रेसिडेंट और सीईओ मुकेश आघी ने आगे कहा कि इसलिए, इस मसले को सुलझाना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यहीं पर ट्रंप प्रशासन विचार-विमर्श करेगा और देखेगा कि कैसे कोई ऐसा समाधान निकाला जाए जो भारत और अमेरिका, दोनों के लिए फायदेमंद हो। भारत और अमेरिका के बीच इसी हफ्ते नई दिल्ली के वाणिज्य भवन में हुई दो दिवसीय मंत्री स्तरीय बैठक में प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के मुख्य मुद्दों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। इस बैठक में केंद्रीय वाणिज्य एवं उदयोग मंत्री पीयूष गोयल और अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि एंबेसडर जेमिसन ग्रीर के प्रतिनिधिमंडल इसमें शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इस बैठक में दोनों पक्षों ने 24 फरवरी को अमेरिका द्वारा अपने सभी व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए 10 फीसदी के अस्थायी टैरिफ की समय-सीमा खत्म होने से पहले बातचीत को अंतिम रूप देने पर व्यापक विचार-विमर्श किया। ये टैरिफ 24 जुलाई को खत्म हो जाएंगे। इस समझौते के लिए रूपरेखा इस साल फरवरी में घोषित की गई थी।

ईरान ने जीसीसी-अमेरिका के संयुक्त बयान को नकारा, उकसाने वाला बताया

एजेंसी

तेहरान। ईरान ने शुक्रवार को खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और अमेरिका के जारी संयुक्त बयान की कड़ी निंदा करते हुए 'हस्तक्षेपकारी, गैर-जिम्मेदाराना और उकसाने वाला' बताते हुए यह कहकर खारिज कर दिया है कि यह क्षेत्र में टकराव बढ़ाने वाली नीति है।

यह बयान 25 जून को बहरीन में आयोजित जीसीसी-अमेरिका मंत्री स्तरीय बैठक के बाद आया है, जहां अमेरिकी विदेश मंत्री और जीसीसी के विदेश मंत्रियों ने संयुक्त विज्ञप्ति जारी की थी। ईरान ने कहा कि इस दस्तावेज में शत्रुतापूर्ण रुख अपनाया गया है और क्षेत्रीय मामलों में दखलंदाजी को दोहराया गया है। उसने जीसीसी सदस्य देशों की सुरक्षा के प्रति अमेरिका की 'स्थायी प्रतिबद्धता' के दावे को 'महज बयानबाजी' और सच्चाई को तोड़-मरोड़ कर पेश करना बताया। ईरान का तर्क है कि इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति असुरक्षा और विभाजन का कारण बन गयी है।

ईरान ने कहा कि हाल ही में उस पर हुए अमेरिकी-इजरायली हमलों के दौरान क्षेत्रीय देशों में सैन्य ठिकानों और सुविधाओं का इस्तेमाल इस बात का सबूत है कि अमेरिका अपने क्षेत्रीय सहयोगियों की सुरक्षा को कोई अहमियत नहीं देता। क्षेत्र में अमेरिका की भूमिका पर सवाल उठाते हुए ईरान ने कहा, ''जीसीसी की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का अमेरिकी दावा सच्चाई को तोड़ना-मरोड़ना है।'' उसने कहा, ''इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति महज बोझ है, जो क्षेत्र के लोगों पर थोपा गया है और यह असुरक्षा तथा विभाजन का स्रोत रहा है।

अपने बयान में मंत्रालय ने खाड़ी अरब देशों से ईरान के खिलाफ किसी भी कार्रवाई को बढ़ावा देने से बचने का आग्रह किया। ईरान ने उनसे अपील की है कि वे 'अपने क्षेत्रों और सुविधाओं का उपयोग गैर-कानूनी कृत्यों की योजना बनाने, समर्थन करने या उन्हें अंजाम देने' के लिए न होने दें। ईरान ने क्षेत्रीय देशों से अपने रुख पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। उसने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून और अच्छे पड़ोसी होने के सिद्धांतों के तहत इन देशों का यह दायित्व है कि वे किसी तीसरे पक्ष को ईरान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए अपनी धरती का उपयोग करने से रोकें। उसने ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े आरोपों को खारिज करते हुए, क्षेत्रीय सरकारों पर 'परमाणु हथियारों से मुक्त' पश्चिम एशिया का समर्थन करने के लिए भी दबाव डाला।

ईरान ने इसके साथ ही जीसीसी के सदस्य देशों से पश्चिम एशिया में परमाणु हथियारों से मुक्त क्षेत्र स्थापित करने के लिए ईरान से सहयोग करने का आग्रह किया।

ईरान की मिसाइल और ड्रोन क्षमताओं की आलोचना करने के लिए जीसीसी-अमेरिका संयुक्त विज्ञप्ति पर तीखा हमला करते हुए ईरान ने कहा कि वह अपनी संप्रभुता और सैन्य प्रतिरोधक क्षमता की रक्षा करने में 'बिल्कुल भी ढिलाई' नहीं बरतेगा। उसने फिलिस्तीनी-लेबनानी सशस्त्र समूहों को 'ईरानी प्रॉक्सी' बताने के मामले में अमेरिका-इजरायल के सुर में सुर मिलाने वाले खाड़ी देशों के रुख पर भी सवाल उठाया। ईरान ने इसके विपरीत यह तर्क दिया कि इजरायल खुद इस क्षेत्र में प्राथमिक प्रॉक्सी के रूप में काम करता है।समुद्री सुरक्षा पर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अपने रुख का बचाव किया। उसने कहा कि इस जलमार्ग में कोई भी व्यवधान हालिया अमेरिकी और इजरायली कार्रवाइयों का नतीजा था। उसने दावा किया कि यह जलडमरूमध्य ईरान-ओमान के क्षेत्रीय समुद्र तट के भीतर आता है और इसका प्रबंधन ओमान के साथ हाल ही में हुए एक समझौता पत्र (एमओयू) के तहत संचालित होता है।

ट्रंप प्रशासन ने सुप्रीम कोर्ट के प्रवास संबंधी फैसलों का स्वागत किया, प्रवास के नियम होंगे सख्त

एजेंसी

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट के प्रवास संबंधी फैसलों का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे देश के कानून को लागू करने वाली संस्थाओं को और मजबूती मिलेगी। साथ ही, इससे यह भी साफ हो गया है कि मानवीय आधार पर दी जाने वाली मदद और सुरक्षा की भी अपनी एक सीमा होती है।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट में बहुमत रखने वाले 'रूढ़िवादी' न्यायाधीशों ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रवास संबंधी नीतियों का पूरा समर्थन किया। इस फैसले के बाद अब ट्रंप सरकार के लिए अमेरिका से 10 लाख से भी ज्यादा लोगों को बाहर निकालने का रास्ता साफ हो गया है। इसके अलावा, सरकार अब आगे चलकर मानवीय कार्यक्रमों के तहत बाहरी लोगों के आने पर भी रोक लगा सकेगी। इन फैसलों के आने के बाद सीमा पर चौकसी और सख्त हो जाएगी। साथ ही, उन नियमों में भी कटौती की जाएगी जिनके सहारे विदेशी नागरिक शरण लेकर या अस्थायी राहत के दम पर अमेरिका में टिके रहते थे। यह फैसला देने वाले मुख्य न्यायाधीश सैम्युल अलिटो थे, जो रूढ़िवादी सोच के माने जाते हैं। अदालत के बाकी तीन उदारवादी जजों ने इस फैसले का जमकर विरोध किया। इस टकराव से साफ पता चलता है कि राजनीति से जुड़े इन संवेदनशील मामलों पर न्यायाधीशों के बीच कितनी गहरी आपसी असहमति है। एक फैसले में अदालत ने ट्रंप सरकार को हरी झंडी दे दी है कि वह हैती और सीरिया के लाखों लोगों को मिला 'अस्थायी संरक्षित दर्ज़ा' (टीपीएस) खत्म कर दे। इन लोगों को उनके अपने देशों में चल रही लड़ाई, अशांति या प्राकृतिक आपदाओं की वजह से अमेरिका में रहने और काम करने की छूट मिली हुई थी। इस फैसले से श्री डोनाल्ड ट्रंप को अपने दूसरे कार्यकाल के उस बड़े अभियान को आगे बढ़ाने का मौका मिल गया है, जिसके तहत वह अवैध रूप से रह रहे लोगों को देश से बाहर निकालना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने हैती और सीरिया के लोगों को मिली कानूनी सुरक्षा को खत्म कर दिया है। इसका सीधा और तुरंत असर यह होगा कि इस योजना के तहत रह रहे हैती के करीब 3,30,000 और सीरिया के लगभग 4,000 लोगों को अमेरिका से निकाला जा सकता है, बशर्ते उनके पास रहने का कोई दूसरा कानूनी रास्ता न हो। वैसे यह मामला सिर्फ इन दो देशों तक ही नहीं रुकने वाला है। ट्रंप सरकार इस योजना में शामिल कुल 17 देशों में से 13 देशों का यह दर्ज़ा खत्म करने की पूरी तैयारी में है। प्रवासियों के हक के लिए लड़ने वाले संगठनों ने अदालत के इस फैसले की कड़े शब्दों में निंदा की है। हैती के नागरिकों की तरफ से पैरवी कर रहे एक वकील ने चेतावनी दी है कि इस फैसले की वजह से हजारों बेकसूर लोगों को वापस जाकर हिंसक हालातों में अपनी जान गंवानी पड़ेगी। एक दूसरे फैसले में अदालत ने सीमा से जुड़ी उस विवादित नीति को भी सही ठहराया है, जिसके तहत अधिकारी किसी भी 'शरण चाहने वाले' को अमेरिकी जमीन पर कदम रखने से पहले ही वापस लौटा सकते हैं। इससे दक्षिणी सीमा पर आने वाले प्रवासियों की संख्या बहुत कम हो जाएगी।

चढ़ावा मामले की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में हो जांच : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चंदे और चढ़ावे में कथित अनियमितताओं के आरोपों की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा राम मंदिर ट्रस्ट को भंग कर उसमें राजनीतिक लोगों के स्थान पर साधु-संतों एवं धार्मिक व्यक्तियों को शामिल करने की मांग की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजीव शुक्ला ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर देश के गांवों और गरीब लोगों से आस्था के आधार पर चंदा एकत्र किया गया लेकिन उसकी कथित लूट हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि प्राथमिकी में केवल छोटे कर्मचारियों के नाम शामिल किए गए, जबकि बड़े लोगों की भूमिका की जांच नहीं की गई।

उन्होंने सवाल किया कि बड़े लोगों की मिलीभगत के बिना कोई छोटा कर्मचारी सीसीटीवी बंद कर इतनी बड़ी रकम की चोरी कैसे कर सकता है। उनका आरोप था कि नकद चढ़ावे को कम दिखाया जाता था, जबकि महिलाओं द्वारा चढ़ाए गए आभूषणों का कोई रिकॉर्ड नहीं रखा गया। श्री शुक्ला ने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने लोगों की धार्मिक आस्था के साथ विश्वासघात किया है। भाजपा ने मंदिर प्रकोष्ठ बनाकर योजनाबद्ध तरीके से मंदिर ट्रस्टों पर कब्जा करने का प्रयास किया है ताकि चंदे और चढ़ावे का राजनीतिक इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 'जो राम को लाए हैं, उन्हें सत्ता में लाइए' का नारा दिया था। अब भगवान राम के नाम पर कथित लूट करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

चंदा मुद्दे को वहीं लोग उछाल रहे हैं जो मंदिर निर्माण के विरोध में थे: नकवी

एजेंसी

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के कथित दान मामले को वही लोग अधिक उछाल रहे हैं, जो पहले राम मंदिर निर्माण के विरोध में थे। मोहर्रम के अवसर पर अपने पैतृक गांव सराय ममरेज थाना क्षेत्र के भदारी गांव पहुंचे नकवी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम का ईमान, इंसाफ और इंसानियत का संदेश पूरी दुनिया के लिए आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने कहा कि जो ताकतें इन मूल्यों पर चल रही हैं, वे मजबूत हो रही हैं, जबकि इनसे भटकने वाली शक्तियां कमजोर पड़ रही हैं। श्रीराम मंदिर तीर्थ क्षेत्र के कथित दान प्रकरण पर उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया है और राम मंदिर प्रशासन भी आवश्यक कार्रवाई कर रहा है। उन्होंने कहा कि जांच पूरी पारदर्शिता से होगी और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे को वही लोग अधिक उछाल रहे हैं, जो पहले राम मंदिर निर्माण के विरोध में थे। उत्तर प्रदेश भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी के गठन पर प्रतिक्रिया देते हुए नकवी ने कहा कि देश और उत्तर प्रदेश की राजनीति का केंद्रीय बिंदु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने दावा किया कि देश की जनता प्रधानमंत्री मोदी के विकास और विश्वास के एजेंडे के साथ खड़ी है तथा उनके नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। वर्ष 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस बार ''एम-वाई'' का अर्थ सांप्रदायिक समीकरण नहीं, बल्कि ''मोदी-योगी'' का नेतृत्व है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा वर्ष 2022 से अधिक सीटें जीतकर प्रचंड बहुमत के साथ पुनः सरकार बनाएगी। उनके अनुसार प्रदेश सरकार विकास, सुशासन, सुरक्षा और समृद्धि के एजेंडे पर कार्य कर रही है। नीट परीक्षा से जुड़े मुद्दे पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए नकवी ने कहा कि परीक्षाओं में यदि कहीं अनियमितताएं हुई हैं तो सरकार उनके विरुद्ध सख्ती से कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक लाभ के लिए इस मुद्दे को उठाने का आरोप लगाया। लखनऊ के एक कोचिंग संस्थान में हुई अग्निकांड की घटना पर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में पूछे जाने पर नकवी ने कहा कि विपक्ष के पास चुनावी मुद्दों का अभाव है और इसी कारण विभिन्न घटनाओं पर राजनीतिक बयानबाजी की जा रही है।

हम राज्य के खोये हुए सांस्कृतिक गौरव को वापस लाएंगे: अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सरकार की सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी विरासत को वापस लाने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए कहा है कि राज्य में पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार ने रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जैसे प्रतीकों को बढ़ावा देने के काम को नजरंदाज किया था।

श्री अधिकारी ने बंकिम चंद्र की 189वीं जयंती पर उनके पुश्तैनी घर में पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि पिछली सरकार भ्रष्टाचार, वंशवादी राजनीति और ऐसी नीतियों में उलझी हुई थी, जिन्होंने पश्चिम बंगाल को पीछे धकेल दिया था। उन्होंने कहा, ''पहले जब मैं विपक्ष के नेता के तौर पर यहां आया था, तो तृणमूल सरकार ने मुझे इस घर में घुसने नहीं दिया था। समय बदल गया है और कैसे। पिछली सरकार का एजेंडा भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और बंगाल को पिछड़ा राज्य बनाने पर केंद्रित था। गुरूदेव रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय जैसी महान हस्तियों की विरासत का सम्मान करना कभी भी उनकी प्राथमिकताओं का हिस्सा नहीं था।' मुख्यमंत्री ने कहा कि अब एक राष्ट्रवादी सरकार सत्ता में है और उनका प्रशासन राज्य की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देगा। श्री अधिकारी ने बंकिम चंद्र द्वारा रचित 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के बजट में इस अवसर को मनाने के लिए पहले ही एक बड़ी पहल की घोषणा की जा चुकी है। उन्होंने कहा, ''हम एक राष्ट्रीय स्तर का वंदे मातरम् संग्रहालय बनाएंगे।'' उन्होंने कहा कि परियोजना के बारे में और जानकारी समय पर घोषित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने स्मारक पर श्रद्धांजलि देने के बाद कार्यक्रम स्थल पर जाने से पहले छात्रों और वहां मौजूद सभी लोगों से थोड़ी देर बातचीत की।

विपक्ष के नेता के तौर पर मेरा दो वर्ष का हर दिन जनता की आवाज सत्ता तक पहुंचाने को समर्पित : राहुल

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता के रूप में श्री राहुल गांधी के दो वर्ष पूरे होने पर कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को कहा कि इस दौरान उन्होंने युवा, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और गरीबों समेत समाज के हर वर्ग की आवाज उठाई तथा सड़क से संसद तक जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि श्री गांधी ने नेता प्रतिपक्ष के रूप में आज दो वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस यात्रा में उन्होंने युवा, महिलाओं, किसानों, मजदूरों और गरीबों समेत हर वर्ग की आवाज उठाई तथा सड़क से संसद तक जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ी। कांग्रेस ने कहा कि देश में अन्याय के खिलाफ जननायक की इस लड़ाई में पूरा कांग्रेस परिवार उनके साथ है और लोगों के हक की आवाज बुलंद करता रहेगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता श्री गांधी ने भी 'एक्स' पर अपने संदेश में कहा ''लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आज मेरे दो वर्ष पूरे हुए हैं। इन दो वर्षों का हर दिन एक ही काम रहा– हर भारतीय की आवाज को सत्ता तक पहुंचाना। नीट के छात्रों की लड़ाई हो, वोट चोरी का पर्दाफाश हो या संविधान की रक्षा, हर मोर्चे पर आपके साथ खड़ा रहा, आज भी हूं, हमेशा रहूंगा।'' श्री गांधी ने कहा, ''सड़क से संसद तक आपका भरोसा ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। सफर लंबा है, पर संकल्प वही, आपके लिए हर लड़ाई लड़ता रहूंगा।'' उन्होंने अपने संदेश का समापन ''जय हिंद, जय संविधान '' के साथ किया।

आदिवासी संगठनों ने समुदायों की पहचान, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की

नयी दिल्ली। आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से आदिवासी समुदायों की पहचान, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए हस्तक्षेप करने की अपील की है। देशभर के आदिवासी संगठनों और समुदायों के राष्ट्रीय महासंघ आदिवासी अधिकारों के लिए प्रतिनिधि निकायों की लोकतांत्रिक सभा (डीएआरबीएआर) ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन का आयोजित किया । इस दौरान राजस्थान, झारखंड, असम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, बिहार और पश्चिम बंगाल के प्रतिनिधियों ने जनगणना में अदिवासी समुदायों के लिए अलग धर्म कोड, संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा और आदिवासी पहचान की मान्यता देने सहित 21 मांगें रखीं।

वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं झारखंड पीपुल्स पार्टी (जेपीपी) के संस्थापक सूर्य सिंह बेसरा कहा कि लगभग 20 करोड़ आदिवासियों की ओर से राष्ट्रपति के नाम संबोधित यह 21 सूत्रीय मांगपत्र लोकतांत्रिक और संवैधानिक माध्यमों से आदिवासी पहचान को मान्यता दिलाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति खुद आदिवासी हैं। उनसे आदिवासी समुदायों के संवैधानिक अधिकारों, सांस्कृतिक विरासत और अस्मिता की रक्षा के लिए आवश्यक पहल करने की अपील की गयी है।

उन्होंने कहा कि 21 सूत्रीय मांगपत्र में आगामी जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड, भारत के मूल निवासियों के रूप में आदिवासी पहचान की मान्यता, आदिवासी भाषाओं एवं संस्कृति का संरक्षण, वनाधिकार अधिनियम तथा पेसा (पीईएसए) कानून का प्रभावी क्रियान्वयन, स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी वीरों के योगदान को उचित स्थान, असम के चाय जनजाति समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्ज़ा, जल–जंगल–जमीन की सुरक्षा, संवैधानिक प्रावधानों का प्रभावी पालन तथा नीति निर्माण में आदिवासी समुदायों की अधिक भागीदारी जैसी मांगें शामिल हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि आज भी आदिवासी समुदाय विस्थापन, शोषण और कई बार उग्रवाद के नाम पर गलत तरीके से निशाना बनाए जाने जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है। उन्होंने अनुसूचित जनजातियों को प्राप्त संवैधानिक सुरक्षा प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन की मांग की।

वहीं, राजस्थान की डॉ. हीरा मीणा ने कहा कि अलग आदिवासी धर्म कोड की मांग आदिवासी समाज की विशिष्ट पहचान को संरक्षित करने से जुड़ी है। उन्होंने कहा, ''देश के प्रत्येक मान्यता प्राप्त धर्म की अपनी अलग पहचान है। आदिवासी समाज की भी अपनी स्वतंत्र आस्था, परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत है।

पेज एक का शेष

कोर्ट में पेश किए...

स्थित अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहा और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजीएम) , सिविल जज जूनियर डिवीजन निवेदिता सिंह के समक्ष प्रस्तुत किया गया। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी पूरे समय न्यायालय परिसर में मौजूद रहे। पेशी के दौरान न्यायालय परिसर में आम लोगों की आवाजाही पर भी निगरानी रखी गई। कोर्ट में सुनवाई के बाद आठों आरोपियों को ले जाया गया। उन्हें अयोध्या जिला जेल भेज दिया गया। सभी को 29 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। सीजेएम कोर्ट में अभियोजन अधिकारी केसी वर्मा ने बताया कि आठ आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया है। उन्हें सोमवार तक के लिए रिमांड पर भेजा गया है। सोमवार को फिर से कोर्ट में पेश किया जाएगा। तब तक के लिए न्यायिक हिरासत में रखा जाएगा। इनके पास से कुल 79 लाख 85 हजार 493 रुपये बरामद किए गए हैं। सुभाष के पास से पैसे नहीं मिले हैं। वह साज़िश में शामिल था। अन्य आरोपियों से अलग-अलग रकम बरामद की गई है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से जुड़ी स्पेशल कोर्ट आज नहीं बैठी थी। आज कामकाज का दिन नहीं था। चूंकि आज छुट्टी थी, इसलिए सोमवार तक की रिमांड दी गई है।

पासपोर्ट, आधार...

नागरिकता का साक्ष्य माना जाए। थरूर का कहना है कि इस दो दस्तावेज की नीति से घरेलू सत्यापन आसान होगा। चुनाव के दौरान मनमानी अड़चनें समाप्त होंगी और हर भारतीय नागरिक को अपनी पहचान की पूरी और पक्की कानूनी गारंटी मिलेगी।

वेनेजुएला में आए...

शक्तिशाली भूकंपों में गिना जा रहा है। इसके झटके पूरे क्षेत्र में महसूस किए गए। इस भीषण तबाही के मद्देनजर अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को कुछ आर्थिक प्रतिबंधों में 23 अक्टूबर तक अस्थायी छूट देने का फैसला किया ताकि वेनेजुएला में भूकंप राहत कार्यों से जुड़े ऐसे वित्तीय लेन-देन किए जा सकें, जो सामान्य परिस्थितियों में प्रतिबंधित होते। इस बीच, उत्तरी वेनेजुएला के कई शहरों में लोग सड़कों पर निकल आए और लापता लोगों की मलबे में तलाश में जुट गए। घायलों को धूल और खून से लथपथ हालत में मलबे से बाहर निकाला गया। इनमें बच्चे और पशु भी शामिल थे। वेनेजुएला के सरकारी टेलीविजन ने बचाव अभियानों के मार्मिक दृश्य प्रसारित किए। इनमें एक महिला सीमेंट के भारी स्लैब के नीचे फंसी हुई दिखाई दी और मलबे से उसके एक पैर का हिस्सा ही दिखाई दे रहा था, बचाव दल ने काफी प्रयास के बाद उसे जीवित बाहर निकाल लिया। इस भीषण त्रासदी के बाद दुनिया के कई देशों ने वेनेजुएला को राहत सामग्री और मानवीय सहायता भेजने की पेशकश की। इनमें अमेरिका भी शामिल है, जिसने इसी वर्ष की शुरुआत में एक अप्रत्याशित सैन्य अभियान के दौरान वेनेजुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में ले लिया था।

मुश्किल वक्त में भारत...

टीम अपने साथ लगभग छह टन चिकित्सा सामग्री और मानवीय राहत सामग्री लेकर गई है। इनमें भारत के आरोग्य मैत्री परियोजना के तहत विकसित अत्याधुनिक भीष्म क्यूब भी शामिल है। यह एक मॉड्यूलर और तेजी से तैनात किया जा सकने वाला फील्ड अस्पताल है। यह एक ऐसा सिस्टम है, जो आपदा प्रभावित क्षेत्रों में उन्नत ट्रॉमा केयर, आपातकालीन सर्जरी और गहन चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सक्षम है। इसी बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट किया कि ऑपरेशन अमिस्ताद जारी है। उन्होंने लिखा कि भारतीय वायु सेना के दो सी-17 विमान भूकंप प्रभावित वेनेजुएला के राहत एवं बचाव प्रयासों में सहायता के लिए तत्काल राहत सामग्री लेकर रवाना हुए।

एनडीपीएस कानून...

गए मादक पदार्थों का मूल्य लगभग 1.84 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने कहा कि यह सरकार की कार्रवाई की प्रभावशीलता और दायरे में उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। गृहमंत्री ने कहा कि सरकार उन सभी कमियों को दूर करने के लिए एनडीपीएस अधिनियम में संशोधन करेगी जिनका इस्तेमाल मादक पदार्थ तस्करी गिरोहों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने राज्यों से वित्त मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित संशोधनों पर अपने सुझाव केंद्र के साथ साझा करने का आग्रह किया। शाह ने राज्य सरकारों से हर परिस्थिति में वास्तविक समय में सूचना साझा करना सुनिश्चित करने को भी कहा। उन्होंने कहा, इसके लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने कई पोर्टल विकसित किए हैं। मैं सभी मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों से आग्रह करता हूं कि वे अपने-अपने राज्यों से संबंधित अपराधों का विवरण निर्धारित समयसीमा के भीतर इन पोर्टल पर अपलोड करें। इससे भारत सरकार को इन मामलों की समीक्षा करने और आवश्यक सुझाव तथा प्रतिक्रिया देने में सहायता मिलेगी। उन्होंने सभी मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों से एनसीओआरडी बैठकों को परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। शाह ने कहा, बैठकों की संख्या निश्चित रूप से बढ़ रही है, लेकिन यह भी आवश्यक है कि वे परिणामोन्मुख हों। उन्होंने कहा, क्या बैठकों में लिये गए निर्णयों का प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है? क्या अगली बैठक में उन निर्णयों की समीक्षा की जाती है? क्या उनका गंभीर और कठोर विश्लेषण किया जाता है? बैठकों को परिणामोन्मुख बनाने की दिशा में राज्यों द्वारा किए गए प्रयास ही हमें सफलता तक पहुंचा सकते हैं।

आस्था से खिलवाड़...

हुए कहा कि एक दल भगवान राम के अस्तित्व को ही नकारता रहा, जबकि दूसरे दल पर रामभक्तों पर गोली चलाने और धार्मिक आयोजनों में व्यवधान उत्पन्न करने के आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों द्वारा आस्था की बात करना उचित नहीं है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार की मंशा शुरू से स्पष्ट रही है और एसआईटी की सिफारिशों के अनुरूप कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसी के पास मामले से संबंधित ठोस प्रमाण हैं तो उन्हें जांच एजेंसी के समक्ष प्रस्तुत किया जाना चाहिए, जबकि निराधार आरोप-प्रत्यारोप से बचना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों की टीम मामले की जांच कर रही है, इसलिए राजनीतिक बयानबाजी के बजाय जांच प्रक्रिया में सहयोग किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की ताकत और केंद्र तथा प्रदेश की डबल इंजन सरकार के सहयोग से अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का सम्मान है। आज देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं और राम मंदिर के दर्शन कर गौरव का अनुभव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में केवल अयोध्या ही नहीं, बल्कि काशी, मथुरा-वृंदावन, नैमिषारण्य, विंध्यवासिनी धाम, प्रयागराज और कुशीनगर जैसे प्रमुख धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का भी व्यापक विकास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि डबल इंजन सरकार के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश विकास और सुशासन की दिशा में नई पहचान बना रहा है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का नाम लेते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें दिल्ली की जनता ने लंबे समय तक सेवा का अवसर दिया, लेकिन अब वह अयोध्या आकर लोगों में भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। कार्यक्रम में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, केंद्रीय राज्य मंत्री कमलेश पासवान, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह सहित क्षेत्र के सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उत्सव में उपद्रव...

और सुरक्षा के कारण देवरिया, गोरखपुर, कुशीनगर सहित पूरे पूर्वांचल में निवेश बढ़ रहा है। नए उद्योग लग रहे हैं और स्थानीय युवाओं को रोजगार मिल रहा है। जो नौजवान पहले नौकरी के लिए मुंबई, सूरत और कोलकाता पलायन करते थे, आज वे अपने ही प्रदेश में रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। सरकार ने निवेश आधारित योजनाओं के माध्यम से 65 लाख युवाओं को रोजगार से जोड़ा है। किसानों के हित में सरकार लगातार काम कर रही है। आधुनिक कृषि तकनीक, सिंचाई सुविधाओं और कृषि शिक्षा के विस्तार से प्रदेश में कृषि उत्पादन तेजी से बढ़ा है। कई खाद्यान्नों के उत्पादन में उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान पर पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके शासनकाल में नौकरियों के नाम पर भ्रष्टाचार होता था। चाचा-भतीजा की जोड़ी और पूरा परिवार वसूली में लगा रहता था। आज सभी सरकारी भर्तियां पूरी पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर की जा रही हैं। देवरिया सहित प्रदेश के हजारों युवाओं को बिना किसी सिफारिश या रिश्वत के सरकारी नौकरी मिली है। सपा ने 2016 में बिना जमीन उपलब्ध कराए पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का 15,800 करोड़ रुपये का टेंडर जारी कर दिया था। भाजपा सरकार बनने के बाद पहले जमीन का अधिग्रहण कराया गया और फिर नई प्रक्रिया के तहत टेंडर कराया गया। तकनीकी व वित्तीय प्रक्रिया को सरल बनाकर यही एक्सप्रेसवे लगभग 11,200 करोड़ रुपये में बनवाया गया, जिससे लगभग 4 हजार करोड़ रुपये की बचत हुई। यह बचत सपा की डकैती रोकने का परिणाम है। इसीलिए सपा को बुरा लग रहा है, वह छटपटा रही है। सीएम योगी ने कहा कि दिल्ली के एक सज्जन आज अयोध्या पहुंचे हैं। दिल्ली की जनता ने उन्हें कई वर्षों तक अवसर दिया, लेकिन उसे भ्रष्टाचार व अव्यवस्था के अलावा कुछ नहीं मिला। अयोध्या में डबल इंजन सरकार ने महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, निषादराज यात्री विश्रामालय, माता शबरी रसोई, फोरलेन सड़कें और विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की हैं। यदि आम आदमी पार्टी यही न्याय दिल्ली के साथ करती तो राजधानी की तस्वीर भी बदल जाती। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरहज कभी इस क्षेत्र का प्रमुख व्यापारिक केंद्र था और भविष्य में इनलैंड वाटरवे परियोजना का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। यहां से किसानों की सब्जियां, फल, मिलेट्स, फूल और अन्य कृषि उत्पाद जलमार्ग के माध्यम से राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचाए जाएंगे। राप्ती व घाघरा नदी की बाढ़ से राहत दिलाने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है। गांवों की सड़क कनेक्टिविटी को मजबूत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 6.18 लाख गरीब परिवारों को नए आवास स्वीकृत किए गए हैं। सरकार हर गरीब को पक्का घर, शौचालय, आयुष्मान कार्ड और मुफ्त राशन उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा उद्यमी योजना के तहत युवाओं को 5 लाख रुपये तक का ब्याज व गारंटी मुक्त ऋण दिया जा रहा है। उन्होंने दो लाभार्थियों का जिक्र करते हुए कहा कि आज का युवा नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनना चाहता है। सरकार उसके सपनों को साकार करने के लिए हरसंभव सहायता दे रही है। लोगों से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए सीएम ने कहा कि रूफटॉप सोलर लगाने से बिजली का बिल काफी कम होगा और लोगों को स्वच्छ ऊर्जा भी मिलेगी। पूर्वी उत्तर प्रदेश कभी इंसेफ़ेलाइटिस से प्रभावित क्षेत्र था, लेकिन सरकार के प्रयासों से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण लगा है। अब बच्चे सुरक्षित हैं और बेटियां सम्मान के साथ स्कूल जा रही हैं। सरकार शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार कार्य कर रही है, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री ने ग्राम प्रधानों, विधायकों और सांसदों से अपील की कि वे सुनिश्चित करें कि कोई गरीब भूखा न रहे, कोई निराश्रित महिला पेंशन से वंचित न रहे और हर पात्र व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचे। सरकार के पास संसाधनों की कमी नहीं है। डबल इंजन सरकार गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं और व्यापारियों की सुरक्षा एवं समृद्धि के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

संविधान हत्या दिवस लोकतंत्र की रक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक : रेखा गुप्ता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज राष्ट्र लोकतंत्र सेनानियों के साहस और बलिदान को नमन करते हुए 'संविधान सर्वोपरि है और रहेगा' का संकल्प दोहरा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान हत्या दिवस आपातकाल के काले अध्याय को कभी न भूलने और लोकतंत्र की रक्षा के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली प्रदेश इकाई ने शुक्रवार 51वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) कन्वेंशन सेंटर में ‟संविधान हत्या दिवस” के अवसर पर ''आपातकाल काला दिवस सेमीनार'' का आयोजन किया। इस अवसर पर आपातकाल में बंदी रहे कार्यकर्ताओं का दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, पूर्व शिक्षा मंत्री स्मृति इरानी और दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने अभिनंदन किया। इस दौरान सभी ने लोकतंत्र की रक्षा, नागरिक अधिकारों के महत्व और आपातकाल के दौरान हुए संघर्षों को याद करते हुए उन कठिन दिनों से सीख लेकर लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाए रखने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र का वह काला अध्याय है, जब कांग्रेस ने सत्ता बचाने और एक परिवार के राजनीतिक हितों के लिए देश पर आपातकाल थोप दिया। संविधान की भावना को आघात पहुंचाया गया, नागरिक स्वतंत्रताओं का दमन हुआ और लोकतंत्र की आवाज दबाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में भाजपा संसदीय बोर्ड के सदस्य सत्यनारायण जटिया, सांसद रामवीर बिधूड़ी, योगेंद्र चांदोलिया, बांसुरी स्वराज, विधायक अभय वर्मा और स्थायी समिति अध्यक्ष सत्या शर्मा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

बिहार के सीवान में किसान की दो बेटियों ने सीआईएसएफ में पाई सफलता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सीवान। कहते हैं कि मेहनत और दृढ़ संकल्प के आगे परिस्थितियां भी घुटने टेक देती हैं। बिहार में सीवान जिले के दरौंदा प्रखंड के पिनर्थु पंचायत स्थित इंदापुर गांव की दो सगी बहनों ने इसी कहावत को सच कर दिखाया है। किसान हरेराम यादव की बेटियां शिवानी यादव और वर्षा यादव ने स्टाफ सिलेक्शन कमीशन के माध्यम से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में चयनित होकर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आज बड़ी बहन शिवानी यादव गृह मंत्रालय की सुरक्षा में अपनी सेवाएं दे रही हैं, जबकि छोटी बहन वर्षा यादव दिल्ली मेट्रो की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही हैं। दोनों बेटियों की इस उपलब्धि से पिता हरेराम यादव का सीना गर्व से चौड़ा हो गया है। गांव में भी खुशी का माहौल है और लोग इसे बेटियों की मेहनत व लगन का परिणाम बता रहे हैं।

दोनों बहनों की प्रारंभिक शिक्षा से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई पश्चिम बंगाल बोर्ड से हुई। शिवानी ने वर्ष 2016 में मैट्रिक, 2018 में इंटर तथा 2021 में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की। वर्ष 2023 में उनका चयन सीआईएसएफ में हुआ। वहीं वर्षा ने 2019 में मैट्रिक, 2021 में इंटर और 2024 में स्नातक की पढ़ाई पूरी की तथा वर्ष 2025 में सीआईएसएफ में चयनित हुईं। उनके पिता हरेराम यादव कोलकाता में खटाल का संचालन करते हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद परिवार ने बेटियों की पढ़ाई में कोई कमी नहीं आने दी। दोनों बहनों ने बताया कि उन्हें पहली ही कोशिश में सफलता मिली। उनका मानना है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर जारी रहे तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता और गुरुजनों को दिया। साथ ही बताया कि सेल्फ स्टडी और ऑनलाइन पढ़ाई ने उनकी तैयारी में अहम भूमिका निभाई।

सेप्टिक टैंक में उतरे तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक फैक्ट्री में शुक्रवार को सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान बड़ा हादसा हो गया। जहरीली गैस की चपेट में आने से तीन मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि एक मजदूर के बेहोश होने पर उसे बचाने के लिए दो अन्य साथी भी टैंक में उतर गए, लेकिन वे भी जहरीली गैस की चपेट में आ गए। सूचना मिलने पर दिल्ली दमकल की टीम मौके पर पहुंची और तीनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 12:03 बजे दमकल विभाग को मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया स्थित फैक्ट्री नंबर-93/8 में सेप्टिक टैंक में लोगों के फंसे होने की सूचना मिली। ज्वाला पुरी फायर स्टेशन से दो वाटर टेंडर मौके के लिए रवाना किए गए। रास्ते में ट्रैफिक जाम मिलने पर टिकरी स्टेशन से भी एक अतिरिक्त वाटर टेंडर भेजा गया। राहत एवं बचाव अभियान के दौरान एसडीएम मुंडका को भी मौके पर बुलाया गया। दमकल अधिकारी के मुताबिक, तीनों मजदूर एक-एक कर सेप्टिक टैंक में उतरे थे। टैंक में जहरीली गैस भरी होने के कारण वे बेहोश हो गए। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद तीनों को बाहर निकाल कर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान अरुण (38), संदीप (32) और चांद (42) के रूप में हुई है। तीनों सुल्तानपुरी के इंद्रा झील इलाके के रहने वाले थे और फैक्ट्री में मजदूरी का काम करते थे। मुंडका थाना पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फर्जी गैस डिस्कनेक्शन मैसेज भेजकर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

कैनविज टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने फर्जी गैस कनेक्शन डिस्कनेक्शन का संदेश भेजकर लोगों से साइबर ठगी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में झारखंड और पश्चिम बंगाल से चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 20 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट, सोने-चांदी के आभूषण, 61,900 रुपये नकद और ठगी की रकम से खरीदी गई एक टाटा हैरियर कार बरामद की गई है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान साहिल, रहीम, मोहसिन और दिलशाद के रूप में हुई है। दक्षिण पश्चिम जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने शुक्रवार को बताया कि मामला ई-एफआईआर संख्या 53/25 के तहत दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता महिला को एक संदेश मिला था, जिसमें कहा गया था कि उसका आईजीएल गैस कनेक्शन बंद होने वाला है। मदद के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करने पर ठगों ने व्हाट्सएप के जरिए एक एपीके फाइल भेजी। महिला द्वारा फाइल इंस्टॉल करते ही साइबर अपराधियों ने उसके मोबाइल का एक्सेस हासिल कर बैंक खाते और क्रेडिट कार्ड से करीब 2.64 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर ली। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम को तुरंत ऑनलाइन महंगे मोबाइल फोन, गिफ्ट कार्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने में खर्च किया जाता था, ताकि रकम का स्रोत छिपाया जा सके। बाद में इन सामानों को बेचकर नकदी में बदला जाता था। पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के अनुसार, जांच के दौरान पुलिस ने पीड़िता के क्रेडिट कार्ड से खरीदे गए दो मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर, डिलीवरी एड्रेस और मोबाइल नंबरों का विश्लेषण किया। जांच में पता चला कि सामान शाहीन बाग के एक फर्जी पते पर मंगाया गया था। तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस ने शाहीन बाग की एक दुकान में काम करने वाले एक सेल्समैन को पकड़ा। पूछताछ में उसने बताया कि वह साइबर अपराधियों के कहने पर पार्सल प्राप्त कर उन्हें कोलकाता भेजता था और इसके बदले कमीशन लेता था। उसके पास से ऑनलाइन मंगाए गए सोने के सिक्के भी बरामद किए गए। आगे की जांच में पुलिस ने कोलकाता के खिदिरपुर हब से पार्सल लेने पहुंचे एमडी साहिल को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद एमडी रहीम का नाम सामने आया, जो ठगी से खरीदे गए मोबाइल फोन सस्ते दामों में खरीदकर अवैध माध्यमों और विदेश स्थित नेटवर्क के जरिए बेचता था। इसके बाद जांच झारखंड के देवघर पहुंची, जहां से एमडी मोहसिन और एमडी दिलशाद को गिरफ्तार किया गया। दोनों ठगी से खरीदे गए इलेक्ट्रॉनिक सामान को ठिकाने लगाने और गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ विभिन्न मोबाइल नंबरों के जरिए समन्वय करने का काम करते थे।

पंजाब में सरकारी दफ्तरों का समय बदला, एक जुलाई से लागू होगा नया समय

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने सरकारी दफ्तरों और संस्थानों के समय में फिर से बदलाव कर दिया है। सरकार ने पुराने समय को बहाल करने का फैसला लिया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार, पंजाब राज्य के सभी सरकारी दफ्तरों, संस्थानों और चंडीगढ़ सहित पंजाब में स्थित दफ्तरों का समय एक जुलाई से सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। इससे पहले गर्मी के मौसम को देखते हुए 25 मई से सरकारी दफ्तरों का समय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया गया था। अब सरकार ने इस फैसले को वापस लेते हुए पुराने समय के अनुसार दफ्तर चलाने के आदेश जारी कर दिए हैं। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्देश जनहित को ध्यान में रखते हुए जारी किए गए हैं। इस संबंध में सभी विभागों के प्रमुखों, डिवीजन कमिश्नरों और डिप्टी कमिश्नरों को आदेश भेज दिए गए हैं।

किशनगंज सिविल कोर्ट में अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस पर शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

किशनगंज। अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को किशनगंज सिविल कोर्ट परिसर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देशानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार नम्रता तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। समारोह में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ओम शंकर ने उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता, व्यवहार न्यायालय एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कर्मचारी तथा पारा विधिक स्वयंसेवक मौजूद रहे।कार्यक्रम में सभी ने तंबाकू, सिगरेट, शराब एवं अन्य सभी प्रकार के नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा समाज को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

अमृत 2.0 योजना के तहत बनने वाले पार्क का विरोध

कैनविज टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर के टीएनबी कॉलेजिएट के मैदान पर अमृत 2.0 योजना' के तहत पार्क के निर्माण का विरोध होना शुरू हो गया है।

स्थानीय लोग इसका विरोध प्रदर्शन और सोशल मीडिया के माध्यम से कर रहे हैं। टीएनबी कॉलेजिएट मैदान सिर्फ एक खाली जमीन का टुकड़ा नहीं, बल्कि इस क्षेत्र के सैकड़ों बच्चों के सपनों, उनकी खेल प्रतिभा और एक स्वस्थ भविष्य का मजबूत आधार है। आज इसी मैदान को बचाने और बच्चों के खेल के अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए स्थानीय लोगों और बच्चों ने एक सुर में आवाज बुलंद की है। वार्ड संख्या 19 के अंतर्गत 'अमृत 2.0 योजना' के तहत इस ऐतिहासिक मैदान परिसर में एक पार्क निर्माण का प्रस्ताव है, जिसका स्थानीय स्तर पर विरोध शुरू हो गया है।

भारी संख्या में स्थानीय लोगों और बच्चों ने मैदान परिसर में एकत्रित होकर इस निर्माण कार्य के खिलाफ अपना शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों का स्पष्ट रूप से मानना है कि इस पूरे क्षेत्र में बच्चों के खेलने, दौड़ने और अन्य शारीरिक व खेल गतिविधियों के लिए यह एकमात्र खुला मैदान बचा है। आज के डिजिटल दौर में, जहाँ बच्चे मैदानों से दूर हो रहे हैं, ऐसे में इस एकमात्र खेल मैदान को पार्क के रूप में तब्दील कर इसके दायरे को सीमित करना बच्चों के हितों के साथ सरासर नाइंसाफी होगी। पार्क बनने से कंक्रीट का ढांचा बढ़ेगा और बच्चों के दौड़ने-खेलने की खुली जगह खत्म हो जाएगी। प्रदर्शनकारियों ने साफ किया कि वे शहर के सौंदर्यीकरण या विकास कार्य के खिलाफ नहीं हैं। लोगों ने नगर निगम प्रशासन और संबंधित उच्च अधिकारियों से बेहद संवेदनशील अपील की है कि पार्क निर्माण के लिए किसी अन्य उपयुक्त स्थान या खाली जमीन का चयन किया जाए। इस ऐतिहासिक और उपयोगी मैदान को पूरी तरह से खेल मैदान के रूप में ही सुरक्षित रखा जाए ताकि यहाँ की खेल प्रतिभाएं निखरती रहें। मैदान को बचाने की यह मुहिम अब सड़कों से लेकर सोशल मीडिया पर भी तेज हो गई है। स्थानीय युवाओं और लोगों ने डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर हैशटैग के साथ इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने की शुरुआत कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्चों का मैदान बचेगा, तभी उनका स्वास्थ्य और भविष्य संवर पाएगा। अब देखना यह है कि जनभावनाओं को देखते हुए नगर निगम और प्रशासन इस फैसले पर क्या पुनर्विचार करता है।

मंत्री आशीष सूद ने गाजीपुर लैंडफिल साइट का किया दौरा

नई दिल्ली। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को गाजीपुर लैंडफिल साइट का दौरा करके कचरा प्रबंधन के काम की प्रगति निरीक्षण किया। उन्होंने चल रहे कार्यों की गति का आकलन किया और कचरा प्रबंधन हासिल करने के लिए उन्हें समय पर और प्रभावी ढंग से पूरा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री आशीष सूद ने गाजीपुर लैंडफिल साइट पर ही परियोजना की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान दिल्ली नगर निगम (एमडीसी) के अतिरिक्त आयुक्त लीला धर मेघवाल व निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के ओखला, भलस्वा और गाजीपुर लैंडफिल स्थलों पर कचरे के पहाड़ों को खत्म कर उपयोगी भूमि विकसित करने का कार्य तेजी से जारी है। कुल 202 एकड़ में से अब तक 75 एकड़ भूमि को पुनः प्राप्त किया जा चुका है।

यूओयू उत्तराखंड व आरटीओयू यूपी के मध्य शैक्षणिक समझौता

कैनविज टाइम्स संवाददाता

हल्द्वानी। उच्च शिक्षा, शोध तथा मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में परस्पर सहयोग को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी एवं उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मध्य शैक्षणिक समझौता पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के प्रयागराज स्थित मुख्यालय में सम्पन्न हुआ।

समझौता उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) नवीन चन्द्र लोहनी तथा उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ । इस अवसर पर प्रो. सत्यकाम ने प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी का आत्मीय स्वागत किया तथा उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट किया। समझौते के बाद प्रो. सत्यकाम ने कहा कि यह दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं संस्थागत सहयोग को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके अंतर्गत शोध एवं नवाचार, संकाय एवं विद्यार्थियों के शैक्षणिक आदान-प्रदान, संयुक्त राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, अध्ययन सामग्री के विकास, डिजिटल शिक्षण संसाधनों तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सहयोग किया जाएगा। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीतिऽ2020 के उद्देश्यों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, समावेशी, लचीली एवं सुलभ उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए दोनों विश्वविद्यालय मिलकर कार्य करेंगे। यह समझौता मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा प्रणाली को और अधिक प्रभावी, नवाचारोन्मुख तथा विद्यार्थी-केंद्रित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस साझेदारी से दोनों विश्वविद्यालयों के शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त होंगे तथा ज्ञान, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में दीर्घकालिक एवं सार्थक सहयोग का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी एवं शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं शिक्षकों ने इस समझौते को मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह साझेदारी भविष्य में दोनों संस्थानों के मध्य शैक्षणिक, शोध एवं अकादमिक सहयोग को नई गति प्रदान करेगी तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के नए आयाम स्थापित करेगी।

उत्तराखंड की ट्राउट मछली पहली बार पहुंची अंतरराष्ट्रीय बाजार, पांच टन निर्यात

कैनविज टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड से राज्य गठन के बाद पहली बार ट्राउट मछली का अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात किया गया है। पिथौरागढ़ जिले की तीन मत्स्यजीवी सहकारी समितियों की ओर से उत्पादित पांच मीट्रिक टन रेनबो ट्राउट मछली नेपाल भेजी गई है। राज्य सरकार ने आने वाले दिनों में करीब 30 मीट्रिक टन ट्राउट मछली के निर्यात की तैयारी भी शुरू कर दी है। मत्स्य विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में बताया कि धारचूला और मुनस्यारी क्षेत्र की तीन सहकारी समितियों ने यह मछली तैयार की थी। कोल्ड-चेन के माध्यम से इसे गुजरात के वेरावल भेजा गया, जहां प्रसंस्करण के बाद 23 जून को नेपाल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात किया गया। इससे 33 मत्स्य पालकों को लगभग 23.50 लाख रुपये की आय हुई है। उन्होंने बताया कि इस पहले निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए मत्स्य विभाग ने हार्वेस्टिंग, पैकेजिंग और परिवहन के लिए 5.40 लाख रुपये की गैप फंडिंग उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि दुबई में आयोजित गल्फ फूड एक्सपो के दौरान बने अंतरराष्ट्रीय संपर्कों का यह सकारात्मक परिणाम है। विभाग अब यूरोप, मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों में भी निर्यात की संभावनाओं पर काम कर रहा है तथा लगभग 30 मीट्रिक टन ट्राउट मछली के निर्यात की तैयारी की जा रही है। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण मत्स्य पालन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2020-21 में जहां ट्राउट मछली का उत्पादन लगभग 250 मीट्रिक टन था,वहीं वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर करीब 800 मीट्रिक टन हो गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ हुए समझौते के तहत अब तक 2.10 करोड़ रुपये मूल्य की 45.10 मीट्रिक टन ट्राउट मछली की आपूर्ति की जा चुकी है। मंत्री के अनुसार, वर्ष 2022 तक राज्य में 10,011 मत्स्य पालक थे,जिनकी संख्या बढ़कर 15,657 हो गई है। इनमें 3,584 महिला मत्स्य पालक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022-26 के दौरान मत्स्य उत्पादन की वृद्धि दर 11 प्रतिशत तक पहुंच गई है। वर्ष 2026-27 में राज्य में 11,805 मीट्रिक टन मत्स्य उत्पादन हुआ,जिसका अनुमानित मूल्य 165 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि मत्स्य विभाग का वार्षिक बजट वर्ष 2021-22 के 55.76 करोड़ रुपये से बढ़कर वर्ष 2026-27 में 261.41 करोड़ रुपये हो गया है। पिछले चार वर्षों में 5,646 मत्स्य पालकों के लिए स्वरोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं और विभाग में 33 नियमित नियुक्तियां भी की गई हैं।

चेयरमैन एवं प्रधान सम्पादक - **राकेश कुमार पाण्डेय** कार्यकारी सम्पादक* - **अरशद सईद खान** स्टेट हेड - **संदीप मिश्रा**

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश कुमार पाण्डेय द्वारा सरस्वती प्रिंटर्स वाटर वर्क्स रोड ऐशबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं सी-46, कृष टॉवर, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, पिन-226010 से प्रकाशित। * इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी।

समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय क्षेत्र के ही अधीन होंगे। फोन नं। 0522-4249333 फैक्स नं.- 4249333 **e-mail** : info@kanwhizztimes.com RNI NO - UPHIN/2012/42063